ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आईएएस अधिकारी संघ ने सीएम के खिलाफ शिकायत क्यों नहीं की? विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 05 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-184

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के योगदान का लेखा जोखा

बेतुका बोले, विदेश घूमे, आरोप लगाए... और क्या!

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।
कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता के बतौर पिछले एक साल में भारतीय राजनीति और समाज को क्या-क्या योगदान दिए, उसे लेकर समीक्षा हो रही है। इस समीक्षा में यह भी शामिल है कि पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान पर की गई ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई पर राहुल गांधी ने कितने फूहड़ और देश विरोधी बयान दिए। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेशों में भारत का पक्ष रखने गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को लेकर भी राहुल गांधी के बयान देश के लोगों को अत्यंत नागवार लगे। राहुल गांधी का अपनी ही पार्टी के सांसद शशि थरूर के खिलाफ बोलना मजाकिया तरीके से सुर्खियां बना रहा। थरूर ने दुनियाभर में भारत का मान बढ़ाया तो राहुल गांधी शशि थरूर का मान घटाने में लगे रहे। पूरे देश ने इसे देखा।

इस दौरान संसद में राहुल गांधी की उपस्थिति औसत से भी कम रही। इस अनुपस्थिति का कारण राहुल गांधी का जमीनी जन-सम्पर्क नहीं रहा, बल्कि कुछ अन्य एजेंडे में उनकी व्यस्तता रही। इसी दरम्यान राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारी। राहुल गांधी ने यह अवधि भारत सरकार और चुनाव आयोग को गरियाने, बदनाम करने और आरोप लगाने में ही गंवाई। लिहाजा राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का अब तक का कार्यकाल ही बेमानी विवादों, नाकामियों और कांग्रेस की पराजय से भरा रहा। 40 से भी अधिक दिन विदेश में बिताने, तथ्यहीन और जहरीले बयानों और संसद में औसत से कम उपस्थिति ने उनके नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े किए। दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र में हार ने साबित किया कि राहुल का चेहरा अब कांग्रेस के लिए बोझ बन चुका है। उनके नासमझ बयानों ने न सिर्फ पार्टी की साख को ठेस पहुंचाई, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी नुकसान पहुंचाया।

संसद में औसत से भी कम रही उपस्थिति

पिछले एक साल में राहुल गांधी ने 40 से अधिक दिन विदेश में बिताए। ये वो नेता हैं, जिन्हें कांग्रेस ने विपक्ष का चेहरा बनाया, लेकिन वे बार-बार देश छोड़कर विदेश सैर-सपाटे पर निकल पड़ते हैं। इसीलिए उन्हें पार्ट-टाइम पॉलिटिशियन भी कहा जाता है। जून 2024 में राहुल गांधी लंदन गए। कांग्रेस ने दावा किया कि वो अपनी भांजी मिराया वाड्रा के ग्रेजुएशन समारोह में शामिल होने गए थे। चर्चा हुई कि राहुल बहरीन भी गए थे, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि उनकी फ्लाइट का रूट दिल्ली-बहरीन-लंदन था। यह यात्रा तब हुई जब कांग्रेस गोवा में दलबदल की घटनाओं से जूझ रही थी। ऐसे वक्त में राहुल की विदेश यात्रा ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया।

मार्च 2025 में होली के दौरान राहुल गांधी वियतनाम में थे। यह राहुल गांधी की गुप्त यात्रा थी। इस तरह की गुप्त यात्राएं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानी जाती हैं। कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी वियतनाम के आर्थिक मॉडल का अध्ययन करने गए थे। राहुल ने वियतनाम में 22 दिन बिताए, जबकि अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली से वे परहेज करते हैं। राहुल गांधी की सितंबर 2024 की अमेरिका यात्रा तो सबसे अधिक विवादों में रही। टेक्सास, वर्जीनिया और वाशिंगटन में राहुल ने भाजपा, आरएसएस और पीएम मोदी पर तीखे और अनपेक्षित हमले किए। उनके बयानों ने कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया। उन्होंने भारत के लोकतंत्र को सीरिया और इराक जैसे युद्धग्रस्त देशों से जोड़ा, जिस पर भाजपा ने उन्हें देशद्रोही तक करार दिया। राहुल गांधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से भी मिले, जो भारत विरोधी के रूप में कुख्यात है। इस मुलाकात ने सियासी हंगामा मचा दिया। राहुल ने सिख समुदाय और आरक्षण पर भी बयान दिए, जिन्हें सिख संगठनों और मायावती ने अपमानजनक बताया। इस यात्रा ने कांग्रेस की छवि को भारी नुकसान पहुंचाया। 40 से अधिक दिनों तक भारत के नेता प्रतिपक्ष के विदेश में रहने से भारत को क्या हासिल हुआ? क्या कोई नीति बनी? क्या कांग्रेस को नया रास्ता दिखाया? इसका जवाब है क्या है, सब जानते हैं। राहुल गांधी की विदेश यात्राएं भारत विरोधी बयानबाजियों, निजी वजहों, समारोहों और विवादित मुलाकातों में ही सीमित रहीं।

▶10पर

भोजपुरियों के देश त्रिनिदाद एवं टोबैगो पहुंचे पीएम मोदी

ढोल-मंजीरे और भोजपुरी चौताल से हुआ अभूतपूर्व स्वागत

पोर्ट ऑफ स्पेन, 04 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैरेबियन देश त्रिनिदाद एंड टोबैगो पहुंचने पर अभूतपूर्व सांस्कृतिक स्वागत किया गया। त्रिनिदाद और टोबैगो की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान पोर्ट ऑफ स्पेन में पीएम नरेंद्र मोदी का भोजपुरी चौताल से स्वागत हुआ। पियार्को इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर और उनके 38 कैबिनेट मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला बिसेसर ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने भारत को ताकतवर देश बनाया है और पूरे विश्व में भारत का मान बढ़ाया है। कमला बिसेसर ने भारत के वैक्सीन अभियान की भी तारीफ की। पीएम मोदी को त्रिनिदाद और टोबैगो का सबसे बड़ा सम्मान, द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद और टोबैगो से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो के नागरिकों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि यहां रहने वाले भारतीय मूल की छठी पीढ़ी तक के लोग ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड के लिए पात्र होंगे। इससे वे भारत में भी रह कर काम कर सकेंगे। पीएम मोदी ने कहा, भारत आपका स्वागत करता है।

- त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सर्वोच्चतम सम्मान से नवाजे गए मोदी
- पीएम कमला प्रसाद बिसेसर ने कहा, भारत की ताकत हैं मोदी
- पीएम मोदी ने पीएम कमला को भेंट किया गंगा-सरयू का जल
- भारतीय मूल के लोगों को मिलेगा ओसीआई कार्ड : पीएम मोदी

पीएम मोदी की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया जा रहा है क्योंकि 25 साल बाद यहां कोई भारतीय प्रधानमंत्री आया। ढोल-ताशे और झाल-मंजीरे के साथ बिल्कुल देसी भोजपुरी अंदाज में चौताल गाकर किए गए स्वागत से प्रधानमंत्री मोदी अभिभूत हो गए। पीएम मोदी ने इसे दोनों देशों के बीच का सांस्कृतिक जुड़ाव करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया में कहीं और नहीं है। इस तरह के पारंपरिक स्वागत को पीएम मोदी ने अतुलनीय बताया। पीएम मोदी ने कहा, ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव अन्यत्र नहीं है। त्रिनिदाद और टोबैगो का भारत और खास तौर पर बिहार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़ाव उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की और देश के विकास में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रवासी समुदाय ने न केवल विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है, बल्कि वे भारतीय संस्कृति से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

पीएम मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड दिए जाएंगे। कार्ड मिल जाने के बाद प्रवासी भारतीय बिना किसी प्रतिबंध के भारत में रह सकेंगे और काम कर सकेंगे। त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर गए पीएम नरेंद्र मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में प्रवासी भारतीयों के लिए बड़ा ऐलान किया। पीएम मोदी ने कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के छठी पीढ़ी के नागरिकों को अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड मिलेगा। यह कार्ड मिल जाने के बाद प्रवासी भारतीय बिना किसी प्रतिबंध के भारत में रह सकेंगे और काम कर सकेंगे।

पीएम मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि ▶10पर

भाजपा को जल्द ही मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

इस बार कमान महिला के हाथ में तो नहीं!

शीर्ष पर चल रहा है सीतारमण और पुरंदेश्वरी का नाम

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।
अगले कुछ दिनों में भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा इस बात की है कि भाजपा किसे अपना अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाएगी। पिछले कुछ दिनों में केंद्रीय नेतृत्व ने कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान किया है और इससे पार्टी के संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन का रास्ता साफ हो गया है।

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा, इसे लेकर पिछले कुछ महीनों में ढेर सारी अटकलें लग चुकी हैं। जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में ही समाप्त हो गया था, इसलिए तब से कई बार कई नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर चर्चा में आ चुके हैं लेकिन अब जो ताजा और बड़ी जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक भाजपा पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है।

जिन महिलाओं के नाम इस दौड़ में आगे चल रहे हैं उनमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आंध्र प्रदेश भाजपा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी और भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन जैसे अहम चेहरे शामिल हैं। ये तीनों महिलाएं दक्षिण भारत से आती हैं।

निर्मला सीतारमण की हाल ही में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष के साथ दिल्ली के हेडक्वार्टर में एक हाई प्रोफाइल बैठक हुई। उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा है। उनके पास राजनीति में काम करने का लंबा अनुभव भी है। अगर सीतारमण भाजपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनती हैं तो पार्टी को दक्षिण भारत में अपना विस्तार करने में मदद मिल सकती है। भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण से जुड़ा कानून भी बना चुकी है। निर्मला सीतारमण भारत सरकार में रक्षा मंत्री रही है, उन्हें पार्टी के संगठन के मामलों का भी काफी अनुभव है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए दूसरा नाम डी. पुरंदेश्वरी का चल रहा है। वह आंध्र प्रदेश में भाजपा की अध्यक्ष रह चुकी हैं। उनके बारे में खास बात यह है कि वह कई भाषाएं बोलने में माहिर हैं। पुरंदेश्वरी हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनियाभर के देशों को जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए डेलिगेशन का हिस्सा थीं। तीसरी दावेदार के रूप में वनथी श्रीनिवासन का नाम भी चल रहा है। वनथी कोयंबटूर साउथ से विधायक हैं। वह मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली हैं और राजनीति में आने से पहले वकालत के पेशे में सक्रिय थीं। ▶10पर

चीन अटका रहा मेक इन इंडिया में रोड़ा

आईफोन बनाने वाले 300 इंजीनियर वापस बुलाए

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।
तकनीक के क्षेत्र में भारत की तरक्की पड़ोसी देश चीन को पच नहीं रही है। वह आए दिन ऐसे कदम उठा रहा है जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि रुके। अब उसके निशाने पर भारत में बनने वाले आईफोन आए हैं। उसने आईफोन निर्माता फॉक्सकॉन के भारतीय प्लांट में काम करने वाले अपने यहां के इंजीनियरों और कर्मचारियों को वापस बुला लिया है। वह इसके जरिए भारत में एप्पल के उत्पादों के निर्माण का बढ़ता दायरा रोकना चाहता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अपने 300 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को वापस बुलाया है। यह कर्मचारी भारत में फॉक्सकॉन के प्लांट में काम कर रहे थे। फॉक्सकॉन में काम करने वाले यह इंजीनियर और टेक्नीशियन चीनी नागरिक बताए गए हैं। फॉक्सकॉन ने इस फैसले के विषय में भारत सरकार को सूचित कर दिया है। रिपोर्ट बताती है कि चीन के इस फैसले के चलते आईफोन 17 के भारत में निर्माण पर कुछ दिक्कतें आ सकती हैं लेकिन बाकी कोई विशेष समस्या नहीं होने वाली है।

रिपोर्ट बताती है कि इंजीनियरों को बीते दो माह के भीतर वापस बुलाया गया है। ▶10पर

सुरक्षा तैयारियों में जुड़ा एक और अध्याय

अयोध्या में बनेगा एनएसजी का छठा हब

लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद अयोध्या और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) हब सेंटर स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। अयोध्या एवं सीमावर्ती संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए अयोध्या में एनएसजी हब की स्थापना की जा रही है। इसके लिए 8 एकड़ भूमि (नजूल भूमि) 99 साल की लीज पर गृह विभाग भारत सरकार के पक्ष में आवंटित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। एनएसजी के पांच क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई और गांधीनगर में स्थित हैं।

अयोध्या में एनएसजी हब स्थापित करने का फैसला श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए लिया गया है। एनएसजी हब में जवानों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। अयोध्या पर विभिन्न आतंकी संगठनों की नजर है और यहां हमले की आशंका बनी रहती है। किसी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए यहां सुरक्षा प्रबंधों को लगातार पुख्ता किया जा रहा है। एनएसजी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बीते दिनों अयोध्या का भ्रमण भी किया था। ▶10पर

भारतीय सेना के उप प्रमुख ने किया महत्वपूर्ण खुलासा

भारत का लाइव डाटा पाकिस्तान को दे रहा था चीन

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन-पाकिस्तान और तुर्किए के गठबंधन को बेनकाब किया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में हमने एक सीमा पर जंग लड़ते हुए तीन विरोधियों को शिकस्त दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिए देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी पड़ोसी समेत सभी को साफ रणनीतिक संदेश दिया कि अब पहले की तरह आतंकवादी कृत्यों को सहन नहीं किया जाएगा। भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन पाकिस्तान को भारत की तैयारियों और अग्रिम मोर्चों पर हमारी तैनाती को लेकर इनपुट दे रहा था। उन्होंने कहा कि जब डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तो पाकिस्तान को चीन से हमारे महत्वपूर्ण वैक्टरों के लाइव अपडेट मिल रहे थे। ऐसे में यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमें असल में ज्यादा से ज्यादा और तेजी के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने चीन-तुर्किए और पाकिस्तान के गठबंधन को बेनकाब करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के ▶10पर

महासती श्री शशिप्रभा जी, इंदुप्रभा जी ने चातुर्मास हेतु महावीर भवन में किया मंगल प्रवेश

विशाल शोभा यात्रा में जयकारों के साथ साध्वीवर्ग का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महासती श्री शशिप्रभा जी, इंदुप्रभा जी, निपुणप्रभा जी, वृद्धिप्रभा जी, ऋद्धिप्रभा जी ने चातुर्मास हेतु महावीर भवन में प्रवेश किया। इंदिरा-नगर स्थित चोरड़िया निवास से विशाल शोभा यात्रा में जयकारों के साथ साध्वीवर्ग ने विहार यात्रा प्रारंभ की, जो जोगुपालयम होती हुई, महावीर भवन पहुंच कर प्रवेश स्वागत समारोह में परिवर्तित हो गई। शोभा यात्रा में श्रावक संघ, महिला मंडल, नवकार बहु मंडल, युवक संघ के साथ अनेक संघों के पदाधिकारी और गणमान्य जन उपस्थित थे। स्वागत समारोह में महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। नवकार बहु मंडल, जेपीपी महिला फाउंडेशन तथा इंदिरा बाई मुथा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किए। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने संघ की ओर से साध्वी बृंद का स्वागत करते हुए आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि जय गच्छ के चातुर्मास के लिए संघ ने 58 साल इंतजार किया है। संघ के बुजुर्ग जनों के त्याग समर्पण से निर्मित ख्याति से संघ को प्रस्तुत चातुर्मास लाभ प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में महासती श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि संघ ही संतों के माता पिता होते हैं। चातुर्मास पुण्य निर्मित अवसर होता है जिसे तप त्याग से व जिनवाणी श्रवण से सफल कर सकते हैं। उन्होंने गणेशीलाल जी महाराज साहब एवं जयमल जी महाराज साहब को स्मरण करते हुए प्रेरणा दी कि हम धर्म क्षेत्र में अवांछित स्पर्धा से बचें और न किसी से तुलना कर अनावश्यक आकलन करें। संघ सेवा में शिकायत का कोई स्थान नही होता है। यहां सभी को सामान अवसर उपलब्ध है। नकारात्मक भूमिका से बचें और संघ के लिए हम आनंदकारी बने। रेवतमल नाहर और चंद्रप्रकाश मुथा ने साध्वी वर्ग को चातुर्मास आवास की आज्ञा प्रदान की। पूज्य शशिप्रभा जी के मंगलपाठ के साथ समारोह संपन्न हुआ।

नारियल रोग प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता

चन्नपट्टना/शुभ लाभ ब्यूरो।

चन्नपट्टना विधायक सी.पी. योगेश्वर ने कहा कि जिले के अधिकांश हिस्सों में नारियल रोग का पता चला है। रोग प्रबंधन के बारे में किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रोग नियंत्रण के साथ-साथ फसल मूल्य संवर्धन के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया जाएगा। वे गुरुवार को शहर के जिला पंचायत हॉल में 'नारियल में ब्लैकहेड वर्म, व्हाइटफ्लाई नियंत्रण और नारियल विकास' पर वैज्ञानिकों की एक टीम के साथ कासरगोड नारियल फसल उत्पादन अनुसंधान प्रभाग और जिला बागवानी विभाग द्वारा आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। किसानों के लिए वैकल्पिक आय के लिए नीरा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पहले ही कदम उठाए जा चुके हैं। चन्नपट्टना तालुक के थिट्टामारनहल्ली में एक बागान स्थापित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। इससे आसपास के किसानों को फायदा होगा। चन्नपट्टना और रामनगर से गुजरने वाले बेंगलूरु-मैसूरु राजमार्ग से नीरा व्यापार में आसानी होगी।

पापी को पुण्यात्मा बनाने की शक्ति सत्संग में होती है: साध्वी भव्य गुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ काईपेट में विराजित साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि पत्थर से मूर्ति बनाने की शक्ति मूर्तिकार में होती है। पापी को पुण्यात्मा बनाने की शक्ति सत्संग में होती है।

आत्मा का विकास सत्संग से होता है और आत्मा का विनाश कुसंग से होता है। सत्संग कभी न छोड़ें। कुसंग कभी न करें। पानी से शरीर की शुद्धि होती है। प्रभुवाणी से मन की शुद्धि होती है। जिनवाणी सुनने वाला दुःख में दिन नहीं होता। राजा प्रजापाल ने अपनी पुत्री मयणा का विवाह एक कोढ़ी से किया और फिर भी वह स्वस्थ रहीं। पुत्र कोणिक का प्रतिदिन 100 हंटर खाकर भी श्रेणिक सुखी रहता था। जिनवाणी के प्रभाव के विपरीत परिस्थिति में 'हाय हाय' कहने की बजाय 'होय होय' कहकर मन को प्रसन्न रखा जा सकता है। जिनवाणी सुनने से श्रद्धा मजबूत होती है। आध्यात्मिक जगत में श्रद्धा एक महत्वपूर्ण कारक है। मरीज को डॉक्टर पर, यात्री को ड्राइवर पर श्रद्धा हो तो ही वह इच्छित कार्य में सफल हो सकता है। इसी तरह भगवान के वचनों पर श्रद्धा हो तो ही हम पापों का नाश और पुण्य प्राप्ति में सफल हो सकते हैं। झूठ बोलने के तीन कारण हैं- राग, द्वेष और अज्ञान। ये तीन दोष परमात्मा में नहीं हैं। इसलिए भगवान के वचन सबसे बड़े सत्य हैं। 2600 वर्ष पहले भगवान ने जो कुछ कहा था, वे सभी बातें आज वैज्ञानिकों द्वारा सिद्ध की जा रही हैं। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि श्रद्धापूर्वक आराधना करना चाहिए। इस अवसर पर बेंगलूरु से जयंतीलाल चौहान, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, सुशीला बाई चौहान, मातृछाया महिला मंडल अध्यक्षा ललिता जैन, त्रिशला कोठारी आदि ने दर्शन का लाभ लिया। सभी का स्वागत अभिनन्दन किया गया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पूज्य साधु साध्वी जी भगवन्तों का बसवनगुड़ी में हुआ चातुर्मास प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवानगुड़ी के तत्वावधान में आराधना भवन बसवनगुडी के परम पवित्र प्रांगण में खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी महाराजा की आज्ञा से उन्हीं के आज्ञानुवर्ती मलयप्रभ सागर जी, पूज्य मुकुलप्रभ सागर जी और चम्पाकली गच्छ गणिनी श्री सूर्यप्रभा श्री जी, स्नेह सुरभि श्री पूर्णप्रभा श्री जी की चरणाश्रिता सुशिष्याएं पूज्य साध्वी जी हर्षपूर्णा श्री जी, पूज्य साध्वी मनोरमा श्री जी का चातुर्मासिक प्रवेश चतुर्विध संघ की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने पूरे बेंगलूरु से पधारे हुए समस्त सदस्यों का भावभीना स्वागत अभिनंदन किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि शुभ मंगल घड़ियों में प्रातः श्री संभवनाथ जैन मन्दिर, वी वी पुरम् से महिला मंडल एवं सकल संघ के साथ विराट शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ जो बसवनगुड़ी के राजमार्गों से होती हुए विमलनाथ जिनालय आराधना भवन पहुंचा और मन्दिर जी में दर्शन वन्दन के पश्चात आराधना भवन में मंगल प्रवेश हुआ।

प्रवेश वरघोड़े में युवा वर्ग जोश और उत्साह में झूमते नृत्य करते चल रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा के एन आर रमेश उपस्थित थे। जिनका बहुमान अभिनन्दन ट्रस्ट द्वारा किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए कहा एन आर रमेश द्वारा दादावाड़ी ट्रस्ट को हमेशा सहयोग मिलता रहा है। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल के सदस्यों ने गीतिका के माध्यम से चारित्र आत्माओं को बधाया।

गुरु भगवन्तों को अक्षतों से बधाने और स्वामी वात्सल्य का लाभ कुलदीपिका प. पूज्य साध्वी जी मनोरमा जी की प्रेरणा से गौतम कुमार, पंकज कुमार, महावीर कुमार एवं समस्त बाफना परिवार गढ़ सिवाना - बेंगलूरु निवासी ने लिया। गुरुदेव और गुरुवर्या जी ने सभी को आगामी चातुर्मास में अधिक से अधिक धर्म आराधना में जुडने के लिए कहा। कार्यक्रम के दौरान परमात्मा एवं गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन का लाभ संघमाता इचरजबाई चंपालाल, विजयराज डोसी परिवार खजवाना वालों ने लिया। साधु भगवन्तों और साध्वी जी भगवंतों को कामली वोहराने का लाभ भंवर लाल, रूपचंद पटवारी परिवार मांडवला निवासी ने लिया और गुरु पूजन का लाभ नेमीचंद पंकज कुमार श्रीश्रीमाल परिवार पादरू हैदराबाद निवासी ने लिया। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ और अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् द्वारा सितम्बर माह में यात्रा संघ की घोषणा भी की गई। प्रवेश के दौरान व्यवस्थाओं में सहयोग श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल, अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् एवं श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल का रहा। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, पुखराज कवाड, धर्मेंद्र सकलेचा के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट और ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के नए कार्यालय में भव्य वास्तु पूजन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के नव-निर्मित अत्याधुनिक कार्यालय में शुक्रवार को श्रद्धा, उल्लास एवं संगठनात्मक गौरव के साथ वास्तु पूजन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में जीतो के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य सदस्य एवं अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना, मंगलाचरण एवं शुभ संकल्पों के साथ इस नवीन अध्याय की शुरुआत को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। गांधीनगर के प्रमुख स्थान पर स्थित यह नया कार्यालय लगभग 4000 वर्ग फीट में फैला हुआ है, जिसमें आधुनिक सुविधाओं और कार्य-कुशलता का सुंदर समन्वय किया गया है। यह भवन जीतो के सदस्यों के लिए न केवल संगठनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनेगा, बल्कि एक प्रेरणादायी, सहयोगात्मक एवं सुव्यवस्थित वातावरण भी प्रदान करेगा। कार्यालय में एक साथ 100 से अधिक व्यक्तियों की बैठक हेतु मल्टीपर्पज हॉल, आधुनिक वर्किंग एरिया, स्वागत कक्ष, अध्यक्ष कक्ष, सचिवालय कार्यालय, तथा कैफेटेरिया एवं विश्राम क्षेत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो इसे पूर्ण रूप से कार्यसंपन्न और प्रभावशाली बनाती हैं। इस शुभ अवसर पर समस्त वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा, संगठन के प्रति समर्पण और सामूहिक एकता की भावना से ओतप्रोत रहा। यह नई शुरुआत निश्चित रूप से जीतो के विजन शून्य से शिखर तक को और अधिक सशक्त रूप में आगे बढ़ाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यजनों में जीतो नॉर्थ अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, पूर्व अध्यक्ष तेजराज गोलछा, प्रोजेक्ट चेयरमैन रमेश बोहरा, प्रमोद भंडारी, उपाध्यक्ष दिनेश बाफना, कमल पूनमिया, साउथ महामंत्री नितिन लुनिया, साउथ उपाध्यक्ष महेंद्र जिनानी, बेंगलूरु नॉर्थ कमेटी से मदन जैन, पंकज जैन, प्रीतेश जैन, जे.वाई.डब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष अनीश भोजानी एवं जेएलडब्लू अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मेंटर मधु कटारिया, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपमानजनक टिप्पणी करने पर रविकुमार पर निशाना साधा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा है कि सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले भाजपा विधान परिषद सदस्य एन. रवि कुमार का बयान बहुत ही बेबाक हो गया है। विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने रविकुमार के बयान पर कड़ा गुस्सा जाहिर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनसे पूछा गया कि क्या रविकुमार ने मुख्य सचिव के खिलाफ कोई विवादित बयान दिया है तो उनकी जुबान बहुत बेबाक हो गई। उन्होंने अपना भाषण बीच में ही रोक दिया और बिना कोई और जवाब दिए चले गए। रविकुमार की टिप्पणी पर सरकार के कई मंत्रियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। इस मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। आईएएस अधिकारियों के संगठन ने बयान की निंदा की है और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एफआईआर दर्ज होते ही विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। रविकुमार के बयान की सभी मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं ने निंदा शुरू कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को सोच-समझकर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में भाजपा के कुछ नेताओं के शब्दों से पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। इससे पहले सिद्धरामैया ने कहा कि एन रविकुमार की जुबान बहुत लंबी हो गई है और इससे मामले की गंभीरता बढ़ गई है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। माली (सैनी) समाज 31 खेड़ा बेंगलूरु द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन प्रसंग पर श्री 1008 लिखमीदासजी महाराज जन्मोत्सव एवं 13वां वार्षिक स्नेह मिलन का आयोजन 10 जुलाई को अक्षया कन्वेंशन हॉल में होगा। समाज के मदनलाल टॉक, राम प्रकाश सांखला, गिरधारी राम टॉक, श्रवण राम चौहान एवं मनोहर लाल भाटी ने समाजसेवी महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। कार्यक्रम में गौ सेवा भजन मंडल भजनों की प्रस्तुति देंगे।

सीएम ने किसान नेताओं के साथ की अहम बैठक

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को विधान सौधा में देवनहल्ली तालुक के चन्नारायपटना होबली के आसपास भूमि अधिग्रहण का विरोध करने वाले संगठनों के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्रगतिशील संगठनों, किसान संगठनों के नेताओं और स्थानीय किसान नेताओं ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने मुआवजा राशि या विकास के लिए आवंटित भूमि की मात्रा बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। भूमि अधिग्रहण का विरोध करना उचित नहीं है। उद्योग और कृषि दोनों को समानांतर रूप से विकसित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उनसे इस संबंध में सरकार के साथ सहयोग करने की अपील की है। बैठक में बडागलपुरा नागेंद्र जैसे किसान संगठनों के नेता, अभिनेता और प्रगतिशील संगठन के नेता प्रकाश राज, दलित रायता समाज परिवर्तन और वामपंथी दलों के नेताओं ने भाग लिया। बेंगलूरु ग्रामीण जिला प्रभारी मंत्री के.एच. मुनियप्पा, कोलार जिला प्रभारी मंत्री बैरती सुरेश, विधायक ए.एस. पोन्नन्ना, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और अन्य मौजूद थे। बैठक में पहुंचे किसानों ने अलग-अलग टोकरियों में लौकी, मोटी मिर्च, केला, आम, अंगूर, परंगी के फल और फूल लेकर आए और मुख्यमंत्री को उपहार स्वरूप भेंट करते हुए अपील की कि इतने प्रचुर फल देने वाली जमीन को उद्योग के नाम पर उद्योगपतियों को न दिया जाए और गरीबों और किसानों का जीवन बर्बाद न किया जाए। मुख्यमंत्री ने किसानों द्वारा लाए गए फल और सब्जियों का निरीक्षण किया और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। खास बात यह रही कि बैठक में विधायक बी.आर. पाटिल, जो नीति और राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी हैं, भी मौजूद रहे। आवास विभाग में आवास आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के बारे में बयान देकर विवाद खड़ा करने वाले बी.आर. पाटिल लंबे समय बाद मुख्यमंत्री के साथ बैठक में नजर आए।

चामुंडी मंदिर में दर्शन के लिए राजनेताओं और फिल्मी हस्तियों सहित श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
द्वितीय आषाढ़ शुक्रवार के अवसर पर राज्य की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी के दर्शन के लिए मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 3.30 बजे से देवी के लिए विभिन्न अभिषेक, अर्चना और महामंगलआरती सहित विशेष पूजा अनुष्ठान आयोजित किए गए। सुबह 6 बजे के बाद, सार्वजनिक दर्शन की सुविधा प्रदान की गई और भक्त देवी के दर्शन के लिए कतारों में खड़े रहे। चामुंडेश्वरी देवी को लक्ष्मी श्रृंगार से सजाया गया। पूरे मंदिर को तोतापुरी आम और मसुकिना जोला सहित विभिन्न प्रकार के फलों और फूलों से सजाया गया था, जो देखने में बहुत ही सुंदर था। प्रसाद लेकर भक्त देवी के दर्शन के लिए सुबह से ही पहाड़ी की सीढ़ियों पर चढ़ गए और शुद्धिकरण किया। सीढ़ियों का उपयोग केवल सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक करने की अनुमति थी। लोग सुबह 4 बजे से ही पहाड़ी की सीढ़ियों के सामने कतारों में खड़े थे। द्वार खुलते ही वे उत्साह के साथ सीढ़ियां चढ़कर देवी के दर्शन करने लगे। आषाढ़ के शेष शुक्रवारों को सीढ़ियां चढ़कर आने वाले भक्त दर्शन के लिए कतार में खड़े होकर दर्शन कर सकते हैं। देवी के सुगम दर्शन के लिए ललिता महल पैलेस परिसर से निशुल्क बस सेवा की व्यवस्था की गई थी। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, विधायक एच.डी. रेवन्ना, जी.टी. हरीश गौड़ा सहित कई अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने परिवार के साथ देवी के दर्शन किए। वहीं सैंडलवुड अभिनेता दर्शन और डॉली धनंजय सहित कई कलाकारों ने अपने परिवार के साथ मंदिर में पहुंचकर देवी के दर्शन किए। एहतियात के तौर पर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो रहा था।

तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को ले जा रहा लांच नदी के बीच में अटका

यात्रियों को सुरक्षित बचाया

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शरावती बैकवाटर के बैकवाटर में यात्रियों को ले जा रही एक लॉन्च में तकनीकी खराबी आ गई और वह नदी के बीच में ही रुक गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। सौ से अधिक यात्रियों और वाहनों को ले जा रही लॉन्च बगल के किनारे पर जाते समय अचानक रुक गई। नदी के बीच में रुकने पर यात्री चिंतित हो गए और उन्हें डर लगने लगा कि आगे क्या होगा। बाद में, पुल निर्माण स्थल पर आई एक लॉन्च का इस्तेमाल रस्सी बांधकर क्षतिग्रस्त लॉन्च को किनारे पर लाने के लिए किया गया। ऐसा कहा जाता है कि एक और लॉन्च में देरी होने की संभावना थी, क्योंकि संभावना थी कि क्षतिग्रस्त लॉन्च पास में बन रहे सिगंडूर पुल के खंभे से टकरा जाती। हालांकि, चालक दल ने सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया।

नारियल की कीमतों में अचानक 5,000 रुपये की गिरावट से किसान चिंतित

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेजी से बढ़ते नारियल के दाम में गुरुवार को अचानक 5,000 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट आई, जिससे उत्पादकों और व्यापारियों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई।

पिछले सोमवार को 30,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से नीलाम होने का रिकॉर्ड बनाने वाले नारियल के दाम में महज तीन दिनों में 5,000 रुपये की गिरावट आई है।

टिपटूर एपीएमसी बाजार में एक क्विंटल नारियल की नीलामी अधिकतम 28,000 रुपये से लेकर न्यूनतम 24,000 रुपये तक हुई। बताया जाता है कि दाम में गिरावट का कारण यह है कि जैसे ही दाम बढ़े, किसानों ने तुरंत नारियल छीलकर बाजार में ला दिया। टिपटूर एपीएमसी में हर सोमवार और गुरुवार को टेंडर होते हैं और नारियल किस कीमत पर बिकेगा, इसका पता अगले सोमवार को होने वाली नीलामी में चलता है। अगर नारियल के दाम में गिरावट जारी रही, तो उत्पादकों और विक्रेताओं को फिर से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारियों ने भारी मात्रा में नारियल खरीदकर स्टॉक कर लिया है, उन्हें डर है कि दाम और बढ़ सकते हैं। अगर कीमतें गिरती हैं तो बहुत नुकसान होगा। किसानों ने भी इंतजार करने की रणनीति अपनाई थी, उन्हें उम्मीद थी कि कीमतें बढ़ेंगी। अब उन्हें चिंता है कि उन्हें हार माननी पड़ेगी।

आईएएस अधिकारी संघ ने सीएम के खिलाफ शिकायत क्यों नहीं की? विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि जब मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारियों का अपमान करने वाला व्यवहार किया था, तब आईएएस अधिकारी संघ कहां गया था? तब उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत क्यों नहीं की। यहां भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधान परिषद सदस्य रविकुमार के बयान के बारे में मीडिया में चर्चा हुई थी। इस संबंध में रविकुमार ने स्पष्टीकरण भी दिया।

बाद में खबर आई कि आईएएस अधिकारी संघ ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराई गई है। रविकुमार के मुद्दे को छोड़ दिया जाना चाहिए। क्या मुख्यमंत्री सिद्धरामैया खुद बेलगावी में एक जनसभा में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को थप्पड़ मारने नहीं गए थे? तब यह संघ कहां गया था। इसी मुख्यमंत्री ने एक अन्य सरकारी कार्यक्रम में जिलाधिकारियों को यह कहकर अपमानित किया था कि अरे, उठो। उस समय भी आईएएस एसोसिएशन कहां चली गई। इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग भी सब देख रहे हैं। ऐसी स्थिति जहां सभी विभागों में वेतन नहीं दिया जा सकता। बहुत से लोग मुख्यमंत्री पद के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, वे प्रयास कर रहे हैं।

आइए इंतजार करें और देखें कि आने वाले दिनों में क्या होता है। यदि सिद्धरामैया इस्तीफा देते हैं, तो हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुख्यमंत्री कौन है, राज्य के लोग कांग्रेस सरकार की आलोचना कर रहे हैं। बी.वाई. विजयेंद्र ने आलोचना की कि इस सरकार को संकट में फंसे किसानों की कोई चिंता नहीं है। यह कांग्रेस सरकार गरीबों को घर और गंगा कल्याण योजना नहीं दे पा रही है।

कोई विकास नहीं हुआ है। उन्होंने आपत्ति जताई कि राज्य के इतिहास में पहली बार कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद सरकारी कर्मचारियों को वेतन देना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग में तय दिन पर वेतन देना संभव नहीं है। सिंचाई विभाग में 2-3 महीने से ठीक से वेतन नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी विभागों में यही स्थिति है। आम लोग यही चर्चा कर रहे हैं कि ऐसी घटिया सरकार कैसे चल सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कोई भी हो, स्थिति नहीं बदलेगी। प्रियांक खड़गे के उस बयान कि अगर वह केंद्र में सत्ता में आए तो आरएसएस पर प्रतिबंध लगा देंगे, के जवाब में उन्होंने कहा हम ऐसे मूर्खतापूर्ण बयान का जवाब नहीं दे सकते, केंद्र में नरेंद्र मोदी जी की सरकार तीसरी बार सत्ता में आई है। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता भी बढ़ रही है। देश भी विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। अगर वह जल्दबाजी में भाषण देते तो भारत चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति नहीं बन पाता, जिस तरह से नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 सालों में विकास के लिए काम किया है और देश का नेतृत्व किया है, उसने यह स्थान हासिल किया है। अगर प्रियांक खड़गे रातोंरात केंद्र की सत्ता में आने का सपना देखते हैं, तो हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। आम लोग भी राज्य में सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी के विधायक भी बात कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री हमारे वरिष्ठ प्रहलाद जोशी हमारी पार्टी के भीतर कुछ जिलों में आंतरिक समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। मैंने खुद उनसे छोटी-छोटी समस्याओं को हल करने का अनुरोध किया था। इसी के अनुसार, उन्होंने कहा कि वे समय देकर समस्या को स्पष्ट करने का काम कर रहे हैं।

सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर की हुंडी में 61 लाख का दान एकत्रित

डोड्डबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।
तालुक के प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ स्थलों में से एक श्री घाटी सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर की हुंडी में 61,98,741 रुपए एकत्रित हुए हैं।

श्रद्धालुओं ने हुंडी में 3 लाख 40 हजार रुपए कीमत की 4 किलो चांदी और 80 हजार रुपए कीमत का 11 ग्राम सोना डालकर अपनी मन्नतें मांगी। नियमानुसार हुंडी खोलकर गिनती की गई और मंदिर में आए श्रद्धालुओं ने गिनती की प्रक्रिया में भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर सचिव पी. दिनेश, उप सचिव एम. नारायणस्वामी, मुजराई विभाग के तहसीलदार जी.जे. हेमावती, मुख्य पुजारी श्रीनिधि, मंदिर कर्मचारी नंजप्पा, विकास प्राधिकरण के सदस्य जे.एन. रंगप्पा, एस. रवि, लक्ष्मी नायक, आर.वी. महेश कुमार, हेमलता रमेश, पुलिस विभाग, मंदिर कर्मचारी और केनरा बैंक के कर्मचारी उपस्थित थे।

भड़काऊ सांप्रदायिक टिप्पणी के लिए विहिप नेता शरण पंपवेल के खिलाफ मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कुंजालू में हाल ही में हुई गोहत्या की घटना के सिलसिले में सांप्रदायिक नफरत भड़काने के उद्देश्य से कथित तौर पर भड़काऊ बयान देने के आरोप में विश्व हिंदू परिषद के नेता शरण पंपवेल के खिलाफ उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, आरोपी शरण पंपवेल ने मामले की जांच पूरी होने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और भड़काऊ टिप्पणी की। आरोप है कि उन्होंने गलत सूचना प्रसारित की, जिससे सार्वजनिक शांति भंग हो सकती है और अशांति पैदा हो सकती है। उनके बयानों का कथित तौर पर धार्मिक समुदायों के बीच वैमनस्य भड़काने का इरादा था। अधिकारियों ने कहा कि चल रही जांच की संवेदनशील पृष्ठभूमि के खिलाफ की गई ऐसी टिप्पणियां न केवल गैर-जिम्मेदाराना हैं, बल्कि खतरनाक भी हैं, क्योंकि इनसे विभिन्न समुदायों के बीच तनाव पैदा होने की संभावना है। पुलिस फिलहाल मामले की आगे की जांच कर रही है। इन आरोपों के आधार पर, उडुपी टाउन पुलिस ने बीएनएस की धारा 353 (2) के तहत मामला दर्ज किया है।

कांग्रेस सरकार अन्याय कर रही है

एससी जनगणना में 50 प्रतिशत से अधिक लोग भाग नहीं ले सकते: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि अनुसूचित जाति (एससी) की जनगणना में 50 प्रतिशत से अधिक लोग भाग नहीं ले सकते।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में अनुसूचित जाति की जनगणना चल रही है। मीडिया में जो आपदाएं हो रही हैं, उनकी रिपोर्टिंग हो रही है। हमारे घर कोई नहीं आया, लेकिन उन्होंने स्टिकर चिपका दिए। अगर वे अनुसूचित जाति के लोगों के घर आते और स्टिकर चिपकाते, तो हम इसे स्वीकार कर लेते। लेकिन वे सिर्फ सभी घरों में स्टिकर चिपका रहे हैं। ऑनलाइन का भी अवसर है। लेकिन, वहां अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र संख्या का उल्लेख करना पड़ता है, अलग-अलग जानकारी मांगी जाती है। इसे देना संभव नहीं है, सभी शिक्षित नहीं हैं। कुछ के पास प्रमाण पत्र हैं। कुछ के पास नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार की चाल है और सही आंकड़े नहीं मिल पाते। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार अनुसूचित जातियों के साथ अन्याय कर रही है। यह सरकार सिर्फ यही कहती है कि मैं मुख्यमंत्री हूं, आप मुख्यमंत्री हैं। यह लोगों के काम करने में पूरी तरह विफल रही है। कई लोगों को तीन-चार महीने से गारंटीशुदा पैसे नहीं मिल रहे हैं, इसके अलावा सिद्धरामैया 5 साल तक मुख्यमंत्री रहने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि यह इस बात का संकेत है कि उनकी स्थिति पर हमला हुआ है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी में संघर्ष शुरू हो गया है। उनकी पार्टी का हर विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को यह समझना चाहिए कि आपके विधायक आपका कितना सम्मान करते हैं। कुछ मंत्रियों ने अपने मंत्री पद के मुद्दे पर काम करना बंद कर आरएसएस और भाजपा का अपमान करने और झूठी खबरें फैलाने का काम शुरू कर दिया है। उन्हें हर दिन टीवी पर हमारे चेहरे दिखाने का जुनून है। प्रियांक खड़गे ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है। आरएसएस 100 साल का हो रहा है। उन्होंने कहा कि नेहरू, इंदिरा गांधी, आपके पिता कुछ नहीं कर सके, तो आप क्या करेंगे। उन्होंने पूछा कि आप अपने विभाग के बारे में कब बात करेंगे। लोग हर जगह आपकी आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने उनसे इस बारे में सोचने का आग्रह किया कि क्या वे विभाग के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने चुनौती दी कि आपकी कोई भी पीढ़ी आए, आरएसएस को खत्म नहीं किया जा सकता।

बालेकुद्रु नारीसिम्हाश्रम द्रष्टा का 55 वर्ष की आयु में निधन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बालेकुद्रु मठ के प्रमुख श्री नरसिंहाश्रम स्वामीजी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 55 वर्ष के थे। शुक्रवार की सुबह स्वामीजी को नियमित डायलिसिस उपचार के लिए ले जाया जा रहा था, तभी ब्रह्मवार के पास उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। हालांकि उन्हें तुरंत उडुपी के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनका निधन हो गया। स्वामीजी के पार्थिव शरीर को अब बालेकुद्रु मठ में

वापस लाया गया और भक्तों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। मठ के सूत्रों के अनुसार, कनिष्ठ संत श्री वासुदेव सदाशिवश्रम स्वामीजी के मार्गदर्शन में शाम को अनुष्ठान किए गए। अपने पूर्ववर्ती शंकराश्रम स्वामीजी के निधन के बाद, श्री नरसिंहाश्रम स्वामीजी ने 2006 में बालेकुद्रु मठ के पीठाधिपति का पदभार संभाला। उन्होंने श्रृंगेरी शारदा पीठम के वरिष्ठ संतों के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में हेब्बूर मठ के श्री नारायणाश्रम स्वामीजी से संन्यास दीक्षा प्राप्त की थी। कई वर्षों से, स्वामीजी कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और सप्ताह में दो बार डायलिसिस करवा रहे थे।

नशे में धुत होकर शोकेस का शीशा तोड़ने से व्यक्ति की गंभीर रक्तस्राव से मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उल्लाल के पास मदुर साइट में गुरुवार रात को अपने घर में शराब के नशे में एक 38 वर्षीय व्यक्ति ने कांच का शोकेस तोड़ दिया, जिससे उसे गंभीर चोट लग गई। मृतक की पहचान मदुर साइट निवासी सतीश नायक के बेटे नितेश नायक (38) के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, नितेश

का अपने पिता और भाई के साथ अक्सर झगड़ा होता रहता था, और घर में भी विवाद चलता रहता था। घटना वाली रात, गुस्से में आकर नितेश ने कथित तौर पर घर के अंदर एक शोकेस का कांच तोड़ दिया। टूटे हुए कांच ने उसके हाथ की एक बड़ी नस को छेद दिया, जिससे बहुत अधिक रक्तस्राव हुआ और उसकी मौत हो गई। पता चला है कि नितेश और उसका भाई मिलकर फूड स्टॉल का व्यवसाय करते थे और जब झगड़ा हुआ, तब वे काम खत्म करके घर लौटे थे। नितेश शादीशुदा था, लेकिन वह अपनी पत्नी से अलग रह रहा था। मृतक की मां की शिकायत के आधार पर उल्लाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

भाजपा नेता सिरोया ने सिद्धरामैया पर कोविड-19 टीकों पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने हाल ही में कोविड-19 टीकों को राज्य के हासन जिले में दिल के दौरे से हुई मौतों से जोड़ने वाली अपनी टिप्पणी में कहा कि असंतोषजनक गतिविधियों के खिलाफ कोई टीका नहीं है। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया है कि हासन जिले में हाल ही में दिल के दौरे से हुई मौतों का संबंध टीकाकरण अभियान से हो सकता है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि टीकों को जल्दबाजी में मंजूरी दी गई। सिद्धरामैया पर कटाक्ष करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि कर्नाटक सरकार फर्जी खबरों के प्रचार और प्रसार के खिलाफ सात साल की जेल की सजा और जुर्माने सहित सख्त कानून की बात कर रही है।

उन्होंने एक पोस्ट में कहा जिस गति से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बोल रहे हैं, मुझे लगता है कि कोई उनके खिलाफ कोविड टीकों पर फर्जी खबरें फैलाने के लिए पहली शिकायत दर्ज करेगा। केंद्र सरकार इस मुद्दे पर पहले ही स्पष्टीकरण दे चुकी है। उनके अनुसार, कांग्रेस का प्रयास वैज्ञानिक समुदाय का मनोबल गिराना है, जिसने महामारी के दौरान लाखों लोगों की जान बचाई।

सिरोया ने पोस्ट में कहा मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस में कोई उन्हें (सिद्धरामैया) सावधान करेगा। शायद उन्हें सावधान करने वाला कोई नहीं बचा है क्योंकि उनके अपने हाईकमान या स्थानीय स्तर पर कोई भी नहीं सोचता कि उनकी सरकार लंबे समय तक टिकेगी।

असंतुष्ट गतिविधियों के खिलाफ कोई टीका नहीं है। इससे पहले बायोकॉन की शुरुआत करने वाली किरण मजूमदार-शॉ ने कहा कि यह सच नहीं है कि कोविड-19 वैक्सीन की वजह से हासन में कई हार्ट अटैक हुए। उन्होंने कहा कि यह विचार लोगों को भ्रमित कर सकता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पिछले महीने हासन में 20 से ज्यादा लोगों को हार्ट अटैक आया।

उन्हें लगा कि वैक्सीन की वजह से ऐसा हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वैक्सीन बहुत तेजी से बनाई गई। किरण मजूमदार-शॉ ने कहा कि वैक्सीन का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया गया और इसे मजबूत सुरक्षा नियमों के साथ बनाया गया। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की वजह से कई लोगों की जान बची है। सिर्फ कुछ लोगों को साइड इफेक्ट हुए। उन्होंने कहा कि लोगों को विज्ञान और तथ्यों पर भरोसा करना चाहिए, बिना सबूत के वैक्सीन को दोष नहीं देना चाहिए। सरकार ने हासन में हार्ट अटैक के मामलों की जाँच के लिए एक टीम बनाई है। टीम 10 दिनों में रिपोर्ट देगी कि उन्हें क्या मिला। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अध्ययनों से पता चलता है कि वैक्सीन सुरक्षित हैं। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि टीके से अचानक मौतें होती हैं।

मंत्रालय ने कहा कि दिल का दौरा कई कारणों से हो सकता है जैसे पारिवारिक इतिहास, स्वास्थ्य, जीवनशैली या कोविड-19 होने के बाद।

एक दशक पहले कथित तौर पर हत्या और बलात्कार के शिकार लोगों के शव दफनाए गए

व्यक्ति द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस जांच करेगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ पुलिस ने कहा है कि वे गुरुवार को एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की जांच करेंगे, जिसमें कहा गया है कि उसे एक दशक से भी अधिक समय पहले धर्मस्थल गांव के अधिकार क्षेत्र में कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वहां पुरुषों और महिलाओं दोनों के शव थे, जिनकी हत्या और बलात्कार किया गया था। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया कि वे अवशेषों को खोदकर उन मौतों की जांच करें। व्यक्ति ने पुलिस को उन स्थानों को दिखाने की पेशकश की जहां शवों को दफनाया गया था। 3 जुलाई को दक्षिण कन्नड़ पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिस व्यक्ति का नाम और पता उजागर नहीं किया गया है, उसने धर्मस्थल पुलिस और पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत स्वीकार कर ली है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस पर जांच की जाएगी और उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, अधिवक्ता ओजस्वी गौड़ा और सचिन देशपांडे द्वारा जारी की गई शिकायत में शिकायतकर्ता ने कहा कि वह 1995 से 2014 तक धर्मस्थल में सफाई कर्मचारी के रूप में काम कर रहा था। बाद में, वह जान और परिवार के लिए खतरे के डर से धर्मस्थल से भागकर पड़ोसी राज्य चला गया।

पुलिस से सुरक्षा की मांग करने वाले शिकायतकर्ता ने कहा कि यह पश्चाताप की बात है कि वह अब - एक दशक के बाद - जानकारी का खुलासा करने के लिए आगे आया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि मृतकों के साथ न्याय होना चाहिए। शिकायतकर्ता ने कहा कि मौतों के पीछे ''शक्तिशाली'' लोग हैं। उन्होंने कहा कि मौतों के पीछे उनके नाम और भूमिका का खुलासा तब होगा जब उन्हें और उनके परिवार को भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत सुरक्षा मिलेगी।

सीसीबी पुलिस ने कार में एमडीएमए बेचने वाले को पकड़ा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) पुलिस ने एक लक्षित अभियान में एक वाहन पर छापा मारा और एक कुख्यात मवेशी चोर को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर मुदिपु में कंबाला पडावु, केआईएडीबी रोड के पास प्रतिबंधित सिंथेटिक ड्रग एमडीएमए बेच रहा था। आरोपी अब्दुल कबीर उर्फ परीवाला कबीर (36) को 12.05 ग्राम एमडीएमए, एक डिजिटल वजन

तराजू, मोबाइल फोन और एक सफेद स्विफ्ट कार के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। कुल जब्ती का अनुमान 4.31 लाख रुपये है। कथित तौर पर ड्रग्स को इलाके में लोगों और छात्रों को बेचा जा रहा था।

गिरफ्तारी से कबीर की लंबी आपराधिक पृष्ठभूमि का भी पता चला, उसके खिलाफ दक्षिण कन्नड़ और कोडागु जिलों के कई पुलिस स्टेशनों में 15 से अधिक मवेशी चोरी के मामले दर्ज हैं। पिछले मामलों में जमानत मिलने के बाद वह लगभग दो साल से फरार था। कोनाजे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

बेटे की मौत की खबर सुनकर महिला की हार्ट अटैक से मौत

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। शारदा बाई 86 नामक महिला की संदिग्ध हार्ट अटैक से मौत हो गई, जब उन्हें बताया गया कि उनके बेटे लक्ष्मीकांत जोशी की बुधवार रात बीदर जिले के घोडामपल्ली गांव के पास सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मालवाहक वाहन में सवार 45 वर्षीय लक्ष्मीकांत जोशी और 18 वर्षीय रवि पगडोड्डी की मौके पर ही मौत हो गई, जब वाहन घोडामपल्ली गांव के पास सड़क किनारे कुएं में गिर गया। पांच अन्य घायल हो गए और दो लोगों अशोक और पवन की हालत गंभीर बताई गई।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा हाथ उठाने से मैं स्तब्ध हूं, परिवार परेशान है: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारायण बरमानी ने स्पष्ट किया है कि स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के लिए उनका अनुरोध अभी भी कायम है और वर्तमान में गृह विभाग द्वारा विचाराधीन है। बरमानी ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अपना वीआरएस आवेदन वापस नहीं लिया है और सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। मैंने अपना अनुरोध वापस नहीं लिया है।

अगर सरकार इसे मंजूरी देती है, तो मैं स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले लूंगा। अगर इसे खारिज कर दिया जाता है, तो मैं अपने भविष्य के कदम के बारे में फैसला करूंगा। उन्होंने कहा कि इस बीच उन्होंने अपने कर्तव्यों का पूरी लगन से पालन करना जारी रखा है। बरमानी ने 28 अप्रैल को बेलगावी में कांग्रेस द्वारा आयोजित एक विरोध रैली में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़ी एक घटना के बाद अपमान का हवाला देते हुए लगभग एक महीने पहले अपना वीआरएस अनुरोध प्रस्तुत किया था। अधिकारी को उस समय आधिकारिक ड्यूटी पर धारवाड़ से बेलगावी में प्रतिनियुक्त किया गया था। वीआरएस अनुरोध के लिए लिखे गए पत्र में कहा गया है कि सीएम ने विवादास्पद हाथ का इशारा किया, एक ऐसा क्षण जिसका उन्होंने अपने आवेदन में विस्तार से वर्णन किया है। पत्र की एक प्रति सोशल मीडिया पर

वायरल हो गई है। तीन पन्नों का यह पत्र गृह विभाग (पुलिस सेवा) के अतिरिक्त मुख्य सचिव को संबोधित है।

इसके अनुसार, बरमानी को विरोध रैली के दौरान मंच की व्यवस्था की देखरेख करने का काम सौंपा गया था। सिद्धरामैया के भाषण के दौरान, चार-पांच महिलाओं ने काले झंडे दिखाए और नारे लगाए। सीएम ने अपना भाषण रोक दिया और बरमानी की ओर इशारा करते हुए चिल्लाया, अरे। यहाँ एसपी कौन है? इधर आओ। जवाब में, वह मंच पर चढ़ गए। इसके बाद सीएम ने कथित तौर पर अचानक हाथ उठाया। बरमानी ने अपने पत्र में लिखा, इस घटना ने मुझे बहुत झकझोर दिया।

उन्होंने कहा मेरा पूरा परिवार तब से मानसिक रूप से परेशान है। इसके बावजूद, न तो मुख्यमंत्री और न ही उनकी ओर से किसी अन्य सरकारी अधिकारी, और न ही हमारे अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मुद्दे को सुलझाने या सांत्वना देने का कोई प्रयास किया।

यहां तक कि मेरे सहकर्मियों ने भी मेरे अपमान की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा मुझे सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया और उस चीज के लिए दोषी ठहराया गया जो मैंने किया ही नहीं। कोई और विकल्प न होने के कारण, मैं स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए यह अनुरोध प्रस्तुत कर रहा हूं। मैं विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि इसे स्वीकार किया जाए। वीआरएस पत्र प्रस्तुत करने के बाद, सिद्धरामैया और गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बरमानी को बेंगलूरु बुलाया था। कहा जाता है कि सीएम ने उनसे वीआरएस के साथ आगे न बढ़ने का आग्रह किया।

दक्षिण कन्नड़ में रेत की कमी से निर्माण क्षेत्र पंगु, टेंडर समाप्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में निर्माण क्षेत्र में भारी मंदी आने वाली है, क्योंकि टेंडर समाप्त होने और मानसून के चलते प्रतिबंधों के कारण कई क्षेत्रों में वैध रेत खनन ठप हो गया है। उद्योग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रेत का संकट लंबे समय तक जारी रहने से जिले की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो सकता है। वर्तमान में, केवल 16 गैर-सीआरजेड (तटीय विनियमन क्षेत्र) रेत ब्लॉक चालू हैं, जबकि 12 ब्लॉकों के लिए टेंडर जून में समाप्त हो गए।

अधिकारियों का अनुमान है कि नई टेंडर प्रक्रिया पूरी होने में कम से कम चार से पांच महीने लग सकते हैं, जिससे रेत की कमी लंबे समय तक रहने की आशंका बढ़ गई है। रेत खनन प्रक्रिया में नदियों और नालों में ब्लॉकों की पहचान करना, उसके बाद कई विभागों से मंजूरी लेना और औपचारिक टेंडर प्रक्रिया शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, सुल्लिया, पुत्तूर, बेल्तांगडी और कडाबा तालुकों में नई टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है, और संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट पहले ही जमा कर दी गई है। ब्लॉक को अंतिम रूप दिए जाने, निविदा अधिसूचना, राज्य समिति द्वारा अनुमोदन और अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, रेत निष्कर्षण फिर से शुरू हो सकता है, एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें कई महीने लग सकते हैं। वर्तमान में अनुमति प्राप्त 16 सक्रिय ब्लॉक निर्माण की मांग को पूरा करने के लिए अपर्याप्त हैं। परिणामस्वरूप, इस बात की चिंता बढ़ रही है कि अनधिकृत रेत खनन बढ़ सकता है, जिससे कीमतें बढ़ सकती हैं और कानूनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को नुकसान पहुँच सकता है।

दक्षिण कन्नड़ रेत संघ के अध्यक्ष दिनेश मेदु ने प्रचुर मात्रा में रेत भंडार को देखते हुए जिले में 50 से अधिक नए रेत ब्लॉकों की पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा अधिक ब्लॉकों को वैध बनाने से न केवल कमी दूर होगी, बल्कि सरकार के लिए महत्वपूर्ण राजस्व भी उत्पन्न होगा और अवैध खनन को रोका जा सकेगा।

सहायक आयुक्त स्टेला वर्गीस ने पुष्टि की कि संपाजे में नए ब्लॉकों की पहचान के आदेश दिए गए हैं, साथ ही संयुक्त विभागीय सर्वेक्षण चल रहे हैं। लाल लेटराइट पत्थर की खदान में मंदी के कारण रेत संकट और भी बढ़ गया है, जिससे जिले की पूरी आर्थिक श्रृंखला प्रभावित होने का खतरा है - ठेकेदारों और दिहाड़ी मजदूरों से लेकर ट्रक ऑपरेटरों और सामग्री आपूर्तिकर्ताओं तक। उद्योग के हितधारकों ने कहा कि यदि रेत और पत्थर उद्योग ध्वस्त हो जाते हैं, तो निर्माण कार्य रुक जाता है, जिससे हजारों श्रमिक प्रभावित होते हैं।

अप्रत्यक्ष रूप से, होटल, दुकानें और सीमेंट की बिक्री भी प्रभावित होती है। रेत के ब्लॉकों को ग्रेड 1 से 3 में वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें ग्राम पंचायतें 200 ट्रक तक के छोटे ब्लॉकों का प्रबंधन करती हैं, और उच्च श्रेणी के ब्लॉकों की देखरेख तालुक और जिला-स्तरीय समितियाँ करती हैं। अधिकारियों से आग्रह किया जा रहा है कि वे दीर्घकालिक आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए ब्लॉक की पहचान और निविदा प्रक्रियाओं को तेज करें।

परिवहन कर्मचारियों ने वेतन संशोधन की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परिवहन निगम कर्मियों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने चेतावनी दी है कि यदि परिवहन विभाग अपने कर्मचारियों के वेतन में संशोधन नहीं करता है तो आने वाले दिनों में पूरे राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य सरकार ने महिला मुफ्त यात्रा शक्ति योजना लागू की है, जिसकी लागत 2500 करोड़ रुपये है। यदि इसे जारी किया जाता है, तो परिवहन निगमों की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। साथ ही कर्मियों के वेतन में संशोधन किया जाना चाहिए। जैसा कि पिछली हड़ताल के दौरान सहमति बनी थी, हरियर रस के 38 महीने तुरंत जारी किए जाने चाहिए। 1 जनवरी, 2024 से वेतन में 25 प्रतिशत की वृद्धि की जानी चाहिए। इसके अलावा संगठनों ने जोर देकर कहा है कि कर्मियों से जुड़ी कई अन्य मांगें पूरी की जानी चाहिए। इससे पहले 31 दिसंबर को परिवहन हड़ताल का आह्वान

किया गया था। उस समय मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि वे संक्रांति के बाद सभी मांगों पर सकारात्मक जवाब देंगे। लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। 15 अप्रैल को परिवहन निगमों के संगठनों के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना शुरू किया तो लंबी बैठक हुई। परिवहन निगमों के श्रमिक संगठनों के नेताओं ने कहा कि उन्होंने वहां अपनी मांगें रखी थीं। मांगें पूरी होने की कोई उम्मीद नहीं है। आज अंतिम चरण में एक और दौर की चर्चा होगी। अगर सरकार हमारी मांगें पूरी करती है तो मैं मुख्यमंत्री को बधाई दूंगा और काम जारी रखूंगा। अन्यथा श्रमिक संगठनों के नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगले संघर्ष की रूपरेखा पर चर्चा करनी होगी। पिछली बैठक में परिवहन निगमों ने कहा था कि अगर बस किराया मूल्य में 15 प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति दी जाती है तो कर्मचारियों का वेतन संशोधन संभव हो जाएगा। इसी के अनुरूप बस किराया बढ़ाया गया है। संगठन की आर्थिक स्थिति अच्छी है। कई तरह की भर्तियां भी हो रही हैं। ऐसे में श्रमिक नेताओं ने सवाल उठाया है कि वेतन संशोधन में देरी क्यों की जा रही है।

प्रह्लाद जोशी ने भाजपा नेताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया

अनावश्यक बयानबाजी न करने की चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने भाजपा नेताओं को सीख दी है कि किसी को भी पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करते हुए सार्वजनिक बयान नहीं देना चाहिए। बागलकोट और दावणगेरे जिला इकाइयों में पैदा हुए संकट को सुलझाने के लिए उन्होंने मल्लेश्वरम स्थित भाजपा कार्यालय में नेताओं के साथ बैठक की।

सबसे पहले जोशी ने बागलकोट जिला भाजपा इकाई के नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने पूर्व विधायक वीरन्ना चरंतिमठ और उनके समर्थकों से जानकारी हासिल की। इसके बाद उन्होंने विधान परिषद सदस्य टी.एच. पूजार और उनके समर्थकों के साथ अलग से बैठक की और उनकी राय जानी।

यह बैठक बागलकोट जिला भाजपा में चरंतिमठ और पूजार के बीच पैदा हुए संकट को सुलझाने के लिए आयोजित की गई थी। इसके बाद दोपहर में जोशी ने दावणगेरे जिला इकाई के नेताओं के साथ बैठक की और पार्टी के भीतर पैदा हुए मतभेदों को शांत करने की कोशिश की। इस

बैठक में पूर्व मंत्री एस.ए. रवींद्रनाथ, एम.पी. रेणुकाचार्य, पूर्व विधायक मदल विरुपाक्षप्पा समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में दावणगेरे लोकसभा क्षेत्र में पार्टी की हार के कारणों की जानकारी ली गई। दावणगेरे भाजपा का गढ़ था। हमारे उम्मीदवार लगातार चार बार जीते थे। इस बार उन्हें कुछ हजार वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। जोशी ने कहा कि हार का कारण नेताओं के बीच भ्रम और अविश्वास है। अब से पार्टी की अनुमति के बिना किसी को नहीं बोलना चाहिए। आपके बयानों से पार्टी में समस्या पैदा होता है। जो जिम्मेदारी है, उसे समझकर बोलें। समझा जा रहा है कि उन्होंने अनावश्यक भ्रम पैदा न करने की सलाह दी है। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इसलिए निकाल दिया गया क्योंकि उन्होंने बार-बार मीडिया के सामने बयानबाजी की। वरिष्ठ लोग हर चीज पर बारीकी से नजर रखते हैं। उन्हें पता है कि किस पर कब लगाम लगानी है। समझा जा रहा है कि जोशी ने परोक्ष रूप से कहा अनावश्यक बातें करके अपना राजनीतिक भविष्य बर्बाद न करें।

6,411 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था जम्मू से रवाना हुआ

दिल का दौरा पड़ने से एक अमरनाथ श्रद्धालु की मौत

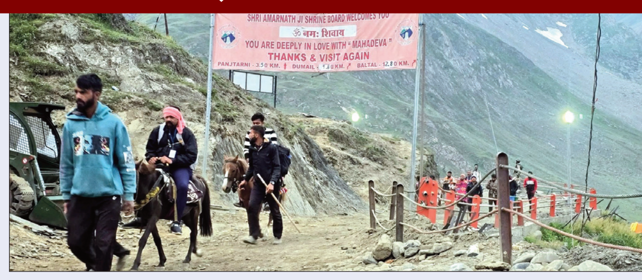

जम्मू, 04 जुलाई (ब्यूरो)। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वार्षिक अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शुक्रवार सुबह जम्मू बेस कैंप से कश्मीर के लिए रवाना हुआ जबकि कल रवाना हुआ जत्था आज गुफा में दर्शन करेगा। अभी तक 20 हजार के करीब यात्री हिमलिंग के दर्शन कर चुके हैं। एक तीर्थयात्री की मौत भी हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि आज कुल 6,411 यात्री दो अलग-अलग काफिलों में रवाना हुए एक बालटाल और दूसरा पहलगाम हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखने के लिए। अधिकारियों के अनुसार, बहु-स्तरीय सुरक्षा कवर के तहत 130 बसों, 46 मध्यम मोटर वाहनों (एमएमवी), 113 हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) और 2 दोपहिया वाहनों सहित 291 वाहनों को परिवहन के लिए तैनात किया गया था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, तीर्थयात्रियों के तीसरे जत्थे में 4,723 पुरुष, 1,071 महिलाएं, 37 बच्चे, 487 साधु और 93 साध्वियां शामिल थीं। कुल तीर्थयात्रियों में से 2,789 बालटाल के रास्ते गए, जबकि 3,622 ने पहलगाम मार्ग चुना था। तीर्थयात्रियों की सुरक्षित और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए दोनों काफिलों को सुरक्षा बलों और चिकित्सा दलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई। अमरनाथ यात्रा के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

मार्ग पर पुलिस, सीआरपीएफ, आईटीबीपी और अन्य अर्धसैनिक बलों के हजारों कर्मियों को तैनात किया गया है। 3 जुलाई को शुरू हुई 38 दिवसीय तीर्थयात्रा 9 अगस्त को समाप्त होने वाली है।

इस बीच उत्तर प्रदेश के एक 39 वर्षीय श्रद्धालु की शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा मार्ग पर शेषनाग में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी गजराज श्रीवास्तव के बेटे दिलीप श्रीवास्तव के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रा के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा और मौके पर मौजूद चिकित्साकर्मियों के तत्काल प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने बताया कि शव को कानूनी औपचारिकताओं और आगे की प्रक्रियाओं के लिए पास के एक चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया है।

दूसरी ओर कल (3 जुलाई) औपचारिक रूप से शुरू हुई 38 दिवसीय वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम और मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले के बालटाल के दोहरे मार्गों से सुचारू रूप से चल रही है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोनों मार्गों से सुबह-सुबह यात्रियों की आवाजाही शुरू हो गई।

आज सुबह 3000 से अधिक श्रद्धालुओं को पहलगाम मार्ग से चंदनवाड़ी की ओर जाने की अनुमति दी गई। बालटाल गंदरबल बेस कैंप से 7700 से अधिक तीर्थयात्रियों को पवित्र गुफा की ओर जाने की अनुमति दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि 10 बजे तक 3200 से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन कर लिए, जो बालटाल मार्ग से पवित्र गुफा पहुंचे। यात्री दोनों मार्गों पर सभी प्रकार की व्यवस्थाओं, सुविधाओं और सुरक्षित वातावरण से बहुत खुश, प्रसन्न और संतुष्ट दिखे।

इस वर्ष देश भर से लाखों श्रद्धालुओं के दर्शन करने की उम्मीद है। यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, बहु-स्तरीय सुरक्षा ग्रिड लागू किया गया है, जिसमें मार्ग पर हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। पारंपरिक उपायों के अलावा, एआई-संचालित सीसीटीवी निगरानी प्रणाली वास्तविक समय में खतरे का पता लगाने के लिए प्रमुख स्थानों की निगरानी कर रही है।

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस निर्णायक मोड़ पर

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज अदालत में बहस हुई। सोनिया गांधी की ओर से कहा गया कि यह मामला कानूनी तौर पर कमजोर और असाधारण है। जबकि ईडी का दावा है कि गांधी परिवार ने धोखे से करोड़ों की सम्पत्ति पर कब्जा किया। अब अदालत यह तय करेगी कि इस मामले में आगे सुनवाई चलेगी या नहीं।

प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर मनी लॉन्ड्रिंग और साजिश के आरोप लगाए हैं। ईडी का आरोप है कि इन लोगों ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजीएल) की 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति धोखाधड़ी से हड़प ली। यह वही कंपनी है जो नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करती थी। आरोप है कि यंग इंडियन ने सिर्फ 90 करोड़ रुपए के ऋण के बदले एजीएल की पूरी सम्पत्ति अपने हाथ में ले ली।

ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने 3 जुलाई को कहा कि गांधी परिवार यंग इंडियन कंपनी के लाभार्थी मालिक हैं और अन्य शेयरधारकों की मृत्यु के बाद उन्होंने पूरी कंपनी पर नियंत्रण कर लिया। ईडी ने गांधी परिवार समेत अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून (पीएमएलए) की धारा 3 (मनी लॉन्ड्रिंग की परिभाषा) और धारा 4 (सजा से जुड़ी) के तहत चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड के नाम हैं। इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख जल्द तय की जाएगी। कोर्ट को यह तय करना है कि चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं।

पहलगाम नरसंहार का डर खत्म

15 दिन में डेढ़ लाख पर्यटक अनंतनाग आए

जम्मू, 04 जुलाई (ब्यूरो)। कश्मीर में पहलगाम नरसंहार का साया अब उठ चुका है। अनंतनाग जिले में पिछले 15 दिनों में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या इसकी पुष्टि करती है। अब अमरनाथ यात्रा भी आरंभ हो गई है। हालांकि यह बात अलग है कि अभी अमरनाथ यात्रा को पर्यटन बाजार में बदलने में अधिकारी कामयाब नहीं हो पा रहे हैं।

अनंतनाग जिले में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 17 जून से 1 जुलाई के बीच चार प्रमुख स्थलों- कोकरनाग, अच्छाबल, दकसुम और वेरीनाग में 1.5 लाख से अधिक पर्यटक आए। यह वृद्धि इन स्थलों के फिर से खुलने के बाद हुई है, जिन्हें पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, इन दो हफ्तों के दौरान कुल 150,994 पर्यटकों ने चार पार्कों का दौरा किया। कोकरनाग में सबसे अधिक 45,523 पर्यटक आए, उसके बाद अच्छाबल में 40,870, वेरीनाग में 38,795 और दकसुम में 25,806 पर्यटक आए। आने वाले कुल पर्यटकों में 30 विदेशी नागरिक भी थे।

वेरीनाग का प्रबंधन अपने स्वयं के विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाता है, जबकि कोकरनाग, अच्छाबल और दकसुम कोकरनाग विकास प्राधिकरण (केडीए) के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। केडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद रौफ रहमान बताते हैं कि सुरक्षा चिंताओं के कारण इन स्थलों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। 17 जून को इन्हें फिर से खोल दिया गया और तब से कोकरनाग, दकसुम और अच्छाबल में लोगों की भारी प्रतिक्रिया देखी गई है।

दरअसल मैदानी इलाकों में चल रही गर्मी की छुट्टियों और भीषण गर्मी के कारण भी भीड़ बढ़ गई है। रहमान ने बताया कि कोकरनाग में लगातार चहल-पहल बनी हुई है, गेस्टहाउस भरे हुए हैं और पूरे दिन भीड़भाड़ रहती है। उन्होंने जानकारी दी कि कोकरनाग सिर्फ एक बगीचा नहीं है, यह करीब 80 किलोमीटर तक फैला हुआ है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हमने बगीचे के खुलने का समय शाम 7 बजे तक बढ़ा दिया है, सभी पहुंच मार्गों पर बेहतर यातायात नियमन लागू किया है और एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अपने पूरे स्टाफ को तैनात किया है।

सीईओ कहते हैं कि विकास प्राधिकरण कोकरनाग के पर्यटन आकर्षण को बढ़ाने के लिए नए प्रस्तावों और बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य कोकरनाग को पहलगाम के बाद दक्षिण कश्मीर में दूसरा सबसे ज्यादा देखा जाने वाला स्थान बनाना है। अमरनाथ यात्रा चल रही है और पहलगाम के आस-पास आवाजाही पर प्रतिबंध है, इसलिए हम कोकरनाग में ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने का अवसर देख रहे हैं। कोकरनाग की छवि को दिन के समय पिकनिक स्पाट से बदलकर रात भर ठहरने के लिए उपयुक्त स्थान बनाने के प्रयास भी चल रहे हैं। सीईओ बताते हैं कि हम स्थानीय निवासियों को होमस्टे और गेस्टहाउस बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। कुछ विदेशी पर्यटक पहले ही आना शुरू हो चुके हैं। बेहतर आवास के साथ, हमें उम्मीद है कि ये संख्या बढ़ेगी। उन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन सैकड़ों दुकानदारों और विक्रेताओं का समर्थन करता है। जब लोगों की संख्या ज्यादा होती है, तो पूरी आबादी को लाभ होता है।

अमित शाह ने पुणे में थोरेल बाजीराव की प्रतिमा का किया अनावरण

पुणे, 04 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां खड़कवासला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में थोरेल बाजीराव पेशवा की प्रतिमा का अनावरण किया।

श्री शाह ने बाजीराव की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद कहा, पेशवा बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी है, जहां तीनों सेनाओं के सैनिक प्राथमिक प्रशिक्षण लेते हैं, वहां पर पेशवा बाजीराव की प्रतिमा स्थापित करने से हमारे भावी सैनिक उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आने वाले वर्षों के लिए हमारी सीमाओं को मजबूत करेंगे। यह प्रतिमा लगभग 13.5 फुट ऊंची है, जिसे चार हजार किलोग्राम कांस्य धातु से बनाया गया है। इस प्रतिमा को श्रीमठ थोरेल बाजीराव पेशवा प्रतिष्ठान द्वारा एनडीए को दान में दिया था।

केन्द्रीय गृह मंत्री दो दिनों तक 'दक्कन की रानी' में रहेंगे और आज दिन में पुणे में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

प्रतिमा के अनावरण के मौके पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री अजित पवार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चन्द्रकांत पाटिल और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर माहोल तथा अन्य मंत्री उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी की राज्य सभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने मांग की है कि पुणे रेलवे स्टेशन का नाम महान थोरेल बाजीराव पेशवा के नाम पर रखा जाए, जिन्हें बाजीराव प्रथम के नाम से भी जाना जाता है।

गौरतलब है कि थोरेल बाजीराव पेशवा 1720 से 1740 के बीच छत्रपति शाहू प्रथम के अधीन पेशवा थे और उन्हें उनकी सैन्य शक्तियों के साथ-साथ मराठा साम्राज्य के विस्तार के लिए भी जाना जाता है।

थप्पड़ कांडपर मुख्यमंत्री फडणवीस का साफ संदेश

मराठी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं किया सख्त कानूनी कार्रवाई का वादा

मुंबई, 04 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सदस्यों द्वारा ठाणे में एक दुकानदार पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को भाषा के नाम पर गुंडागर्दी का मामला बताया और सख्त कानूनी कार्रवाई का वादा किया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है। लेकिन अगर कोई भाषा के कारण गुंडागर्दी करता है, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर कोई भाषा के आधार पर लोगों की पिटाई करता है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फडणवीस ने पुष्टि की कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की है तथा ऐसी घटनाएं दोबारा होने पर सख्त परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी मराठी पर गर्व है, लेकिन भारत की किसी भी भाषा के साथ इस तरह से अन्याय नहीं किया जा सकता, यह हमें ध्यान में रखना होगा। और कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि ये लोग अंग्रेजी को गले लगाते हैं और हिंदी पर विवाद पैदा करते हैं। यह कैसी सोच है और यह कैसी हरकत है? इसलिए, कानून को अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह घटना 1 जुलाई को एक वीडियो वायरल होने के बाद प्रकाश में आई, जिसमें एमएनएस कार्यकर्ताओं को एक मिठाई की दुकान के मालिक से भिड़ते और उस पर हमला करते हुए दिखाया गया, क्योंकि उसने कथित तौर पर मराठी में बात करने से इनकार कर दिया था। परेशान करने वाले फुटेज में तीन लोग दुकान में घुसते और दुकानदार से उसकी भाषा पसंद के बारे में पूछते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब उससे पूछा गया कि वह मराठी क्यों नहीं बोल रहा है, तो दुकानदार ने शांति से जवाब दिया मुझे नहीं पता था कि मराठी बोलना अनिवार्य है। किसी को मुझे सिखाना होगा। फिर उनमें से एक आदमी ने उसे चेतावनी दी, मार खाएगा? जिसके बाद उसने हिंसक हमला किया। हमलावरों ने दुकानदार को कई बार थप्पड़ मारे, गाली-गलौज की और उसका कारोबार बंद करने की धमकी दी। जब दुकानदार ने जवाब दिया कि महाराष्ट्र में सभी भाषाएँ बोली जाती हैं, तो हमलावरों का गुस्सा और भड़क गया।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने बरामद किया हथियारों का जखीरा

21 इंसास राइफल, 26 एसएलआर और 2 स्नाइपर सहित कई हथियार मिले

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के पहाड़ी इलाकों से सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर हथियार बरामद किए हैं। मणिपुर पुलिस की तरफ से बताया गया कि मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स/सेना और अन्य सुरक्षा बलों के जवानों ने राज्य के पहाड़ी जिलों से बड़े पैमाने पर हथियार बरामद किए हैं। इनमें से कई हथियार बड़े पैमाने पर तबाही मचाने में सक्षम थे। हथियारों के साथ उनमें इस्तेमाल होने वाला गोला बारूद भी बरामद किया गया है। मणिपुर पुलिस के अनुसार सुरक्षा बलों ने तीन जुलाई की रात मणिपुर के पहाड़ी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया, जो चार जुलाई की सुबह पूरा हुआ।

सुरक्षा बलों को जानकारी मिली थी कि अलग-अलग जिलों में हथियार और गोला बारूद छिपाया गया है। इसी जानकारी के आधार पर मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स/सेना और सीएपीएफ की संयुक्त टीमों ने तलाशी अभियान शुरू किया। खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों की अलग-अलग टीमों ने टेंग्नौपाल, कांगपोकपी, चंदेल और चुराचांदपुर जिलों के आंतरिक और संदिग्ध क्षेत्रों में कई जगहों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किए। इस दौरान बड़े पैमाने पर हथियार बरामद किए गए।

मणिपुर पुलिस ने तलाशी अभियान में बरामद हथियारों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में हालात सामान्य करने, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए, और नागरिकों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षाबल प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने हथियारों की यह बरामदी सुरक्षाबलों के प्रयासों को दर्शाती है। मणिपुर में हालात सामान्य करने के लिए मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स/सेना और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवान तैनात हैं। ये सभी टीमें साथ मिलकर अभियान चला रही हैं, ताकि अराजक तत्वों को कमजोर किया जाए और राज्य में शांति स्थापित की जाए।

मणिपुर पुलिस ने शांतिपूर्ण और सुरक्षित मणिपुर बनाने के लिए जनता से पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि अवैध हथियारों से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि या जानकारी की तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन या केंद्रीय नियंत्रण कक्ष को दें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बेहतर समन्वय के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सभी के साथ संपर्क में रहते हैं। इस तरह के अभियान निरंतर और केंद्रित तरीके से जारी रहेंगे, जिनका उद्देश्य सामान्य स्थिति बहाल करना, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना और सभी नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा करना है।

ट्रंप की घुड़की पर पीयूष गोयल की दो टूक

अपनी शर्तों पर डील करेंगे हम प्रेशर बनाने से कुछ नहीं होगा

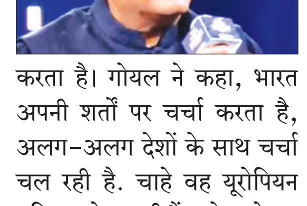

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ संभावित ट्रेड डील को लेकर भारत में गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारत की ओर से बातचीत की अगुवाई कर रहे चीफ नेगोशिएटर राजेश अग्रवाल शुक्रवार को वॉशिंगटन से दिल्ली लौट आए हैं। इस समझौते को 9 जुलाई से पहले अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। इस बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि भारत अपनी शर्तों पर डील करता है। गोयल ने कहा, भारत अपनी शर्तों पर चर्चा करता है, अलग-अलग देशों के साथ चर्चा चल रही है. चाहे वह यूरोपियन यूनियन हो, न्यूजीलैंड हो, ओमान हो, अमेरिका हो, चिली हो या पेरू हो. कई देशों के साथ समझौते की बातचीत चल रही है. फ्री ट्रेड एग्रीमेंट तभी होता है जब दोतरफा लाभ हो और जब भारत के हितों को सुरक्षित रखते हुए सौदा किया जाता है। ये ध्यान में रखते हुए कि राष्ट्रीय हित हमेशा सर्वोच्च रहेगा, तो भारत हमेशा विकसित देशों के साथ सौदा करने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि भारत कभी भी कोई ट्रेड डील समय सीमा के आधार पर नहीं करता है, जब डील अच्छा होता है, पूरी तरह पक जाता है और राष्ट्रीय हित में होता है, तो हम इसे स्वीकार करते हैं।

उत्तर प्रदेश आम महोत्सव- 2025

यूपी में आम के बागवानों ने किया शानदार प्रदर्शनः योगी

लखनऊ, 04 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना, सेक्टर 9, में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में देशभर के बागानों से चुनकर लाए गए 800 से अधिक किस्मों के आमों की प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमारे बागवानों ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों के बावजूद तकनीक का उपयोग कर शानदार प्रदर्शन किया है। ढाई से तीन किलो के आमों की किस्में देखकर आश्चर्य होता है, जो न केवल स्वाद में बेजोड़ हैं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी उत्तर प्रदेश की शान बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम महोत्सव न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आम उत्पादन को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए लखनऊ, अमरोहा, सहारनपुर और वाराणसी में चार आधुनिक पैक हाउस स्थापित किए गए हैं। इन पैक हाउसों के माध्यम से आम की गुणवत्ता, वैरायटी और एक्सपोर्ट के मानकों की जानकारी किसानों को दी जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आम महोत्सव न केवल आम उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देता है, बल्कि बागवानों में औद्यानिक फसलों, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बाजारों के प्रति विश्वास जगाने का भी माध्यम है। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल इंजन नीति ने औद्यानिक फसलों के निर्यात को कई गुना बढ़ाया है। इस महोत्सव के दौरान दो देशों के लिए आमों का एयर कार्गो रवाना किया गया, जिसमें सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी ने बागवानों को बेहतर दाम दिलाने में मदद की। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और लखनऊ की दशहरी, वाराणसी का लंगड़ा, गोरखपुर का गवर्जीत, बस्ती का आम्रपाली, मेरठ और बागपत का रटोल जैसी किस्मों की जानकारी ली।

उन्होंने बागवानों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और तकनीकी नवाचार ने उत्तर प्रदेश को औद्यानिक फसलों का केंद्र बनाया है। योगी सरकार ने बागवानों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जिससे उनकी आय कई गुना बढ़ी है।

सीएम योगी ने बताया कि एक समय उत्तर प्रदेश की जीडीपी में कृषि और औद्यानिक फसलों का योगदान 25-30 प्रतिशत था। आज सरकार की नीतियों ने इस क्षेत्र को और सशक्त किया है। अर्जुन सहायक, बांध सागर और सरयू नहर जैसी परियोजनाओं ने बुंदेलखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में जल की समस्या का समाधान किया है। परिणामस्वरूप, जहां पहले एक या दो फसलें होती थीं, वहां अब किसान तीन फसलें ले रहे हैं। उन्होंने हरदोई, कानपुर और औरैया के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि मक्का की खेती से किसान प्रति एकड़ 1 लाख रुपए का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कृषि विज्ञान केंद्रों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के माध्यम से आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दिया है। गन्ना, मक्का और औद्यानिक फसलों में नए बीज और तकनीकों का उपयोग किसानों की आय को बढ़ा रहा है। सीएम ने बताया कि 2017 में जहां 5 करोड़ पौधों का रोपण एक चुनौती थी, वहीं अब 9 जुलाई 2025 को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 50 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। यह उत्तर प्रदेश की प्रगति और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

महोत्सव में संगोष्ठियों, प्रगतिशील किसानों के अनुभव साझा करने और बायर्स-सेलर्स मीट का आयोजन किया जाएगा। सीएम योगी ने सुझाव दिया कि कमिश्नरी स्तर पर भी ऐसे आयोजन होने चाहिए, ताकि स्थानीय बागवान अपनी फसलों की प्रदर्शनी और बिक्री कर सकें। उन्होंने बागवानों से हल्दी, अदरक और अन्य औद्यानिक फसलों के साथ फूड प्रोसेसिंग को अपनाने का आह्वान किया, ताकि उनकी आय को और बढ़ाया जा सके।

कोर्ट ने दिया हिंदू पक्षकारों को करारा झटका

ईदगाह से जुड़ी सम्पत्ति विवादित घोषित नहीं होगी

प्रयागराज, 04 जुलाई (ब्यूरो)। मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह से जुड़ी सम्पत्ति को विवादित घोषित करने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अदालत ने वादी महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अर्जी खारिज कर दी

श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इससे पहले कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही निर्णय के लिए चार जुलाई की तारीख नियत की थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में मांग की है कि शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित किया जाए, जैसा कि बाबरी मस्जिद प्रकरण में किया गया था।

साथ ही दावा किया था कि मथुरा की शाही मस्जिद भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह को तोड़कर ही बनाई गई है। हालांकि हिंदू पक्ष की इस मांग पर मुस्लिम पक्ष ने विरोध जताया था। साथ ही कोर्ट में लिखित आपत्ति भी दाखिल की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की कोर्ट ने शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

योगी सरकार का लोगों को राहत देने वाला फैसला

मकान के साथ दुकान, नक्शा पास कराने का झंझट खत्म

लखनऊ, 04 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी निर्माण को लेकर बड़ा और राहत भरा फैसला लिया है। अब अगर आप मकान बना रहे हैं और उसके साथ दुकान भी खोलना चाहते हैं, तो नक्शा पास कराने की झंझट नहीं होगी। साथ ही छोटे भूखंडों पर निर्माण के लिए नक्शा पास कराना अब अनिवार्य नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के शहरी इलाकों के लिए नई भवन निर्माण उपविधियां और आदर्श जोनिंग रेगुलेशन-2025 लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत अब बड़े शहरों में 24 मीटर और छोटे शहरों में 18 मीटर चौड़ी सड़कों पर आवासीय भवनों के साथ दुकानें बनाने की छूट दी जाएगी।

सरकार ने नक्शा पास कराने की बाध्यता भी काफी हद तक खत्म कर दी है। अब 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय और 30 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक भूखंडों पर बिना नक्शा पास कराए निर्माण किया जा सकेगा। केवल विकास प्राधिकरण में पंजीकरण कराना जरूरी होगा। इससे आम लोगों को न केवल राहत मिलेगी बल्कि भ्रष्टाचार और फर्जी वसूली पर भी लगाम लगेगी। इतना ही नहीं, जिन क्षेत्रों में ले-आउट पहले से स्वीकृत है, वहां 500 वर्ग मीटर के आवासीय और 200 वर्ग मीटर के व्यावसायिक भूखंडों के लिए नक्शा ऑनलाइन दाखिल करने के बाद उसे ट्रस्ट बेस्ड अप्रूवल माना जाएगा। यानी संबंधित व्यक्ति की जिम्मेदारी पर नक्शा स्वतः स्वीकृत माना जाएगा, जिससे प्रक्रिया और आसान हो जाएगी।

इस नई व्यवस्था से शहरों में मिश्रित भूमि उपयोग (मल्टी यूज जोन) को बढ़ावा मिलेगा। आम नागरिक अब सरल तरीके से घर और व्यवसाय एक साथ शुरू कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि यह कदम शहरी विकास को गति देगा और छोटे निवेशकों को भी प्रोत्साहित करेगा।

अब गोंडा में शुरू हुई मनोरमा नदी के पुनर्जीवन की मुहिम

लखनऊ/गोंडा, 04 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार न केवल अधुनातन विकास की राह पर अग्रसर है, बल्कि प्रदेश की प्राचीन सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक धरोहरों को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी संकल्प का जीवंत उदाहरण बना है प्रदेश का गोंडा जनपद, जहां मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के तहत जिला प्रशासन द्वारा मनोरमा नदी के पुनर्जीवन की एक ऐतिहासिक और जनभागीदारी आधारित पहल शुरू की गई है। यह महज एक नदी की सफाई नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय संतुलन की पुनर्स्थापना का संदेश है, जिसे सरकार जन आंदोलन के रूप में आकार दे रही है।

गौरतलब है कि मनोरमा नदी का अस्तित्व बीते वर्षों में लगभग समाप्तप्राय हो गया था। गाद, अतिक्रमण और जलस्रोतों के सूख जाने से इसका जल बहाव बाधित हो गया था। मनोरमा नदी का पुनर्जीवन न केवल जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर होगा, बल्कि यह जनपद की सांस्कृतिक और पारिस्थितिक पहचान को फिर से स्थापित करने का माध्यम भी बनेगा। जनपद गोंडा की सांस्कृतिक और भौगोलिक पहचान रही मनोरमा नदी अब एक बार फिर जीवनदायिनी बनने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने नदी के पुनर्जीवन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत, नदी की सफाई, गाद हटाने, वृक्षारोपण और जनसहभागिता के माध्यम से नदी को फिर से बहाल करने की दिशा में ठोस कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने मनोरमा सरोवर से निकलने वाली मनोरमा नदी के पूरे प्रवाह पथ का स्थल निरीक्षण करते हुए संबंधित विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। मनोरमा नदी के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा, मनोरमा नदी केवल जलस्रोत नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसका पुनर्जीवन जनपदवासियों के लिए एक गौरव का विषय होगा। यह पहल जनपद में एक समग्र पर्यावरणीय और सामाजिक पुनर्जागरण की शुरुआत है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मनोरमा नदी की दोनों तरफ वृक्षारोपण की योजना बनाई जाए, जिससे नदी तट पर हरियाली बढ़े और जैव विविधता को संरक्षण मिले। इसके अंतर्गत पीपल, नीम, पाकड़ जैसे देशी प्रजातियों के पौधों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। वन विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी ने पोकलैंड और जेसीबी मशीनों से नदी की गाद और कचरे की सफाई का कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गोंडा-बलरामपुर रोड से लेकर ताड़ी लाल गांव तक नदी के प्रवाह को पूर्ण रूप से साफ किया जाए और जलधारा को पुनः प्रवाहित किया जाए।

इस पूरी प्रक्रिया में विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्य किया जा रहा है। डीसी मनरेगा को श्रमिकों की व्यवस्था और योजनाबद्ध कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि वन विभाग को वृक्षारोपण की कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। सिंचाई विभाग को नदी की दिशा और संरचना का तकनीकी आकलन करने का कार्य सौंपा गया है। जिलाधिकारी ने इस पहल को केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जन आंदोलन के रूप में विकसित करने की बात कही। ग्राम पंचायतों और स्थानीय समाजसेवियों को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं ताकि लोग इस पुनर्जीवन कार्य को अपने स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव से जोड़ें।

मनोरमा नदी उत्तर प्रदेश की एक 115 किलोमीटर लंबी पौराणिक नदी है, जो गोंडा और बस्ती जिलों से होकर बहती है। इसका उद्गम गोंडा जिले के तिर्रे ताल से होता है और यह बस्ती के परशुरामपुर क्षेत्र से गुजरते हुए महुली के पास कुआनो नदी में मिल जाती है। इस नदी का नाम महर्षि उद्दालक की पुत्री मनोरमा के नाम पर पड़ा और इसका उल्लेख प्राचीन पुराणों में भी मिलता है, जिससे इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व स्थापित होता है। मखौड़ा धाम के निकट बहने वाली इस नदी को पवित्र माना जाता है और इसे अनेक धार्मिक अनुष्ठानों से भी जोड़ा जाता है।

आउटसोर्सिंग कार्मिकों के लिए ऐतिहासिक कदम

यूपी में बनेगा आउटसोर्स सेवा निगम

लखनऊ, 04 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों आउटसोर्सिंग कार्मिकों के श्रम अधिकारों, पारिश्रमिक और सामाजिक सुरक्षा की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निगम प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के जीवन में स्थायित्व और भरोसा सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन विकेन्द्रीकृत तरीके से होता है, जिसके कारण समय पर वेतन न मिलना, वेतन में कटौती, ईपीएफ/ईएसआई लाभों से वंचित रहना, पारदर्शिता की कमी और उत्पीड़न जैसी अनेक शिकायतें मिलती हैं। इस परिप्रेक्ष्य में संपूर्ण व्यवस्था में व्यापक सुधार आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित निगम का गठन कंपनी एक्ट के तहत किया जाए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और एक महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी। मंडल व जिला स्तर पर भी समितियों का गठन किया जाएगा। एजेंसियों का चयन जेम पोर्टल के माध्यम से न्यूनतम तीन वर्षों के लिए किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि वर्तमान कार्यरत कार्मिकों की सेवाएं बाधित न हों और चयन प्रक्रिया में उन्हें अनुभव के आधार पर वेटेज मिले।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि सभी आउटसोर्सिंग कार्मिकों का पारिश्रमिक प्रत्येक माह की 05 तारीख तक सीधे उनके बैंक खाते में भेजा जाए तथा ईपीएफ और ईएसआई की रकम समय से जमा हो। साथ ही ईपीएफ, ईएसआईसी तथा बैंकों से अनुमन्य सभी लाभ भी कर्मचारियों को प्रदान किए जाएं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि निगम को रेगुलेटरी बॉडी की भूमिका में रखा जाए जो एजेंसियों की कार्यप्रणाली की निगरानी करे और नियमों के उल्लंघन पर ब्लैकलिस्टिंग, डिबारमेंट, पेनाल्टी एवं वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करे।

प्रस्तावित निगम द्वारा की जाने वाली सभी नियुक्तियों में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, महिला, दिव्यांगजन और पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण प्रावधानों का पूर्णतः पालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निराश्रित, तलाकशुदा व परित्यक्ता महिलाओं को भी प्राथमिकता देने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि नियमित पदों के विरुद्ध कोई भी आउटसोर्सिंग सेवा नहीं ली जाए। चयन के बाद कोई भी कार्मिक तब तक सेवा से मुक्त न किया जाए, जब तक संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी की संस्तुति न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक कर्मचारी की गरिमा, सुरक्षा और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम प्रदेश की प्रशासनिक प्रणाली में एक नई पारदर्शिता और जवाबदेही का अध्याय जोड़ेगा। इससे न केवल राज्य के लाखों आउटसोर्सिंग कर्मियों को लाभ मिलेगा, बल्कि प्रशासनिक दक्षता भी बढ़ेगी

राजा भैया के सास-ससुर को जान का खतरा

डीजीपी को पत्र लिखकर मांगी सुरक्षा

लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के चर्चित विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया इन दिनों काफी चर्चा में हैं। इस बार चर्चा में होने की वजह वो खुद नहीं उनकी पत्नी हैं। उनकी पत्नी पर उनके ही माता-पिता ने जान का खतरा बताते हुए डीजीपी से सुरक्षा की मांग की है। बीते गुरुवार को राजा भैया के ससुर रवि प्रताप सिंह ने डीजीपी और लखनऊ पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में कहा है कि उनकी बेटी भानवी से उन्हें और परिवार के लोगों को जान का खतरा है।

बीते दिनों पहले भानवी सिंह ने लखनऊ स्थित अपनी बहन के आवास पर हाई वोल्टेज ड्रामा किया था। जिसके बाद राजा भैया के ससुर ने पुलिस को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा- हमने भरोसे में आकर अपनी बेटी भानवी को पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी लेकिन उसने बिना हमारी इजाजत के हमारी करोड़ों की सम्पत्ति बेच दी। इसके साथ ही भानवी ने एक नौकर के हाथों हमें मारने की साजिश भी रची थी। उसने हमारे खाने में जहर मिलाने की भी कोशिश की थी। रवि प्रताप ने अपनी बेटी भानवी सिंह पर कई बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि भानवी सम्पत्ति के लालच में मारपीट करती हैं। अपनी मां और बहन से हाथा-पाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही आपको बता दें कि भानवी सिंह ने बीते 1 जुलाई की रात लखनऊ में हाई वोल्टेज ड्रामा किया था। जिसके बाद ये मामला हुआ है।

दरअसल हजरतगंज इलाके में भानवी सिंह की बहन साध्वी सिंह का फ्लैट है। जहां वो अपने माता-पिता से मिलने पहुंची थीं। लेकिन भानवी सिंह के गेट पर पहुंचने के बाद घरवालों ने दरवाजा नहीं खोला जिसके बााद उन्होंने जमकर बवाल किया। मामला बिगड़ने के बाद साध्वी सिंह 112 नंबर पर फोन करके पुलिस बुलाई। पुलिस के आने के बाद मामला कुछ शांत हुआ। इसको लेकर भानवी सिंह ने आरोप लगाया था कि वो अपने माता-पिता से मिलने आई थीं लेकिन उनको मिलने नहीं दिया गया। वहीं इस मामले में साध्वी सिंह का कोई बयान नहीं आया।

प्रतापगढ़ की कुंड़ा विधानसभा से 7 बार के विधायक राजा भैया और भानवी सिंह की शादी साल 1995 में हुई थी। लेकिन साल 2022 में भानवी ने राजा भैया पर मारपीट करने, अन्य महिला के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया था और फिर बाद में दिल्ली के साकेत कोर्ट में तलाक की अर्जी लगा दी। भानवी लंबे समय से दिल्ली में ही रह रही हैं।

संपादकीय

बहुत बड़ी डील!

वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में भारत और अमेरिका के बीच जल्दी ही संपन्न होने वाला व्यापार समझौता न मात्र दोनों देशों के लिए बल्कि विश्व व्यापार की दिशा और दशा के निर्धारण में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 बार दावा किया है कि भारत के साथ ''बहुत बड़ी डील'' की संभावना है। राष्ट्रपति ट्रंप का यही आशावाद न केवल व्यापारिक रणनीति का हिस्सा है, बल्कि वैश्विक मंच पर अमेरिका की साख और प्राभाव को बनाए रखने की एक सजग कोशिश भी है। भारत और अमेरिका के बीच चल रही यह वार्ता न केवल आर्थिक बल्कि वूटनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से भी अहम है। दरअसल दोनों देशों के बीच चल रही व्यापार वार्ता एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गईं है। 9 जुलाईं को अमेरिका के जवाबी टेरिफ की अस्थाईं छूट की अवधि भी समाप्त हो रही है, ऐसी स्थिति में भारतीय व्यापार वार्ताकारों ने वाशिगटन डीसी में ही वुछ और दिन रूकने का पैसला करके यह संदेश दिया है कि दिल्ली भी वृषि और डेयरी जैसे मुद्दों पर सावधानी से मतभेद सुलझाना चाहती है ताकि अन्तरिम व्यापार समझौते को जल्दी ही अन्तिम रूप दिया जा सके। इसी तरह दूसरी तरफ अमेरिकी व्यापारिक वार्ताकार भी इस बात को महसूस करते हैं कि भारत से डील ऐसा मुद्दा है जिसकी वजह से अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप दोनों की साख दांव पर लगी है। असल में भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लम्बे समय से स्थाईं एवं मजबूत रहे हैं, इसलिए 2024 में भारत का अमेरिका के साथ व्यापार सरप्लस 45 अरब डालर के आसपास था, मतलब कि भारत इस व्यापारिक रिश्ते में आर्थिक रूप से लाभ की स्थिति में है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य मौजूदा समयावधि में लगभग 190 अरब डालर है, और इसका लक्ष्य 2030 तक 500 अरब डालर तक पहुंचने का लक्ष्य है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य दोनों देशों के लिए अवसर तो हैं ही साथ ही चुनौतियां भी पेश करने वाले हैं। असल में अमेरिका भारत में आटोमोबाइल व्हिस्की और वृषि उत्पादों जैसे सेब, मक्का और सोया आदि के बाजार खोलने की मांग कर रहा है, वहीं भारत की ओर से स्टील, एल्युमीनियम और आटोपाट्र्स पर लगे अतिरिक्त शुल्क हटाने और भविष्य में नए टैरिफ न लगाने की स्पष्ट गारंटी पर है। दोनों देशों के बीच विवाद वृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर ही ज्यादा है। अमेरिका चाहता है कि भारत जेनेटिकली माडिफाइड (जीएम) फसलों और ऐसे डेयरी उत्पादों को बाजार में प्रावेश दे जो उन जानवरों से प्राप्त होते हैं जिन्हें आतंरिक रक्त मील खिलाया गया हो लेकिन भारत जानता है कि भारतीय समाज कितना संवेदनशील है। इसलिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया है कि वृषि और डेयरी भारत की ''रेड लाइन'' हैं और इन क्षेत्रों में अत्याधिक सतर्वता बरती जा रही है। भारत इस व्यापार समझौते में अपनी रणनीतिक मांगो को लेकर सतर्व एवं सख्त रुख अपनाए हुए है। भारत विशेष रूप से दूरसंचार उपकरण, बायोटेक्नोलाजी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, दवा निर्माण, क्वांटम कम्प्यूटिग और सेमी वंडक्टर जैसे क्षेत्रों में तकनीकी पहुंच में ढील की मांग कर रहा है। भारत चाहता है कि अमेरिका उसे आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जापान जैसे अन्य सहयोगी देशों के समान दर्जा दे, जिससे भारतीय इनोवेशन और तकनीकी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिल सके। बहरहाल यह डील भारत और अमेरिका दोनों के लिए लाभ का सौदा है। जहां भारत के लिए यह डील तकनीकी और आर्थिक विकास के लिए नए द्वार खोल सकती है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के लिए यह समझौता न सिर्प व्यापार घाटे को कम करने में मदद करेगा। बल्कि इण्डो पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्राभाव को संतुलित करने में भी रणनीतिक उपयोगी साबित होगा। क्वाड यानि चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद जैसे गठबंधनों में भारत की भूमिका को देखते हुए यह डील दोनों देशों के लिए वूटनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

> अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 बार दावा किया है कि भारत के साथ ''बहुत बड़ी डील'' की संभावना है। राष्ट्रपति ट्रंप का यही आशावाद न केवल व्यापारिक रणनीति का हिस्सा है, बल्कि वैश्विक मंच पर अमेरिका की साख और प्राभाव को बनाए रखने की एक सजग कोशिश भी है। भारत और अमेरिका के बीच चल रही यह वार्ता न केवल आर्थिक बल्कि वूटनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से भी अहम है। दरअसल दोनों देशों के बीच चल रही व्यापार वार्ता एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गईं है। 9 जुलाईं को अमेरिका के जवाबी टेरिफ की अस्थाईं छूट की अवधि भी समाप्त हो रही है, ऐसी स्थिति में भारतीय व्यापार वार्ताकारों ने वाशिगटन डीसी में ही वुछ और दिन रूकने का पैसला करके यह संदेश दिया है कि दिल्ली भी वृषि और डेयरी जैसे मुद्दों पर सावधानी से मतभेद सुलझाना चाहती है ताकि अन्तरिम व्यापार समझौते को जल्दी ही अन्तिम रूप दिया जा सके।

अंग्रेजों की गुलामी से मानसिक तौर पर भी मुक्त होने की जरूरत

जनता को उसकी भाषा में न्याय मिलना चाहिए

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

संविधान निर्माण के समय जो भी स्थितियां या कारण रहे हों, मैं समझता हूं कि संविधान का अनुच्छेद 348 जनतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल नहीं है। किसी भी देश में वहां के नागरिकों को उस देश की भाषा में न्याय तो मिलना ही चाहिए। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा अपवाद होगा जहां के न्यायालयों में वहां के लोगों को उसे देश की भाषा में न्याय न मिलता हो। संविधान का अनुच्छेद 348 हमें आज भी अंग्रेजों की गुलामी का एहसास करवाता है। संविधान का यह अनुच्छेद देश की जनता को उसकी भाषा में न्याय से वंचित करता है।

अदालत में किसी व्यक्ति का मुकदमा चल रहा है और उसे पता न हो कि उसका वकील क्या कह रहा है, न्यायाधीश क्या कह रहा है और निर्णय क्या हो रहा है? जो न्यायपालिका उसे गूंगा और बहरा बना दे, उसे न्याय कैसे कहा जा सकता है? उसे सही कैसे ठहराया जा सकता है? ऐसी स्थिति तो राजा महाराजाओं के समय में भी नहीं थी। संविधान के अनुच्छेद 348 की व्यवस्था अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों के अनुकूल हो सकती है पर जनता के अनुकूल बिल्कुल नहीं है। यह अत्यंत आवश्यक है कि जिस व्यक्ति द्वारा याचिका दायर की गई है या इसके विरोध याचिका दायर की गई है उसे पता लगना चाहिए न्यायालय में क्या हो रहा है। उसे अपनी बात न्यायालय में रखने का अधिकार भी होना चाहिए, जो उसकी भाषा में ही संभव है।

यहां एक बात ध्यान देने योग्य है, देश की जनता संविधान के लिए नहीं है, बल्कि भारत का संविधान जनता के हित के लिए है। यही संविधान संसद को जनहित के लिए आवश्यकतानुसार संविधान संशोधन की शक्ति भी प्रदान करता है। इसलिए मैं समझता हूं कि अनुच्छेद 348 को संशोधित करते हुए इसमें संविधान के अनुच्छेद 350 के उपबंधों के अनुसार किया जाना चाहिए, जिसमें यह कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति व्यथा निवारण के लिए देश के किसी भी हिस्से में संघ में और उस राज्य में प्रयुक्त होने वाली भाषा में अपना आवेदन या अभ्यावेदन दे सकता है। ठीक यही बात देश के उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालयों में भी होनी चाहिए।

अंग्रेजी, जो कि औपनिवेशिक भाषा है, यानी अंग्रेजों की गुलामी की भाषा है, जो भारत के नागरिकों की ही भाषा नहीं है, जो संविधान की अष्टम अनुसूची में भी नहीं है, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में उस भाषा में न्याय की अनिवार्यता की बात को किसी भी तरह जनतंत्र के अनुकूल नहीं माना जा सकता। यदि अंग्रेजी को रखना भी है तो वैकल्पिक भाषा के रूप में रखा जा सकता है।

अब आते हैं दूसरी बात पर। संविधान के अनुच्छेद 348 (2) में उपबंध है कि किसी राज्य का राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से उच्च न्यायालय की कार्यवाहियों में, जिसका मुख्य स्थान उस राज्य में है, हिंदी भाषा का या उस राज्य के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाली किसी अन्य भाषा का प्रयोग प्राधिकृत कर सकेगा। इसमें ऐसी कोई बात नहीं कही गई है कि ऐसा निर्णय करने से पूर्व सर्वोच्च न्यायालय या किसी अन्य की सहमति ली जाए। लेकिन आगे चलकर संविधान के अनुच्छेद 348 में भारत की जनता को प्राप्त इस अधिकार मैं भी एक पेंच फंसा दिया गया।

1965 की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक 21 मई 1965 को आयोजित की गई थी। उसमें संविधान के अनुच्छेद 348 के प्रतिकूल निर्णय लिया गया। उनके निर्णय में स्पष्ट रूप से यह कहा गया, The Cabinet Committees decision dated 21.05.1965 has stipulated that consent of the Chief Justice of India be obtained on any proposal relating to use of a language other than English in the High Court. अर्थात अगर कोई राज्य सरकार उच्च न्यायालय में अंग्रेज़ी के अलावा किसी अन्य भाषा (जैसे हिंदी या राज्य की क्षेत्रीय भाषा) का प्रयोग करने हेतु अनुच्छेद/348 (2) के अंतर्गत प्रस्ताव भेजती है, तो केंद्र सरकार उस प्रस्ताव को मंजूर करने से पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व सहमति लेना अनिवार्य है।

यहां यह प्रश्न उठता है कि जो बात भारत के संविधान में है ही नहीं, उसे क्यों लाया गया? प्रारंभ में राजस्थान (1950), उत्तर प्रदेश (1969), मध्य प्रदेश (1971) और बिहार (1972) के उच्च न्यायालयों में भाषा परिवर्तन के प्रस्ताव इसी प्रक्रिया के तहत मंजूर किए गए थे। लेकिन फिर इसके बाद गाड़ी आगे बढ़ी ही नहीं। क्योंकि सरकार के 1965 के निर्णय के अनुसार किसी राज्य से आए प्रस्ताव के लिए पहले सर्वोच्च न्यायालय से अनुमति लेना आवश्यक है और सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्ताव पर सहमति ही नहीं। जब सूचना का अधिकार के अंतर्गत केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग से जानकारी मांगी तो यह सूचित किया गया, विभाग में पश्चिम बंगाल, मद्रास, गुजरात, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक राज्यों के उच्च न्यायालय में क्रमशः बांग्ला, तमिल, गुजराती, हिंदी और कन्नड़ भाषा के प्रयोग से संबंधित प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। न्याय विभाग के कार्यालय ज्ञापन, दिनांक 5 जनवरी 2016 के द्वारा यह सूचित किया गया है कि उच्चतम न्यायालय के पूर्ण पीठ द्वारा व्यापक विचार विमर्श के बाद दिनांक 16. 12. 2015 को इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। पहले भी इस प्रस्ताव को संकल्प दिनांक 7.5. 1997, 15.12. 1999 एवं 11. 10. 2012 के द्वारा इसे अनुमति नहीं दी है। कहने का तात्पर्य यह हुआ कि 1965 में तत्कालीन सरकार द्वारा लिए गए एक निर्णय ने संविधान द्वारा विभिन्न राज्यों की जनता को उसके राज्य में स्थित उच्च न्यायालय में उनकी भाषा में न्याय के अधिकार का मार्ग अवरुद्ध कर दिया।

जो हुआ वह जनभाषा में न्याय के अधिकार की हत्या के समान था। जनभाषा में न्याय को लेकर इससे तत्कालीन सरकार की मंशा पर भी सवाल उठते हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि 60 साल पहले के तत्कालीन सरकार के मंत्रिमंडल के निर्णय को हम अब क्यों नहीं बदल पा रहे? जनभाषा में न्याय को लेकर हम कब तक पिछली सरकार को कोसते रहेंगे। अब जबकि भारत के गृहमंत्री ने यह कहा है कि अब हम ऐसा समाज बनाने जा रहे हैं कि भारत में अपनी भाषा बोलने वालों को नहीं बल्कि अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी तो मैं समझता हूं कि जनभाषा में न्याय के इस बंद दरवाजे को खोलने का इससे उत्तम समय क्या हो सकता है।

इस मौके पर हमें राष्ट्रपति के 1960 के आदेशों का भी संज्ञान ले लेना चाहिए, जिनमें यह कहा गया है, उच्चतम न्यायालय अन्ततः अपना सब काम हिंदी में करे, यह सिद्धांत रूप में स्वीकार्य है और इसके संबंध में समुचित कार्यवाही उसी समय अपेक्षित होगी जब कि इस परिवर्तन के लिए समय आ जाएगा। जैसा कि आयोग की सिफारिश की तरमीम करते हुए समिति ने सुझाव दिया है, उच्च न्यायालयों की भाषा के विषय में यह व्यवस्था करने के लिए आवश्यक विधेयक विधि मंत्रालय उचित समय पर राष्ट्रपति की पूर्व सम्मति से पेश करे कि निर्णयों, डिक्रियों और आदेशों के प्रयोजनों के लिए हिंदी और राज्यों की राजभाषाओं का प्रयोग विकल्पतः किया जा सकेगा।

अब जबकि भारत के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विधि मंत्री और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व कई न्यायाधीशों ने और वर्तमान न्यायाधीशों ने भी जनभाषा में न्याय की आवश्यकता को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है तो अब कोई ऐसा कारण प्रतीत नहीं होता कि देश की जनता के लिए जनभाषा में न्याय का मार्ग न खोला जा सके।

कुछ अलग

धरती ने तेज की अपनी धुरी पर घूमने की रफ्तार

दुनिया आने वाले कुछ दिनों में पृथ्वी के इतिहास के सबसे छोटे दिन का अनुभव कर सकती है। खगोल भौतिकीविदों ने अपनी एक रिसर्च के आधार पर पाया है कि पृथ्वी की घूर्णन गति बीते पांच साल से बढ़ रही है। साल 2020 से पृथ्वी अपनी धुरी पर सामान्य से अधिक तेजी से घूम रही है, इसकी वजह से हम इतिहास के सबसे छोटा दिन अनुभव कर सकते हैं। यानी ये दिन 24 घंटे से कम का होगा। ये सबसे छोटा दिन इसी महीने यानी जुलाई या फिर अगस्त में देखने को मिल सकती है। खगोल भौतिकीविद् ग्राहम जोन्स ने सबसे छोटे दिन के लिए तीन तारीख बताई हैं। यह इस साल 9 जुलाई या 22 जुलाई या फिर अगले महीने अगस्त की 5 तारीख को हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की कक्षा से पृथ्वी पर प्रभाव की वजह से ऐसा होगा। यह दिन सामान्य दिन से 1.66 मिलीसेकंड से ज्यादा छोटा होगा। एक सौर दिन ठीक 86,400 सेकंड यानी 24 घंटे तक चलना चाहिए लेकिन पृथ्वी का घूर्णन कभी भी पूरी तरह से स्थिर नहीं रहा है। रिसर्च बताती हैं कि 2020 में किसी अज्ञात कारण से हमारा ग्रह तेजी से घूमने लगा। इससे दिन का समय घट गया है। 2021 में एक दिन दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.47 मिलीसेकंड कम था। 2022 में यह 1.59 मिलीसेकंड कम हो गया और फिर 5 जुलाई, 2024 को रेकॉर्ड बना, जब दिन सामान्य 24 घंटों से 1.66 मिलीसेकंड कम रहा।

देश दुनिया से

गर्म होती दुनिया में खतरा बनता फंगस

ग्लोबल वार्मिंग से दुनिया में नए रोगजनक उभर रहे हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं। वैज्ञानिकों ने एस्परजिलस नामक फंगस के बढ़ते प्रसार के बारे में चिंता जताई है। इस फंगस के फैलने में जलवायु परिवर्तन और गर्म तापमान की मदद भी शामिल है। इस प्रकार की फफूंद लोगों, पौधों और जानवरों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है और कुछ मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकती है। एक नए अध्ययन में ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने दुनिया में फंगस के विस्तार का मॉडल बनाकर दिखाया है कि फंगस की तीन प्रजातियां, एस्परजिलस फ्यूमिगेटस, एस्परजिलस फ्लेवस और एस्परजिलस नाइजर अगले 70-80 वर्षों में उत्तर की ओर फैलेंगी। शोधकर्ताओं ने फंगस के मौजूदा आवासों और वार्मिंग की भविष्यवाणी करने वाले जलवायु मॉडल का अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक नॉर्मन वैन रिजन का कहना है कि आर्द्रता और चरम मौसम की घटनाओं जैसे पर्यावरणीय कारकों में परिवर्तन, आवासों को बदल देंगे और फंगस के अनुकूलन और प्रसार को बढ़ावा देंगे। वायरस और दूसरे रोगजनक परजीवियों की तुलना में फंगस पर अपेक्षाकृत कम शोध किया गया है, लेकिन ताजा अध्ययन दिखाते हैं कि भविष्य में फंगस रोगजनकों का दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। गंभीर जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य के तहत, यूरोप में एस्परजिलस फ्यूमिगेटस का प्रसार 15 वर्षों में 77.5 प्रतिशत बढ़ सकता है, जिससे 90 लाख और लोगों को संक्रमण का खतरा हो सकता है। एस्परजिलस फ्लेवस जो गर्म क्षेत्रों को तरजीह देता है, यूरोप में 16 प्रतिशत तक प्रसारित हो सकता है, जिससे अतिरिक्त 10 लाख लोग जोखिम में पड़ सकते हैं। शोधकर्ता नए क्षेत्रों में फैलने वाले संक्रमण से चिंतित हैं। इस तरह के फंगस संक्रमण कमजोर लोगों, विशेष रूप से कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को ज्यादा परेशान करेंगे। इस बात की अधिक संभावना है कि नई जगहों पर फंगस की प्रजातियों के अनुकूलन बाद स्वस्थ व्यक्तियों में भी संक्रमण के मामले बढ़ जाएंगे। शोधकर्ताओं का कहना है कि मानव संक्रमणों के अलावा और भी बातें चिंताजनक हैं। फंगस के प्रकोप से फसलें नष्ट हो सकती हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य में दुनिया की आबादी का पेट भरने करने की चुनौतियों में वृद्धि हो सकती है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में लिखा है कि एशिया, यूरोप और दुनिया के दूसरे हिस्सों में एस्परजिलस फंगस के साथ मानव संपर्क में वृद्धि की संभावना आने वाले समय में सार्वजनिक स्वास्थ्य का बोझ बढ़ा सकती है और फसल सुरक्षा परिदृश्य को बदल सकती है। एस्परजिलस के अलावा एक और फंगस, कैंडिडा ऑरिस भी वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय रही है। महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनने में सक्षम यह फंगस भी दुनिया के गर्म होने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में फैल रही है, और अन्य प्रजातियों के भी इसका अनुसरण करने की संभावना है। इन फंगस प्रजातियों का एक दूसरा पहलू भी है। पर्यावरण संतुलन में उनकी खास भूमिका है। वे पारिस्थितिकी तंत्र को लाभ पहुंचाती हैं, जिसमें कार्बन और पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण शामिल है। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले बदलावों पर गौर करते समय इन सभी बातों पर भी विचार करने की आवश्यकता पड़ेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि फंगस रोगजनकों के प्रभावों को कम करने के लिए उनके बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ प्रभावी चिकित्सीय उपचार विकसित करना भी जरूरी होगा। इस बीच, संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि खेती में नए फफूंदनाशक रसायनों के व्यापक उपयोग से मनुष्यों और जानवरों में फंगल संक्रमण के उपचारों के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में कृषि में उपयोग किए जाने वाले फफूंदनाशक को मनुष्यों और जानवरों दोनों में फफूंद रोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध में वृद्धि से जोड़ा गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ. जॉर्ज थॉम्पसन और डॉ. एंजेल देसाई ने चेतावनी दी है कि हानिकारक फफूंद को मारने के लिए विकसित किए गए नए कृषि कीटनाशक लोगों और जानवरों में खतरनाक फंगल संक्रमण का इलाज करना कठिन बना सकते हैं। फंगस प्रजातियां पहले से ही दुनियाभर में गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रही हैं। एंटीफंगल एजेंट दवा और कृषि दोनों में आवश्यक रसायन हैं, लेकिन इन यौगिकों के अत्यधिक उपयोग से फफूंद में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसका मतलब है कि मनुष्यों के लिए जीवन रक्षक उपचार काम करना बंद कर सकते हैं। दोनों विशेषज्ञों ने वैश्विक समुदाय से फफूंद और बैक्टीरिया जैसे रोगजनकों से लड़ने के लिए रासायनिक एजेंटों के विकास, परीक्षण और उपयोग के लिए 'समग्र स्वास्थ्य' दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया है। थॉम्पसन ने कहा, दवा प्रतिरोधी रोगजनक एजेंटों का विवेकपूर्ण उपयोग करने की भी आवश्यकता है। हमने सीखा है कि पशुधन के लिए एंटीबायोटिक दवाओं के व्यापक उपयोग के परिणामस्वरूप जीवाणुरोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध का तेजी से विकास हुआ है। पर्यावरण में फफूंदनाशक के उपयोग के बारे में भी ऐसी ही चिंताएं हैं। समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण इस बात पर जोर देता है कि कैसे एक क्षेत्र में परिवर्तन से मानव गतिविधि, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। जलवायु और हवा के पैटर्न में परिवर्तन फफूंद जैसे रोगजनकों को फैलाने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, यात्रियों, प्रवासी जानवरों और दूषित वस्तुओं की आवाजाही रोगजनकों को नए क्षेत्रों में ले जा सकती है। पिछले कुछ दशकों में मनुष्यों में गंभीर संक्रमण पैदा करने वाली फंगस के प्रकारों में तेजी से वृद्धि हुई है। मसलन, कैंडिडा ऑरिस एक ऐसी ही फंगस है। इसका इलाज भी कठिन होता है। इस फंगस में मनुष्यों के समान कोशिका तंत्र होता है।

आप का नजरिया

बात-बेबात घात

कहना मुश्किल है कि हमारे समाज में ऐसा क्या बदला है कि जिन छोटे-छोटे विवादों को हम आसानी से सुलझा सकते हैं, उनको लेकर जान लेने तक की नौबत आ जाती है। मान्यता रही है कि पढ़ा-लिखा समाज सभ्य-संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है। पिछले दिनों दिल्ली में एक ई-रिक्शा चालक के कार से लग जाने के बाद कार चालक ने रिक्शा वाले को गोली मार दी। अब सवाल यह भी है कि क्यों इस विवाद को आपसी बातचीत से नहीं टाला जा सका? आखिर क्यों कार चालक को हथियार लेकर चलने की जरूरत पड़ी? आखिर लोगों का खून क्यों उबाल ले रहा है? क्या ये हमारे तामसिक व प्रदूषित खान-पान की देन है? क्या हमारे विचार दूषित हुए हैं? क्या हमारे उन संस्कारों का लोप हो चुका है जो हमें सहजता, सहयोग, सरलता, सहनशीलता, सौम्यता और सहभागिता सिखाते थे? अक्सर हम बुजुर्गों के साथ युवाओं द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए देखते हैं। उनकी उम्र व सफेद बालों का भी कोई लिहाज करता नजर नहीं आता है। सवाल उठता है कि क्या हमारी पारिवारिक संरचना व शिक्षण संस्थाओं द्वारा जीवन मूल्य बांटने की कवायद निष्प्रभावी हो गई है? अकसर हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ऐसे मुद्दों को लेकर बड़े विवाद होते हैं, जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। हमारे व्यवहार की ये कृत्रिमता विचलित करने वाली है। कभी कहा जाता था कि गहरी नदी खामोशी से बहती है। लेकिन इसके उलट पढ़े-लिखे लोग अनपढ़ों से बदतर व्यवहार करते नजर आते हैं। वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि विद्या हमें विनय देती है। क्या हमारा जीवन इतना जटिल हो गया है कि हमें क्षण में आक्रोश से भर देता है? हाल के वर्षों में राह चलते मामूली विवादों पर हत्या कर देने की विचलित करने वाली वारदातें अकसर खबरों में सुर्खियां बनती रहती हैं। जो एक सभ्य व्यक्ति में भय व असुरक्षा भर देती हैं। हर व्यक्ति के दिमाग में अपनी व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो जाती है। कहीं छोटी-छोटी बात पर रौब दिखाने पर हत्याएं हो जाती हैं तो कहीं वाहनों को खड़े करने के विवाद में खूनी संघर्ष हो रहे हैं। कहीं न कहीं सड़कों पर होने वाली हिंसा के मूल में बेलगाम होता गुस्सा भी है। यह गुस्सा कब कानून की झीनी दीवार लांघ दे, कहना मुश्किल है। कालांतर यही टकराव गंभीर अपराध के रूप में ही सामने आता है। यहां तक कि यह टकराव कई बार दो संप्रदायों के बीच खूनी संघर्ष तक में तब्दील हो जाता है। ऐसे कई समाचार देश के विभिन्न भागों से हमारे सामने आते रहे हैं। हमारे समाज विज्ञानियों और मनोवैज्ञानिकों को हमारे व्यवहार में घर कर रही इस आक्रामकता के कारणों की गंभीर पड़ताल करनी होगी। भविष्य में यह प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये घातक साबित हो सकती है। कहीं न कहीं ये मानवीय मूल्यों व संवेदनशीलता का पराभव भी है जो हम किसी को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। हम विचार करें कि क्या इंटरनेट सामग्री व आक्रामक वीडियो गेम से उपजी आक्रामकता नई पीढ़ी में असर दिखा रही है? फिल्मों और टीवी में दिखाए जाने वाली हिंसा क्या हमारे जीवन व्यवहार में उतर आई है? सूचना माध्यमों ने आम लोगों की संवेदनाओं को आहत करने का जो मुनाफे का जमकर कारोबार किया क्या वो हमें अब संवेदनहीन बना रहा है? देश के राजनीतिक विमर्श में आक्रामकता व संवेदनाओं से खिलवाड़ का जो निर्मम खेल दशकों से खेला जाता रहा है क्या नई पीढ़ी ने उसका अनुकरण शुरू कर दिया? क्या ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान का असर हमारे आम व्यवहार को आक्रामक बना रहा है? इस दिशा में गंभीर मनोवैज्ञानिक शोध की जरूरत है।

> मान्यता रही है कि पढ़ा-लिखा समाज सभ्य-संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है।

दृष्टि कोण

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस

अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं। रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था। दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्रायः विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते। दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दें

हॉलीवुड अभिनेता माइकल मैडसेन का 67 वर्ष की आयु में निधन

लॉस एंजिल्स, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

हॉलीवुड अभिनेता माइकल मैडसेन का 67 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से गुरुवार सुबह निधन हो गया। उन्हें मालिबू स्थित उनके घर में बेहोश पाया गया। उन्होंने फिल्म निर्देशक क्वेंटिन टारनटिनो की कई फिल्मों में यादगार अभिनय किया है। उनकी प्रवक्ता लिज रोड्रिगेज ने यह जानकारी दी।

खबर के अनुसार, इस संबंध में बोहेमिया एंटरटेनमेंट के सुसान फेरिस और रॉन स्मिथ और प्रवक्ता लिज रोड्रिगेज ने संयुक्त बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि माइकल मैडसेन हॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक थे।

उन्हें बहुत से लोग याद करेंगे। लॉस एंजिल्स शेरिफ डिपार्टमेंट लॉस्ट हिल्स स्टेशन के वॉच कमांडर सार्जेंट क्रिस्टोफर जौरेगुई ने कहा कि सुबह अधिकारी मालिबू में मैडसेन के घर पहुंचे और उन्हें बेहोश पाया। स्थानीय समयानुसार सुबह 8:25 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

मैडसेन की कुछ यादगार फिल्मों में रिजर्वायर डॉग्स, वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड और किल बिल प्रमुख हैं। किल बिल में उनकी खलनायक की भूमिका को कभी नहीं भुलाया जा सकता।

उन्होंने 80 के दशक की शुरुआत में टीवी को अभिनय का माध्यम चुना।1983 में सेंट एल्सवेयर में एक शुरुआती भूमिका ने उन्हें पहली बार अभिनय के मानचित्र पर ला खड़ा किया।

इसके कुछ समय बाद वह फिल्मों की दुनिया में चले गए। 1991 में रिडले स्कॉट निर्देशित फिल्म थेल्मा एंड लुईस में अपनी छाप छोड़ी। इसमें उन्होंने लुईस (सुसान सारंडन) के प्रेमी जिमी की भूमिका निभाई।

अगले साल उन्होंने टारनटिनो के साथ पहली बार रिजर्वायर डॉग्स में काम किया। हिंसा प्रधान इस फिल्म में मैडसेन ने क्रूर मिस्टर ब्लोंड की भूमिका निभाई। उन्होंने एक्शन फिल्मों में भी हाथ आजमाया। 1994 की वायट इयरप ऐसी ही एक मूवी है।

उन्होंने 1997 में डॉनी ब्रास्को, 2002 में जेम्स बॉन्ड फिल्म डाई अदर डे और 2005 की सिन सिटी जैसी हिट फिल्मों में काम किया।

मैडसेन की जिन्दगी में कई उतार-चढ़ाव भी आए। पिछले साल उन्हें अपनी पत्नी डीअन्ना मैडसेन के साथ विवाद के बाद घरेलू हिंसा के संदेह में गिरफ्तार किया गया था।

अभिनेता ने एक महीने बाद डीअन्ना मैडसेन से तलाक के लिए अर्जी दी। इससे पहले 2019 में भी मैडसेन को कुकर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस समय वो लगभग 18 फिल्मों में काम कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने उत्तरी वजीरिस्तान में अफगान सीमा से आतंकियों की घुसपैठ रोकी, 30 को किया ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने उत्तरी वजीरिस्तान में अफगान सीमा से आतंकियों की घुसपैठ को विफल कर दिया। जवानों ने इस दौरान ताबड़तोड़ गोलीबारी कर 30 आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों का संबंध तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से बताया गया है।
खबर के अनुसार, सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) सुबह बताया कि यह सफलता खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के हसन खेल तहसील में मिली है। सेना ने यहां पाकिस्तान-अफगान सीमा के जरिए घुसपैठ की कोशिश कर रहे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 30 आतंकवादियों को मार गिराया । आईएसपीआर के अनुसार, पिछले साल जुलाई में सरकार ने टीटीपी को प्रतिबंधित करते हुए फितना अल खवारिज नाम दिया था। मारे गए आतंकवादियों के पास से बड़ी संख्या में हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किया गया है। आईएसपीआर ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों सतर्कता और तत्परता की सराहना की।

युवक फ्लाइट में कर रहा था हरकतें पीछे बैठे यात्री ने की शिकायत तो दबा दिया गला

वॉशिंगटन। अमेरिका में फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट में 30 जून को भारतीय मूल के इशान शर्मा को दूसरे पैसेंजर केनू इवांस के साथ मारपीट के आरोप में हिरासत में किया गया था। ये फ्लाइट फिलाडेल्फिया से मियामी जा रही थी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में इशान और केनू एक-दूसरे से लड़ते दिख रहे हैं, जबकि दूसरे लोग उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे हैं। एयरपोर्ट पर उतरते ही हुआ गिरफ्तार, अदालत ने ठोका 42 हजार का जुर्माना मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद उड़ान भरने के कुछ समय बाद हुआ। केनू इवांस ने कहा कि इशान उसकी आगे वाली सीट पर बैठा था और अजीब हरकतें कर रहा था जैसे बार-बार हंसना और बड़बड़ाते हुए किसी को मारने की धमकी दे रहा था, जिससे केनू परेशानी हो रही थी। इशान के हरकतों से परेशान होकर केनू ने केबिन क्रू मेंबर से मदद के लिए कहा, जिसके बाद इशान गुस्से में आ गया और लड़ाई करने लगा और इवांस का गला पकड़ लिया। ईशान को मियामी एयरपोर्ट पर उतरते ही हिरासत में ले लिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी ओर अदालत में पेशी के दौरान इशान के वकील ने दावा किया कि वे बस मेडिटेशन कर रहे थे, जिसे पीछे बैठे केनू इवांस ने गलत समझ लिया। अदालत ने इशान पर 500 डॉलर यानी 42 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है और उसे इवांस से कांटेक्ट करने, उसके स्कूल या घर के पास जाने से रोकने के लिए स्टे-अवे ऑर्डर जारी किया है।

तालिबान सरकार को रुस ने दी इस्लामिक अमीरात की मान्यता

मॉस्को। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी वाला बताया है।
अफगान विदेश में बताया बहादुरी भरा फैसला, अब तेजी से बढ़ेगा द्विपक्षीय सहयोग अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने बैठक के बाद बयान में कहा कि रुस का यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है। रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा।

अमेरिकी संसद ने पास किया ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल

वाशिंगटन, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का महत्वाकांक्षी वन बिग ब्यूटीफुल बिल अब कानून बन जाएगा। रिपब्लिकन बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा ने गुरुवार को इसे मामूली अंतर से पास कर दिया। इसी के साथ प्रतिनिधि सभा ने कर कटौती को बढ़ाकर और सामाजिक सुरक्षा जाल कार्यक्रमों में कटौती करके राष्ट्रपति ट्रंप के घरेलू एजेंडे को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। इस बिल पर दोनों सदनों की मुहर को ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है।

अन्य अमेरिकी अखबारों की खबर के अनुसार, बिल का दोनों सदनों में पास होना ट्रंप और उनकी पार्टी के लिए भले ही तात्कालिक जीत है पर अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले इसे बड़ा राजनीतिक जुआ माना जा रहा है। कमजोर रिपब्लिकन सांसदों को निश्चित रूप से लाभ में कटौती करने वाले एजेंडे का समर्थन करने पर तीखे हमलों का सामना करना पड़ेगा।

बताया गया है कि दो रिपब्लिकन को छोड़कर सभी ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया और डेमोक्रेट ने समान रूप से विरोध किया। न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट प्रतिनिधि हकीम जेफ्रीज ने इस विधेयक को संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों की स्वास्थ्य देखभाल पर एक चौतरफा हमला बताया। जेफ्रीज ने प्रतिनिधि सभा के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर रिकार्ड बनाया। वह विधेयक पर आठ घंटे 46 मिनट तक बोले। जेफ्रीज ने तड़के 4:53 बजे बोलना शुरू किया और दोपहर 1:38 बजे शांत हुए।

दोनों सदनों से पारित बिग ब्यूटीफुल बिल के नाम से चर्चित इस विधेयक को हस्ताक्षर करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के पास भेज दिया गया। उनके हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह विधेयक कानून बन जाएगा। 218-214 मत के मामूली बहुमत से पारित यह विधेयक रिपब्लिकन राष्ट्रपति के लिए खास है। इस विधेयक में सीमा सुरक्षा, सेना और सामूहिक निर्वासन के लिए खर्च बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। यह मेडिकेयर में भारी कटौती करेगा और सरकार के ऋण में खरबों डॉलर जोड़ेगा। कराधान पर संयुक्त समिति ने अनुमान जताया है कि यह विधेयक 10 वर्ष में 36.2-ट्रिलियन डालर ऋण में 3.3 ट्रिलियन डालर और जोड़ देगा। राजस्व में 4.5 ट्रिलियन डॉलर की कमी करेगा और खर्च में 1.2 ट्रिलियन डालर की कटौती करेगा।

आर्थिक समीक्षकों का कहना है कि बेशक यह निकट अवधि में अमेरिकी सरकार के ऋण डिफॉल्टर बनने की आशंका को टालता है, लेकिन अमेरिका की दीर्घकालिक ऋण समस्याओं को और बदतर बनाएगा। यह स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में कटौती करने के साथ हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देने वाली दर्जनों योजनाओं पर पूर्णविराम लगा देगा। यूनाइटेड फूड एंड कमर्शियल वर्कर्स इंटरनेशनल यूनियन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मिल्टन जोन्स ने कहा कि यह निराशाजनक है। कांग्रेस ने इस नुकसानदायक, बदसूरत विधेयक को पारित कर दिया है। यह कामकाजी परिवारों की जरूरतों को नजरअंदाज करता है। यह ऐसी कटौतियां करता है जो न केवल क्रूर बल्कि आर्थिक रूप से लापरवाहीपूर्ण हैं।

स्वतंत्रता दिवस का सबसे बड़ा तोहफा: ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने इस बिल के दोनों सदनों से पास होने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि अब लाखों परिवारों को डेथ टैक्स से आजादी मिल गई।अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इस बिल से बेहतर तोहफा कोई दूसरा नहीं हो सकता। इस बिल के साथ 2024 में आयोवा के लोगों से किया गया मेरा हर बड़ा वादा पूरा हो गया।

शाम पांच बजे राष्ट्रपति करेंगे हस्ताक्षर: लेविट

विधेयक के पारित होने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने संवाददाताओं को बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार शाम पांच बजे इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। चार जुलाई को हस्ताक्षर समारोह ऐसे वक्त पर होगा, जब इस अवकाश के अवसर पर व्हाइट हाउस में पिकनिक का आयोजन किया जाएगा।

जेडी वेंस ने जताई खुशी, दी बधाई

विधेयक के पारित होने पर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने खुशी जताई और सभी को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, सभी को बधाई। कभी-कभी मुझे शक होता था कि 04 जुलाई तक हम इसे पूरा कर लेगें क्या।

बीजिंग: 13वें वर्ल्ड पीस फोरम में वैश्विक सुरक्षा पर गहन मंथन

बीजिंग, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

चीन की राजधानी बीजिंग में आयोजित 13वें वर्ल्ड पीस फोरम में 86 देशों और क्षेत्रों के 1,200 से अधिक विशेषज्ञ, नीति निर्माता और पूर्व राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। फोरम का इस बार का थीम वैश्विक शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाना: साझा जिम्मेदारी, लाभ और उपलब्धि है। फोरम का उद्घाटन करते हुए त्सिंगहुआ विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और वर्ल्ड पीस फोरम के चेयरमैन ली लुमिंग ने गुरुवार को कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में अस्थिरता और बढ़ते क्षेत्रीय संघर्षों के कारण विश्व शांति और विकास अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे समय में वैश्विक एकता और संवाद को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है।

फोरम के प्रमुख वक्ताओं में शामिल जापान के पूर्व प्रधानमंत्री युकियो हातोयामा ने कहा कि शांति हथियारों से नहीं, संवाद से हासिल की जा सकती है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जापान को अमेरिका से अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता मजबूत करते हुए चीन और कोरिया के साथ त्रिपक्षीय सहयोग बढ़ाना चाहिए।

हातोयामा ने ताइवान मुद्दे को चीन का आंतरिक मामला बताया और जापान से आग्रह किया कि वह ताइवान की स्वतंत्रता के समर्थन से स्पष्ट रूप से दूरी बनाए ताकि क्षेत्रीय तनाव को कम किया जा सके।

फोरम में कुल चार मुख्य सत्र और 18 पैनल चर्चाएं आयोजित होंगे, जिनमें अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, वैश्विक सुरक्षा संकट, ग्लोबल साउथ की भूमिका और महाशक्तियों के बीच समन्वय जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

यह फोरम 2012 से त्सिंगहुआ विश्वविद्यालय और चीनी जन विदेश मामलों की संस्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नीति विशेषज्ञों और वैश्विक थिंक टैंकों के लिए संवाद का एक प्रभावी मंच प्रदान करना है।

यूक्रेन के साथ संघर्ष जारी

यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष के दौरान ही मारे गये मेजर जनरल मिखाइल गुदकोव की तस्वीर के सामने फूल रखे हुए। ये तस्वीर एक प्रदर्शनी से ली गयी है। इसमें संघर्ष में मारे गये सैनिकों की तस्वीर रखी गयी हैं।

पाकिस्तान में चेक महिला पर्वतारोही नंगा पर्वत बेस कैंप के पास खड्ड में गिरी, मौत, शुरू होगा खोज अभियान

इस्लामाबाद, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

दुनिया के नौवें सबसे ऊंचे पर्वत नंगा की चढ़ाई के लिए पहुंचे चेक गणराज्य के एक पर्वतारोही की बेस कैंप के पास खड्ड में गिरने से मौत हो गई। यह हादसा गुरुवार को हुआ। दुनिया में किलर माउंटेन के नाम से कुख्यात नंगा पर्वत गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) में है। अधिकारियों के अनुसार, खोज अभियान शुरू हो सकता है।

खबर के अनुसार, जीबी मुख्यमंत्री के समन्वयक मोहम्मद कासिम ने बताया कि नंगा पर्वत बेस कैंप में गुरुवार सुबह लगभग चार बजे यह दुखद घटना घटी। इस घटना में चेक गणराज्य की पर्यटक कोलोचावा क्लारा की मौत हो गई। उन्होंने क्लारा की मौत का कारण ऑक्सीजन सिलेंडर विस्फोट बताया।

डायमर के अतिरिक्त उपायुक्त निजामुद्दीन कासिम के अनुसार, महिला पर्वतारोही कोलोचावा क्लारा कैंप वन और कैंप टू के बीच की ऊंचाई से गिरी। वह जिस स्थान पर वह गिरीं उसका पता लगाने के बाद शुक्रवार को खोज अभियान शुरू किया जा सकता है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि महिला पर्वतारोही के साथ गई टीम इस हादसे के बाद बेस कैंप लौट आई और क्लारा की मौत की सूचना वहीं से दी।

अतिरिक्त उपायुक्त निजामुद्दीन ने साफ किया कि प्रारंभिक सूचना में बताया गया था कि विदेशी महिला की मौत ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से हुई, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह एक खड्डु में गिर गई थीं, जो उनकी मौत का कारण बना। कासिम ने कहा कि वह 15 जून से अपनी टीम के साथ चिलास में रह रही थीं और 16 जून को बेस कैंप के लिए रवाना हुई थीं। सभी 17 जून को बोनर बेस कैंप पहुंचे। उन्होंने कहा कि क्लारा की खोज के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि नंगा पर्वत को किलर माउंटेन उपनाम तब मिला जब 1953 में 30 से अधिक पर्वतारोहियों की इस पर चढ़ने की कोशिश में मौत हो गई थी। नंगा पर्वत की चोटी से सिंधु नदी बिलकुल साफ दिखती है। सिंधु नदी नंगा पर्वत के उत्तरी भाग से घूमकर दक्षिण-पश्चिम में पाकिस्तान के बीच से गुजरती है।

थाईलैंड में दो दिनों में बदले दो प्रधानमंत्री: अब तीसरे फुमथम वेचायाचाई ने संभाली जिम्मेदारी

शिनावात्रा के बाद सूर्या भी हटे

बैंकॉक, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

थाईलैंड की राजनीति में पिछले दो दिनों से बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। देश को 48 घंटे के भीतर दूसरा कार्यवाहक प्रधानमंत्री मिला है। गुरुवार को गृह मंत्री फुमथम वेचायाचाई ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला। उन्होंने 24 घंटे के भीतर कार्यकाल समाप्त करने वाले सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट की जगह ली।

इससे पहले बुधवार को सूर्या को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था, जब थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को कोर्ट ने नैतिकता के उल्लंघन के मामले में पद से हटा दिया था।

शिनावात्रा पर आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन के साथ एक निजी फोन कॉल में थाई सेना प्रमुख की आलोचना की थी।

यह कॉल लीक होकर सार्वजनिक हो गई थी। कॉल में शिनावात्रा ने सेना प्रमुख को अपना विरोधी बताया और हुन सेन को चाचा कहकर संबोधित किया। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है, ऐसे में यह बयान राजनीतिक संकट का कारण बन गया।

इस ऑडियो के सार्वजनिक होने के बाद शिनावात्रा पर राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, सेना को कमजोर करने और मंत्री पद की नैतिकता के उल्लंघन के आरोप लगे। उनके खिलाफ विपक्षी दलों ने आंदोलन शुरू कर दिया और गठबंधन के कुछ सहयोगी दलों ने समर्थन वापस ले लिया। आखिरकार कोर्ट के निर्देश पर उन्हें 1 जून को पद से हटा दिया गया।

नए प्रधानमंत्री का चयन

शिनावात्रा की बर्खास्तगी के बाद कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट का कार्यकाल महज 24 घंटे चला। गुरुवार को थाई राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई और मंत्रिमंडल की पहली बैठक में फुमथम वेचायाचाई को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

फुमथम वेचायाचाई फिलहाल देश के गृह मंत्री हैं और सत्ताधारी पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। सरकार ने सोशल मीडिया पर उनके नियुक्त होने की आधिकारिक घोषणा की।

अब आगे क्या

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि थाईलैंड में जारी सत्ता संकट का यह अंत नहीं है। सेना, न्यायपालिका और राजनीति के बीच टकराव और गठबंधन सरकार की अस्थिरता अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि फुमथम कब तक इस जिम्मेदारी को संभाल पाते हैं, या देश को जल्द नए आम चुनाव की ओर बढ़ना पड़ेगा।

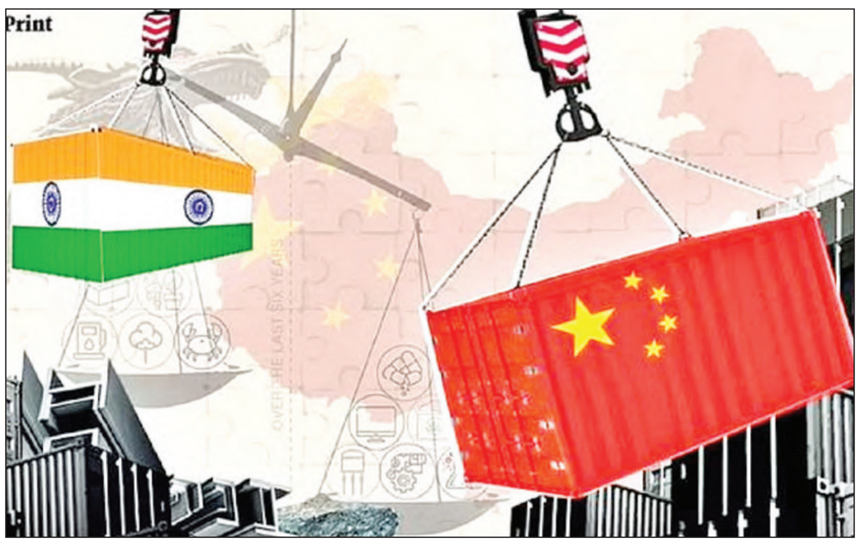

चीन से आयात पर निर्भरता घटाने केमिकल फंड की जरूरत: नीति आयोग

मुंबई, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

रसायन के क्षेत्र में भारत की आयात पर बहुत अधिक निर्भरता पर रोक लगाने के लिए नीति आयोग ने वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 8 प्रमुख बंदरगाह आधारित क्लस्टर बनाने, रसायन क्षेत्र में सहायता के लिए एक केमिकल फंड बनाने और विभिन्न सब्सिडी देने का सुझाव दिया है। भारत रसायनों का प्रमुख निर्यातक है, लेकिन भारी आयात पर भी निर्भर है। केंद्र के नीति से जुड़े थिंक टैंक के मुताबिक इसकी वजह से 2023 में इस सेक्टर में 31 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ है। इसमें यह भी कहा गया है कि भारत की केमिकल जीवीसी में मौजूदा हिस्सेदारी अभी 3.5 प्रतिशत है। भारत के करीब 34 प्रतिशत रसायनों का आयात चीन से होता है, जिसका कुल व्यापार घाटा 29 अरब डॉलर है। नीति आयोग ने कहा कि राजकोषीय और गैर-राजकोषीय हस्तक्षेपों की एक व्यापक श्रृंखला वाले लक्षित सुधारों से भारत को 1 लाख करोड़ डॉलर का रासायनिक क्षेत्र बनाने और 2040 तक जीवीसी में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने में मदद मिलेगी, जिससे वह एक वैश्विक रासायनिक महाशक्ति बन जाएगा। इसमें उम्मीद जताई गई है कि 2030 तक भारत का रसायन के क्षेत्र व्यापार घाटा शून्य हो जाएगा। नीति आयोग के मुख्य कार्याधिकारी और पूर्व वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि दुनिया की आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भारत इस समय आदर्श स्थिति में है।

जिंदल स्टील को ओडिशा में मिला रोइडा-1 लौह, मैंगनीज ब्लॉक के लिए खनन पट्टा

नई दिल्ली। जिंदल स्टील ने ओडिशा में रोइडा-1 लौह अयस्क एवं मैंगनीज ब्लॉक के लिए 50 साल का खनन पट्टा प्राप्त कर लिया है। जिंदल स्टील ने कहा कि कंपनी ने उक्त खनन पट्टे के अनुदान के लिए ओडिशा सरकार से आशय पत्र (एलओआई) हासिल कर लिया है। बयान के अनुसार 104.84 हेक्टेयर में फैला यह खनिज संसाधन जिंदल स्टील की कच्चे माल की सुरक्षा को बढ़ाता है। साथ ही भारत के खनिज समृद्ध पूर्वी गलियारे में एकीकृत और टिकाऊ इस्पात उत्पादन के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जिंदल स्टील के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह खनन पट्टा आत्मनिर्भर इस्पात उत्पादन के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है। रोइडा-द्ध ब्लॉक के साथ, हम अपने लौह अयस्क एवं मैंगनीज आपूर्ति आधार को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर रहे हैं, जो परिचालन स्थिरता, लागत दक्षता सुनिश्चित करेगा व हमारी विकास योजनाओं का समर्थन करेगा।

न्यूज ब्रीफ

हरित विनिर्माण और संसाधन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एल्युमीनियम विजन दस्तावेज जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को हैदराबाद में सतत एवं जिम्मेदार खनन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एल्युमीनियम विजन दस्तावेज जारी किया। इस दस्तावेज़ में 2047 तक एल्युमीनियम उत्पादन को छह गुना बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप की रूपरेखा दी गई है। मंत्री रेड्डी ने कहा कि एल्युमीनियम विज़न दस्तावेज़ एक आत्मनिर्भर और संसाधन-सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और आधुनिक बुनियादी ढांचे को सक्षम करने में एल्युमीनियम क्षेत्र की रणनीतिक भूमिका पर प्रकाश डाला। खान मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस दस्तावेज में एल्युमीनियम उत्पादन को छह गुना बढ़ाने, बॉक्साइट क्षमता को 150 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) तक बढ़ाने, रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने और हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए एक साहसिक रोडमैप की रूपरेखा दी गई है, जो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप है। मंत्रालय ने बताया कि यह दस्तावेज राष्ट्रीय एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को), हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, वेदांता लिमिटेड, जवाहरलाल नेहरू एल्युमीनियम अनुसंधान विकास और डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी) और एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई), एल्युमीनियम सेकेंडरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एएसएमए) और मेटल रिसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) जैसे प्रमुख संघों सहित उद्योग के हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया है।

भारत-अमेरिका के बीच मिनी ट्रेड डील की तैयारी कृषि क्षेत्र पर नहीं बनेगी सहमति

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई से पहले एक मिनी ट्रेड डील की घोषणा की जा सकती है। यह डील दोनों देशों के बीच प्रस्तावित 43 लाख करोड़ रुपए के द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डील को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है, हालांकि सभी शर्तों का खुलासा अभी संभव नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने अमेरिका को अपने कृषि क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका लंबे समय से भारत में जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के लिए बाजार की मांग कर रहा था, जिसे भारत ने ठुकरा दिया। भारत का तर्क है कि देश की 60 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है, इसलिए इस क्षेत्र को विदेशी हस्तक्षेप से सुरक्षित रखना जरूरी है। अमेरिका ने भी फिलहाल इस मुद्दे पर दबाव न डालने का फैसला किया है। दूसरी ओर, भारत ने अमेरिका से एनर्जी और डिफेंस उत्पादों की खरीद शुरू कर दी है ताकि व्यापार संतुलन बना रहे। साथ ही भारत सरकार ने अमेरिकी मोटरसाइकिल और व्हिस्की पर आयात शुल्क कम करने की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि इस मिनी डील के बाद आने वाले तीन वर्षों में भारत-अमेरिका व्यापार में वास्तविक बदलाव दिखने लगेंगे। यह समझौता दोनों देशों के लिए रणनीतिक दृष्टि से अहम है और इसके जरिए वैश्विक व्यापार में एक नया समीकरण बन सकता है ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 15 से अधिक प्रोडक्ट्स को मिलाकर नई कंपनी तैयार करेगी

मुंबई । मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने एफएमसीजी कारोबार को नए सिरे से संगठित

करने की तैयारी कर रही है। कंपनी अपने लोकप्रिय उपभोक्ता ब्रांड्स जैसे कैंपा कोला, इंडिपेंडेंस और अन्य 15 से अधिक प्रोडक्ट्स को मिलाकर एक नई इकाई - न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड (एनआरसीएल) बनाने पर विचार कर रही है। यह कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड से अलग होकर सीधे रिलायंस इंडस्ट्रीज के अंतर्गत काम करेगी, ठीक उसी तरह जैसे जियो संचालित होती है। न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड 8.5 लाख करोड़ से ज्यादा वैल्युएशन पर आईपीओ लाएगी इस कदम का उद्देश्य एफएमसीजी सेगमेंट पर विशेष ध्यान केंद्रित करना और उन निवेशकों को आकर्षित करना है।

सेबी का अमेरिकी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जेन स्ट्रीट के खिलाफ सख्त एक्शन, स्टॉक मार्केट में कारोबार पर लगी रोक

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने अमेरिकी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जेन स्ट्रीट और इससे जुड़ी एंटिटीज के भारतीय शेयर बाजार में एंट्री करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। सेबी के अंतरिम आदेश में कहा गया है कि वो जेन स्ट्रीट से 48.4 अरब रुपये यानी लगभग 570 मिलियन डॉलर की राशि जब्त करेगा। सेबी का कहना है कि ये राशि जेन स्ट्रीट ने अवैध रूप से अर्जित की गई की है। जेन स्ट्रीट को ये पैसा एक एस्क्रो एकाउंट में जमा करना होगा। मार्केट रेगुलेटर के फैसले से अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म को जबरदस्त झटका लगा है। जेन स्ट्रीट ने पिछले साल भारत में इक्विटी डेरिवेटिव्स से 2.30 अरब डॉलर से अधिक का नेट रेवेन्यू हासिल किया था।

सेबी के अंतिम आदेश में कहा गया है कि जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियों को भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में कारोबार करने से रोक दिया गया है और उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सिक्योरिटीज को खरीदने, बेचने या अन्य तरीके से लेनदेन करने से भी प्रतिबंधित किया गया है। सेबी के आदेश में बताया गया है कि बैंकों को भी ये सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियों द्वारा खोले गए खातों से भी सेबी की अनुमति के बिना कोई डेबिट ना किया जाए। मार्केट रेगुलेटर का ये आदेश जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियों द्वारा व्यक्तिगत या संयुक्त रूप से खोले गए सभी खातों के संबंध में जारी किया गया है।

बताया जा रहा है कि जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ मार्केट रेगुलेटर सेबी को कई शिकायतें मिली थी। इन शिकायतों में बताया गया था कि जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियों ने भारतीय स्टॉक मार्केट में हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग स्ट्रेटजी का इस्तेमाल करके करीब 4,843 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। आरोप है कि जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियों ने भारतीय स्टॉक मार्केट में गलत तरीके से मैनिपुलेटिव ट्रेडिंग स्ट्रेटजी अपनाई। सेबी के पास इस बात की भी शिकायत आई थी कि मार्केट में असामान्य तरीके से उतार चढ़ाव कराया जा रहा है। सेबी के सर्विलांस सिस्टम ने भी इस गड़बड़ी के संकेत दिए थे।

जेन स्ट्रीट ग्रुप भारत में अपनी तीन सब्सिडियरी जेन स्ट्रीट एशिया ट्रेडिंग लिमिटेड (जेएसएटीएल), जेन स्ट्रीट इंडिया ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (जेएसआईटीपीएल) और जेन स्ट्रीट एशिया एलएलसी (जेएसएएलएलसी) के जरिए कारोबार करता था। ये तीनों कंपनियां भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के रूप में रजिस्टर्ड हैं।

सेबी की जांच में पता चला था कि ये तीनों कंपनियां इंडियन स्टॉक मार्केट में मिलकर ट्रेडिंग पोजीशन लेती थीम और एल्गोरिदम बेस्ड स्ट्रेटजी का इस्तेमाल कर मार्केट को मैनिपुलेट करती थीं। ये तीनों कंपनियां निफ्टी और बैंक निफ्टी जैसे इंडेक्स डेरिवेटिव्स के फ्यूचर्स और ऑप्शंस में पोजीशन लेती थीं। इनमें एक कंपनी सेल पोजीशन (बिकवाल की भूमिका) लेती थीं तो दूसरी कंपनी बाय पोजीशन (लिवाल की भूमिका) लेती थीं। ये पोजीशन एक ही कॉन्ट्रैक्ट में एक ही प्राइस पर और एक ही समय में लिए जाते थे। इसका मतलब कीमतों को अपनी जरूरत के हिसाब से गिराना या चढ़ाना होता था।

सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि ट्रेडिंग की ये स्ट्रेटजी ज्यादातर वीकली और मंथली एक्सपायरी के दिन अपनायी जाती थी। इंडेक्स की क्लोजिंग प्राइस को घटाने या बढ़ाने के लिए ट्रेडिंग के आखिरी मिनट में जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियां बड़े ऑर्डर प्लेस करती थीं, जिससे इंडेक्स में अंतिम मिनट में होने वाले होने वाले उतार-चढ़ाव से प्रॉफिट पर काफी ज्यादा असर पड़ता था। आरोप है कि जेन स्ट्रीट ग्रुप की कंपनियों ने इस स्ट्रेटजी का पालन करके मार्केट को मैनिपुलेट किया और गलत तरीके से काफी लाभ अर्जित किया। आपको बता दें की मार्केट रेगुलेटर सेबी ने पिछले साल एक स्टडी जारी करके बताया था कि इंडेक्स डेरिवेटिव्स में विदेशी हेज फंड्स ने जम कर पैसे कमाए थे, जबकि इंडिविजुअल ट्रेडर्स को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। इस स्टडी में बताया गया था कि फ्यूचर एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग करने वाले इंडिविजुअल ट्रेडर्स में से 90 प्रतिशत को नुकसान का सामना करना पड़ा था। सिर्फ 2 साल की अवधि में ही इंडिविजुअल ट्रेडर्स को करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा था।

एनपीएस के तहत मिलने वाले कर लाभ नई एकीकृत पेंशन योजना में भी मिलेंगे

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत सभी कर लाभों को नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए भी लागू करने का फैसला लिया है। एनपीएस के तहत उपलब्ध सभी कर लाभ यूपीएस पर लागू होंगे। नई पेंशन योजना को आसान बनाने के लिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने इस वर्ष 19 मार्च को जरूरी नियम और विनियम जारी किये थे।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक अब नवीनतम निर्णय के साथ सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों को एनपीएस के तहत उपलब्ध समान कर राहत और प्रोत्साहन मिलेगा। इसमें योगदान पर कटौती और अन्य कर-बचत लाभ शामिल हैं, जो इस योजना को वित्तीय रूप से अधिक आकर्षक बनायेगा। यह निर्णय दोनों योजनाओं के बीच समानता लाएगा और पारंपरिक एनपीएस के बजाय यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों के लिए समान अवसर प्रदान करेगा। यूपीएस को कर ढांचे के अंतर्गत शामिल करना केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास है।

एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) भारत में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक पेंशन योजना है, जिसे राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के साथ एक विकल्प के रूप में पेश किया गया है। इस योजना का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति के पश्चात पूर्वानुमानित और सुरक्षित अधिक आय प्रदान करना है। इस योजना में एक सुनिश्चित पेंशन के लिए सरकार कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 18.5 फीसदी और कर्मचारी 10 फीसदी योगदान देता है। यह योजना नए कर्मचारियों के साथ साथ एनपीएस लेने वाले पुराने कर्मचारियो एनपीएस छोड़ कर यूपीएस का विकल्प अपनाने की छूट देती है।

एकीकृत पेंशन योजना को इस साल की शुरुआत में 1 अप्रैल से केंद्र सरकार की सिविल सेवाओं में शामिल होने वाले कर्मचारियों के लिए एनपीएस के तहत एक विकल्प के रूप में पेश किया गया था।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने जुटाए 126 करोड़

ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले 126 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स बेंगलुरु स्थित रियल एस्टेट कंपनी ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि उसने आईपीओ पूर्व निर्गम में 126 करोड़ रुपये जुटाए हैं।' ब्रिगेड होटल ने 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (360 वन) को 90 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.4 करोड़ शेयर जारी किए। यह लेनदेन कंपनी की पूर्व-प्रस्ताव शेयर पूंजी का 4.74 प्रतिशत है। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 900 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इससे मिली राशि में से कंपनी करीब 480 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने और 107 करोड़ रुपये जमीन के अधिग्रहण के लिए करेगी। बाकी राशि को अन्य कार्यों के लिए रखा जाएगा।

एसबीआई ने आरकॉम का लोन अकाउंट फ्रॉड घोषित किया, अनिल अंबानी ने फैसले को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के लोन खाते को फ्रॉड बता दिया है। यह फैसला हाल ही में बैंक की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन कमेटी की रिपोर्ट के बाद लिया गया। एसबीआई का आरोप है कि कंपनी ने लोन की राशि का दुरुपयोग किया और फंड को रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) और समूह की अन्य कंपनियों में डायवर्ट किया गया।

साथ ही कंपनी ने लोन की शर्तों का भी उल्लंघन किया। बैंक अब आरकॉम के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया में है, जिससे उनकी अन्य वित्तीय गतिविधियों पर प्रभाव पड़ सकता है। इस घटनाक्रम से टेलीकॉम सेक्टर में एक नई कंट्रोवर्सी शुरू हो गई है। वहीं अनिल अंबानी ने एसबीआई को पत्र लिखकर इस निर्णय पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक ने यह फैसला बिना किसी ठोस सबूत और उचित प्रक्रिया के लिया है। उनके अनुसार, उन्हें या कंपनी को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया, जो न्यायसंगत प्रक्रिया का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट, बॉम्बे हाईकोर्ट और आरबीआई के दिशा-निर्देशों की अनदेखी की है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में गिरावट का रुख

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है।

अच्छे जॉब डेटा आने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक एक प्रतिशत तक की बढ़त के साथ बंद हुए।

एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,279.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 207.97 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,601.10 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 109.28 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,719.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 8,823.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,754.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 144.02 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछल कर 23,934.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर कमजोरी नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,503.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत उछल कर 3,475.24 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,738.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत फिसल कर 4,009.29 अंक के स्तर तक गिर गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.38 प्रतिशत टूट कर 3,073.14 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 169.32 अंक यानी 0.70 प्रतिशत लुढ़क कर 23,900.62 अंक के स्तर पर नजर आ रहा है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 123.08 अंक यानी 0.54 प्रतिशत टूट कर 22,589.89 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,121.86 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,866.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बर्मिंघम टेस्ट के तीसरे दिन भारत 244 रन से आगे

इंग्लैंड 407 रन पर ऑलआउट, सिराज को 6 विकेट

बर्मिंघम, 04 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड को 407 रनों पर ऑलआउट कर दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने पहली पारी में 180 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बना लिए हैं। टीम की कुल बढ़त 244 रन हो चुकी है। केएल राहुल 28 और करुण नायर 7 रन पर नाबाद लौटे। यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर आउट हुए।

शक्रवार को इंग्लैंड ने 77/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। पहले सेशन में इंग्लिश टीम ने 84 रन के स्कोर पर जो रूट (22 रन) और बेन स्टोक्स (शून्य) के विकेट गंवा दिए थे। यहां से हैरी ब्रूक (158 रन) और जैमी स्मिथ (नाबाद 184 रन) ने छठे विकेट के लिए 303 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड की वापसी कराई।

ब्रूक के आउट होने के बाद इंग्लिश टीम को ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा। टीम ने आ-खिरी 5 विकेट 20 रन बनाने में गंवा दिए। मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट झटके, जबकि आकाश दीप ने 4 विकेट लिए। मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम पहली पारी में 587 रन पर ऑलआउट हो गई थी। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन बनाए थे।

भारत ने 8वें ओवर में पहला विकेट गंवा दिया है। यहां यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोश टंग ने एलबीडब्ल्यू किया। टंग ने ओपनर्स की फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की। भारतीय ओपनर्स ने टंग के इसी ओवर की दूसरी बॉल पर चौका लगाकर अर्धशतकीय साझेदारी की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बेतुका बोले...

देश की जनता को जवाब देने के बजाय राहुल गांधी विदेशी मंचों पर भारत की छवि खराब करने में व्यस्त रहे।

राहुल गांधी के बयानों ने पिछले एक साल में कांग्रेस को बार-बार अजीबोगरीब स्थिति में फंसाया है। उनके बयान न सिर्फ तथ्यहीन पाए गए, बल्कि देश के खिलाफ जहर उगलने वाले भी साबित हुए। सितंबर 2024 में अमेरिका में राहुल ने कहा कि भारत का मैनुफैक्चरिंग सेक्टर कमजोर है और मेक इन इंडिया बुरी तरह से हो चुका है। जबकि तथ्य यह है कि भारत का रक्षा निर्यात 19 लाख करोड़ से बढ़कर 75 लाख करोड़ रुपए हो गया है। 2024 में भारत ने 4.5 मिलियन गाड़ियों की बिक्री की, जो वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। राहुल का यह बयान झूठा था और भारत की प्रगति को कमतर दिखाने की साजिश था। राहुल ने यह भी दावा किया कि भारत में ऑटोमोबाइल सेक्टर ठप्प है। लेकिन हकीकत यह है कि 2024 में भारत में कारों की बिक्री 4.5 मिलियन यूनिट्स यानी 45 लाख से अधिक गाड़ियों की बिक्री की संख्या को पार कर गई। राहुल के इतने गैर जिम्मेदारी से भरे बयान ने उनकी आर्थिक समझ की भी पोल खोल कर रख दी।

राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा कि भारत में आरक्षण खत्म हो सकता है। इस बयान पर बसपा सुप्रीमो मायावती भड़क गईं और कांग्रेस पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाया। राहुल ने बाद में सफाई दी कि वो जातिगत जनगणना की बात कर रहे थे, लेकिन तब तक तो पार्टी का नुकसान हो चुका था। लोगों ने इसे दलित-विरोधी बयान करार दिया। सितंबर 2024 में अमेरिका में राहुल गांधी ने भारत के लोकतंत्र को सीरिया और इराक जैसे युद्धग्रस्त देशों से जोड़ा। यह बयान देशद्रोह की श्रेणी में आता है कि नहीं? कोई सामान्य नागरिक ऐसी बात बोले तो क्या उसे छोड़ दिया जाएगा? लोग पूछते हैं कि क्या कोई जिम्मेदार नेता अपने देश की तुलना ऐसे देशों से करेगा?

अमेरिका में ही राहुल ने सिखों के अधिकारों पर बयान दिया, जिसे सिख संगठनों ने अपमानजनक माना। इस बयान ने पंजाब में कांग्रेस की स्थिति को और कमजोर कर दिया। मई 2025 में राहुल गांधी ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो चुकी है। यह बयान राहुल गांधी की अंतरराष्ट्रीय मामलों में अज्ञानता और कूटनीतिक नासमझी को उजागर करने वाला साबित हुआ। बोस्टन में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनावों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। महाराष्ट्र चुनाव में हारने की खीझ राहुल गांधी बोस्टन में उतार रहे थे। चुनाव आयोग ने उनके दावों को तथ्य और आंकड़े प्रस्तुत कर खारिज कर दिया।2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भी राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा था कि भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है। दरअसल, इन चुनावों में 10 साल बाद कांग्रेस को लोकसभा चुनावों में विपक्ष के नेता का पद हासिल हो पाया था, क्योंकि वह 99 सीटों पर पहुंची थी। ऐसे में राहुल पर यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या 2014 और 2019 में देश में जो चुनाव हुए, उसमें देश की जनता ने वोट नहीं डाला था? इन बयानों से साफ है कि राहुल गांधी न तो तथ्यों की परवाह करते हैं, न ही देश की छवि की। उनके बयान कांग्रेस को बार-बार मुश्किल में डालते हैं और विपक्ष की एकता को कमजोर करते हैं। विदेशी मंचों पर भारत को बदनाम करने की उनकी आदत ने कांग्रेस की बची खुची साख को तार-तार कर दिया है।राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पिछले एक साल में कई महत्वपूर्ण चुनावों में करारी हार झेली। दिल्ली, हरियाणा, और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन इतना खराब रहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट गया। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी। राहुल गांधी ने कई रैलियां कीं, लेकिन उनकी सिखों और आरक्षण पर टिप्पणियों ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया। भाजपा ने 48 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस 37 पर सिमट गई। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने हरियाणा की 12 विधानसभाओं को कवर किया था, लेकिन इनमें से सिर्फ 4 पर जीत मिली।

2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव कांग्रेस इंडी गठबंधन का हिस्सा थी, लेकिन राहुल की अगुवाई में गठबंधन बुरी तरह हारा। भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने 230 से अधिक सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 40 से भी कम सीटें मिलीं। राहुल की रणनीति और बयानबाजी ने गठबंधन को कमजोर किया। उनकी अनुपस्थिति और विवादित बयानों ने कार्यकर्ताओं का जोश ठंडा कर दिया। इस हार को स्वीकार करने के बजाय राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर अनर्गल आरोप लगा कर अपना नाबालिगपन फिर से जगजाहिर किया। दिल्ली में कांग्रेस का प्रदर्शन एमसीडी चुनावों में भी निराशाजनक रहा। 2022 में ही पार्टी का सबसे खराब प्रदर्शन दर्ज हुआ था और 2024 में भी स्थिति नहीं सुधरी। राहुल की अनुपस्थिति और कमजोर नेतृत्व ने कांग्रेस को आम आदमी पार्टी और भाजपा के सामने बौना बना दिया। दिल्ली में कांग्रेस का संगठन पूरी तरह बिखर चुका है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 2023 के चुनावों में कांग्रेस की हार से भी राहुल गांधी नेतृत्व और उनकी रणनीति पर सवाल उठा चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी की संसद में उपस्थिति इतनी कम रही कि ये किसी मजाक से कम नहीं। जब देश के गंभीर मुद्दों पर चर्चा हो रही थी, राहुल गांधी या तो विदेश में थे या संसद से गायब। यही नहीं, संसद में राहुल गांधी ने सिर्फ 8 बहसों में हिस्सा लिया, जबकि राष्ट्रीय औसत 15 बहसों का है। वहीं, एक भी प्राइवेट मेंबर बिल तक नहीं ला सके। इसके अलावा सवाल पूछने के मामले में भी राहुल गांधी औसत से बहुत पीछे रहे। संसद के मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र में राहुल की उपस्थिति 50 प्रतिशत से भी कम रही। रक्षा, विदेश नीति, और आर्थिक मुद्दों पर बहस के दौरान राहुल गांधी संसद से अक्सर गायब रहे। जब वो आए, तो उनके बयान तथ्यहीन और विवादित ही रहे। यहां तक कि राहुल गांधी ने उपराष्ट्रपति की नकल उतारते हुए टीएमसी सांसद की भौंडी हरकतों का वीडियो बना कर उसे सोशल मीडिया पर साझा करने की ओछी हरकत की। इस हरकत ने राहुल गांधी को देश के सामने मजाकिया बना कर रख दिया।

ढोल-मंजीरे...

त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड दिए जाएंगे। हम सिर्फ खून या उपनाम से नहीं जुड़े हैं। अपनेपन से जुड़े हैं। भारत आपका स्वागत करता है और आपको गले लगाता है। उन्होंने कहा, मैं आप सभी को व्यक्तिगत रूप से भारत आने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, न कि केवल सोशल मीडिया के माध्यम से वर्चुअल रूप से। आप अपने पूर्वजों के गांवों का दौरा करें। जिस मिट्टी पर वे चले थे, उस पर चलें। अपने बच्चों और पड़ोसियों को साथ लाएं। किसी को भी साथ लाएं जो चाय और एक अच्छी कहानी का आनंद लेना पसंद करता हो। हम आप सभी का खुले दिल, गर्मजोशी और जलेबी के साथ स्वागत करेंगे।

पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो को भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) सिस्टम को अपनाने वाले क्षेत्र के पहले देश बनने के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं त्रिनिदाद और टोबैगो को यूपीआई अपनाने वाले क्षेत्र के पहले देश बनने के लिए बधाई देता हूं। अब पैसे भेजना गुड मॉर्निंग टेक्स्ट मैसेज भेजने जितना आसान होगा। मैं वादा करता हूं कि यह वेस्टइंडीज की गेंदबाजी से भी तेज होगा।

भारत के तेजी से विकास पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। लाखों लोगों को गरीबी से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। जल्द ही हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि और प्रगति का लाभ सबसे जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है। भारत ने साबित कर दिया है कि हम गरीबों को सशक्त बनाकर गरीबी को हरा सकते हैं। विश्व बैंक ने उल्लेख किया है कि भारत ने पिछले दशक में 250 मिलियन से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से ऊपर उठाया है। भारत की वृद्धि हमारे नवोन्मेषी और ऊर्जावान युवाओं द्वारा संचालित की जा रहीपीएम मोदी ने कहा, मुझे यकीन है कि आप में से हर कोई भारत के विकास पर गर्व महसूस करता है। नए भारत के लिए, आकाश भी सीमा नहीं है। जब भारत का चंद्रयान-3 चंद्रमा पर उतरा था, तो आप सभी ने खुशी मनाई होगी। हमने उस स्थान का नाम शिव शक्ति बिंदु रखा है। हम बात करते समय एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सवार है। हम अब एक मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन, गगनयान पर काम कर रहे हैं। जल्द ही, एक भारतीय चांद पर चलेगा, और भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। हम सिर्फ तारे नहीं गिनते, हम आदित्य मिशन जैसे मिशन के ज़रिए उन तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। चांद हमसे दूर नहीं है। अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियां केवल हमारी नहीं हैं, हम इसके फल बाकी दुनिया के साथ साझा कर रहे हैं।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो में कुल 13 लाख लोग रहते हैं। इनमें से 45 फीसदी लोग भारतीय मूल के हैं। भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच संबंध बहुत मजबूत और खास हैं। यहां रहने वाले 45 प्रतिशत लोगों में से ज्यादातर बिहार और उत्तर प्रदेश से आए लोग हैं। इनमें से अधिकांश लोग भोजपुरी भाषी जिलों जैसे छपरा, आरा, बलिया, सीवान, गोपालगंज, बनारस, आजमगढ़ से आए हैं। पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के बिहार से पारिवारिक संबंध का भी जिक्र किया। पीएम कमला के पूर्वज बिहार के बक्सर में रहते थे। पीएम मोदी ने कहा, भारत के लोग प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर को बिहार की बेटी मानते हैं। पीएम मोदी ने उन्हें राम मंदिर का प्रतिरूप, सरयू नदी का पवित्र जल और महाकुंभ का जल भेंट किया। कमला प्रसाद-बिसेसर ने खुशी-खुशी इसे गंगा धारा में अर्पित किया।

त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं प्रभु श्री राम में आपकी गहरी आस्था से अवगत हूं। यहां की रामलीलाएं वास्तव में अनूठी हैं। रामचरितमानस में कहा गया है कि प्रभु श्री राम की पवित्र नगरी इतनी सुंदर है कि इसकी महिमा का गुणगान दुनिया भर में होता है। मुझे यकीन है कि आप सभी ने 500 साल बाद रामलला की अयोध्या वापसी का स्वागत किया होगा। आपने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए पवित्र जल और शिला भेजी थी। मैं भी इसी तरह की भक्ति भावना के साथ यहां कुछ लाया हूं। राम मंदिर की प्रतिकृति और पवित्र सरयू से जल लाना मेरे लिए सम्मान की बात है।

पीएम मोदी ने अपने भाषण में क्रिकेट का भी जिक्र किया। उन्होंने ब्रायन लारा, सुनील नारायण और निकोलस पूरन जैसे वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को याद किया। यह दिखाता है कि भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच खेल से गहरा संबंध है। पीएम मोदी ने भारत को जानो क्विज के विजेताओं- शंकर रामजतन, निकोलस मराज और विंस महतो से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह क्विज प्रवासी युवाओं को भारत से जोड़ता है। इस क्विज ने दुनिया भर में व्यापक भागीदारी उत्पन्न की है और भारत के साथ हमारे प्रवासी समुदाय के जुड़ाव को गहरा किया है। भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने 25 साल पहले त्रिनिदाद और टोबैगो की अपनी पिछली यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि जब मैं पिछली बार 25 साल पहले आया था तब से लेकर अब तक, हमारी दोस्ती और भी मजबूत हुई है। बनारस, पटना, कोलकाता और दिल्ली भले ही भारत के शहर हों, लेकिन से भी उनका नाता है। यहां कई सड़कों के नाम भारत के शहरों के नाम पर रखे गए हैं। यहां नवरात्र, महाशिवरात्रि और जन्माष्टमी बड़े हर्ष, उल्लास और गर्व के साथ मनाई जाती है। चौताल और भाईतक गण यहां आज भी फल-फूल रहे हैं। मैं यहां कई जाने-पहचाने चेहरों की गर्मजोशी देख सकता हूं। मैं युवा पीढ़ी की चमकीली आंखों में जिज्ञासा देख सकता हूं, जो जानने और साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं। हमारे रिश्ते भूगोल और पीढ़ियों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं।त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय की यात्रा साहस से भरी है। आपके पूर्वजों ने जिन परिस्थितियों का सामना किया, वे सबसे मजबूत आत्माओं को भी तोड़ सकती थीं। लेकिन उन्होंने उम्मीद के साथ कठिनाइयों का सामना किया। उन्होंने समस्याओं का दृढ़ता के साथ सामना किया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों को देश का गौरव बताते हुए कहा कि जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, आप में से प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्रदूत है, भारत के मूल्यों, संस्कृति और विरासत का राजदूत है।त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में मोदी द्वारा रचित कविता सुनाई और लोगों को भावुक कर दिया। पीएम कमला ने इस कविता के जरिए भारत और कैरेबियाई देश के बीच स्थायी रिश्ते को दर्शाया। उन्होंने पीएम मोदी के भारतीय प्रवासियों के साथ गहरे भावनात्मक संबंधों को भी रेखांकित किया। अपने संबोधन में उन्होंने पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी के दौरे को गहरा सम्मान और साझा इतिहास का क्षण बताया। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति का सौभाग्य प्राप्त है, जो हमारे लिए बहुत प्रिय है। यह दौरा सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे विश्व के सबसे सम्मानित और दूरदर्शी नेताओं में से एक भारत के प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने का विशेष सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी, आप एक परिवर्तनकारी शक्ति हैं, जिन्होंने भारत के शासन को बेहतर बनाया और अपने देश को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। आपके दूरदर्शी और भविष्यवादी पहलों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाया, एक अरब से अधिक नागरिकों को सशक्त किया। सबसे बढ़कर आपने विश्व भर के भारतीयों के दिलों में गर्व की भावना जगाई।उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व और भारत की वैश्विक वैक्सीन मैत्री पहल का भी जिक्र किया। यह प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का त्रिनिदाद एंड टोबैगो का पहला दौरा है और 1999 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का इस कैरेबियाई देश का पहला द्विपक्षीय दौरा है।

इस बार...

वनथी 1993 में भाजपा में शामिल हुई और वह तमिलनाडु भाजपा संगठन में सचिव, महासचिव और पार्टी उपाध्यक्ष भी रही हैं। 2020 में भाजपा ने उन्हें महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और 2022 में वह भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य बनीं।इसके अलावा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, प्रहलाद जोशी का नाम भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चर्चा में है। भूपेंद्र यादव को संगठन के मामलों का काफी अनुभव है और वह भारत की राजनीति में ताकतवर ओबीसी समुदाय से आते हैं। यादव ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कई राज्यों में भाजपा के लिए चुनावी रणनीति बनाने का काम किया है। ऐसे में उनका दावा भी इस पद के लिए मजबूत माना जा रहा है। इन तमाम चर्चाओं के बीच, जेपी नड्डा ने 28 जून को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले और संघ के अन्य प्रमुख नेताओं के साथ बंद कमरे में एक अहम बैठक की। यह बैठक संघ के दिल्ली कार्यालय में हुई और माना जा रहा है कि इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई है।

इस बात को लेकर भी आम सहमति बनाई गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए तय किए गए नाम को लेकर अंतिम फैसला लेंगे। आरएसएस का स्टैंड है कि दूसरे दलों से आए नेताओं के बजाय पार्टी को अपने नेताओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। संघ राज्यों में ऐसे नेताओं पर जोर दे रहा है जिनकी वैचारिक समझ काफी मजबूत हो।यह लगभग तय है कि अगले दो हफ्ते में भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। पार्टी 2029 के लोकसभा चुनाव और इससे पहले तमाम राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ ही जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को देखते हुए ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन करेगी। इस बात की भी चर्चा है कि संगठन में कुछ फेरबदल होने के साथ ही कैबिनेट में भी फेरबदल हो सकते हैं।

आईफोन बनाने ...

चीन ने अपने कर्मचारी फॉक्सकॉन के कर्नाटक और तमिलनाडु में स्थित प्लांट से वापस बुलाए हैं। बताया गया है कि यह कर्मचारी कुछ तकनीकों के विशेषज्ञ के तौर पर काम करते थे। चीन के अपने नागरिकों के भारतीय फैक्ट्रियों में काम न करने देने की रिपोर्ट्स पहले भी आई थी। तब बताया गया था कि वह चीन से भारत के लिए कर्मचारियों को जाने ही नहीं दे रहा है। हालांकि, अब स्पष्ट हो गया है कि वह भारत में काम करने वाले कर्मचारी भी वापस बुला रहा है।चीन का यह फैसला भारत में एप्पल के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। दरअसल, भारत में कुछ ही साल पहले एप्पल ने अपने फोन बनाना चालू किया है और यहां इसके विशेषज्ञ टेक्नीशियन और इंजीनियर कम हैं। कुछ तकनीकों में तो यह तो ना के बराबर हैं। ऐसे में चीन से फॉक्सकॉन इंजीनियर और टेक्नीशियन भारत लाती है। चीन में लम्बे समय से आईफोन और बाकी एप्पल उत्पादों का निर्माण हो रहा है, ऐसे में वहां कुशल इंजीनियर और टेक्नीशियन ज्यादा हैं। अब वह इन्हें वापस बुला कर यहां की फैक्ट्रियों का काम प्रभावित करना चाहता है।चीन के इस फैसले का कितना असर भारत में फॉक्सकॉन की निर्माण क्षमता पर होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, विशेषज्ञों के न होने के चलते उसे कुछ फर्क जरूर पड़ेगा। कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इन फैक्ट्रियों में अभी ताईवान के इंजीनियर और टेक्नीशियन काम कर रहे हैं। यह भी स्मार्टफोन निर्माण विषय में ही एक्सपर्ट हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, यह भी बताया गया है कि फॉक्सकॉन ने इस फैसले के विषय में भारत सरकार को सूचित कर दिया है। रिपोर्ट बताती है कि चीन के इस फैसले के चलते आईफोन 17 के भारत में निर्माण पर कुछ दिक्कतें आ सकती हैं लेकिन बाकी कोई विशेष समस्या नहीं होने वाली है।भारत में स्मार्टफोन मैनुफैक्चरिंग और विशेष कर आईफोन के बढ़ते निर्माण पर चीन चिंतित है। अभी तक इस इंडस्ट्री पर चीन एकक्षत्र राज करता आया है। लेकिन मोदी सरकार के प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम लाने के बाद भारत में स्मार्टफोन निर्माण ने तूफानी तेजी पकड़ी है। एप्पल ने भारत में 2017 में अपने फोन बनाना चालू किया था। उसके लिए फॉक्सकॉन कम्पनी यह काम करती है। लेकिन 2020 के बाद जब चीन पर निर्भर रहने के खतरे सामने आए तो इन कम्पनियों ने तेजी से भारत में अपनी क्षमताएं बढ़ाना चालू कर दिया।

वर्तमान में एप्पल के लगभग 25 प्रतिशत आईफोन का निर्माण भारत में होता है। भारत में एप्पल के फ़ोनों का उत्पादन भारत के लिए विदेशी मुद्रा भी ला रहा है। वर्ष 2024-25 में एप्पल ने भारत से 1.48 लाख करोड़ से अधिक के स्मार्टफोन निर्यात किए हैं। यह भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात का लगभग 75 प्रतिशत है। इस सबके चलते भारत में आईफोन का निर्माण चीन के लिए बड़ी समस्या के तौर पर उभरा है। इस क्षेत्र में उसे अब भारत से कांटे की टक्कर मिल रही है। इसलिए वह इंजीनियर और टेक्नीशियन वापस बुला कर इस गति को रोकना चाहता है।चीन ने इंजीनियर और टेक्नीशियन अब वापस बुलाए है लेकिन वह इससे पहले भी इस यात्रा में ब्रेक लगाने का प्रयास कर चुका है। कुछ रिपोर्ट्स में यह सामने आया कि चीन स्मार्टफोन बनाने के लिए आवश्यक कई पार्ट्स की सप्लाई भी रोक रहा है। यह पार्ट इन आईफोन के निर्माण के लिए आवश्यक थे।चीन के भारत की तरक्की में अड़ंगा लगाने की यह हरकत नई नहीं है और न ही स्मार्टफोन के निर्माण तक सीमित है। कुछ ही दिनों पहले उसने बिना कोई आधिकारिक प्रतिबन्ध लगाए ही विशेष काम में उपयोग होने वाले उर्वरकों की आपूर्ति रोक दी थी। चीन भारत छोड़ कर बाकी देशों को ख़ुशी-ख़ुशी यह उर्वरक भेज रहा है। इसके अलावा उसने अहमदाबाद-मुम्बई बुलेट रेल प्रोजेक्ट में उपयोग होने वाली 3 टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का भारत को आयात रोक दिया है। टनल बोरिंग मशीन, जमीन के नीचे सुरंग बनाने के लिए काम में लाई जाती हैं। चीन ने वर्तमान में भारत को आने वाली 3 ऐसी टीबीएम रोक रखी हैं। यह तीनों मशीनें जर्मनी की एक कम्पनी ने बनाई हैं। यह कम्पनी इन्हें चीन के गुआंगझाऊ में बनाती है। इनकी आवश्यकता मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स बनाने में है। चीन के पास पृथ्वी के दुर्लभ चुंबकीय तत्वों (रेयर अर्थ मैग्नेट्स) का भी भंडार है। अमेरिका के साथ टैरिफ वार के बाद चीन ने इन दुर्लभ तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत में स्थापित ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और अन्य उपकरण निर्माण से जुड़े उद्योगों को इस प्रतिबंध के चलते आपूर्ति बाधित हो गई थी।

अयोध्या में बनेगा...

एनएसजी हब में जवानों को विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की भी सुविधा होगी।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। अति विशिष्ट अतिथियों की आवाजाही भी बढ़ी है। अयोध्या में किसी आतंकी घटना की साजिश को देखते हुए जांच व सुरक्षा एजेंसियां लगातार सतर्कता बरतती हैं। देशभर में संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। अयोध्या इस क्रम में सबसे अधिक चर्चा में आ गया है। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के बाद से लगातार यहां की सुरक्षा पर सवाल उठते रहे हैं। राम मंदिर की सुरक्षा को पुख्ता किया गया है। केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। दरअसल, 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से श्रद्धालुओं की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। हर रोज डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु यहां दर्शन कर रहे हैं। ऐसे में यहां की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाए जाने पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से अयोध्या में एनएसजी का हब बनाने की योजना तैयार की गई है। एनएसजी हब में ब्लैक कैट कमांडो की ट्रेनिंग और तैनाती होगी।

यूपी सरकार द्वारा औपचारिक सहमति के पहले ही केंद्र सरकार ने अयोध्या में एनएसजी हब बनाने का निर्णय लिया था। अयोध्या में राम भक्तों की सुरक्षा और आतंकी हमलों जैसी स्थिति से निपटने के लिए विशेष रूप से इस योजना पर काम किया जा रहा है। इस योजना के तहत अयोध्या में एनएसजी का इंटीग्रेटेड हब बनाया जाएगा। अयोध्या की सुरक्षा अभी पीएसी से अलग कर एसएसएफ को दिया गया है। इन कमांडो को एनएसजी की ओर से ही ट्रेनिंग दी गई है। स्पेशल फोर्स के 200 कमांडो अयोध्या में अभी सुरक्षा दे रहे हैं।

भारत का लाइव...

दौरान हम एक सीमा पर दो विरोधियों या असल में तीन से जंग लड़ रहे थे। पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था और चीन उसे हर संभव सहायता प्रदान कर रहा था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास 81% सैन्य हार्डवेयर चीनी है। इस अभियान में चीन ने एक तरह से अपने हथियारों का परीक्षण अन्य हथियारों के खिलाफ किया। पाकिस्तान एक तरह से उनके लिए एक प्रयोगशाला की तरह उपलब्ध था। तुर्की ने भी इस प्रकार की सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उप सेना प्रमुख ने एक मजबूत वायु रक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर पाकिस्तान हम पर हमला करता है तो वह आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बना सकता है। इस बार पूरे ऑपरेशन के दौरान एयर डिफेंस और उसका संचालन बेहतरीन था, लेकिन इस बार हमने आबादी वाले क्षेत्रों में एयर डिफेंस पर ठीक से ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन भविष्य में हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।

फिक्की द्वारा आयोजित न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज कार्यक्रम में बोलते हुए लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के परिणामों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इससे हमें कुछ सबक मिले हैं। पड़ोसी मुल्क में टारगेट की योजना और उनका चयन बहुत सारे डेटा पर आधारित था। यह प्रौद्योगिकी और मानव खुफिया जानकारी का उपयोग करके एकत्र किया गया था। हमने पाकिस्तान में कुल 21 टारगेट तय किए थे, जिनको निशाना बनाना था। फिर सेना की कार्रवाई से ठीक पहले आखिरी घंटे में यह तय किया गया कि 21 में से किन नौ ठिकानों को निशाना बनाना है। उसके बाद एक सुविचारित निर्णय लिया गया कि दुनिया को सही संदेश भेजने के लिए तीनों सेनाओं का यह दृष्टिकोण होना चाहिए कि हम वास्तव में एक एकीकृत बल हैं।इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम को रणनीतिक कदम करार दिया। कहा कि जब हम किसी सैन्य लक्ष्य पर पहुंचते हैं, तो हमें इसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन इसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है।

ऐसे में मैं कहूंगा कि यह एक बहुत ही शानदार चाल थी, जो संघर्ष विराम को रोकने के लिए पाकिस्तान ने चली। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अहसास हो गया था कि अगर संघर्ष जारी रहा तो भारत का पंच तैयार है और वह और बुरी स्थिति में पहुंच सकता है इसलिए उन्होंने संघर्षविराम की मांग की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिए देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी पड़ोसी समेत सभी को साफ रणनीतिक संदेश दिया कि अब पहले की तरह आतंकवादी कृत्यों को सहन नहीं किया जाएगा।

देवशयनी एकादशी से चार माह नहीं होंगे मांगलिक कार्य

हिंदू कैलेंडर के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्लपक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार इस दिन से चार माह तक भगवान विष्णु योग निंद्रा में रहते हैं। कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान विष्णु की योग निंद्रा पूर्ण होती है। इस एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। देवशयनी एकादशी इस साल जुलाई में है। इस एकादशी से विष्णु भगवान शयन को चले जाएंगे और चार महीने बाद देव उठनी एकादशी के दिन जागेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल देवशयनी एकादशी 6 जुलाई को पड़ेगी। इसलिए मांगलिक कार्य 6 जुलाई तक ही किए जाएंगे। इसके बाद मांगलिक कार्य जैसे यज्ञोपवीत संस्कार, विवाह, दीक्षाग्रहण, यज्ञ, गृहप्रवेश नहीं किए जाते हैं। इन चार महीनों को चातुर्मास कहते हैं। इनमें कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि चातुर्मास आरंभ होते ही भगवान विष्णु धरती का कार्य भगवान शिव को सौंपकर खुद विश्राम के लिए चले जाते हैं। इसीलिए इस दौरान शिव आराधना का भी बहुत महत्व है। सावन का महीना भी चातुर्मास में ही आता है। इसलिए इस महीने में शिव की अराधना शुभ फल देती है।

देवशयनी एकादशी इस बार 6 जुलाई को पड़ रही है। इसी दिन से चातुर्मास भी शुरू हो जाता है। इसलिए अब 6 जुलाई से करीब 4 महीनों तक मांगलिक काम नहीं होंगे। चातुर्मास के दौरान पूजा-पाठ, कथा, अनुष्ठान से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। चातुर्मास में भजन, कीर्तन, सत्संग, कथा, भागवत के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। भगवान विष्णु के विश्राम करने से सभी तरह के मांगलिक कार्य रुक जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास भी कहा जाता है।

भगवान श्री नारायण की प्रिय हरिशयनी एकादशी या फिर कहें देवशयनी एकादशी से सभी मांगलिक कार्य जैसे शादी-विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत आदि पर अगले चार मास के लिए विराम लग जाएगा। इसी दिन से सन्यासी लोगों का चातुर्मास्य व्रत आरम्भ हो जाता है। धार्मिक दृष्टि से ये चार महीने भगवान विष्णु के निद्राकाल माने जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार इस दौरान सूर्य व चंद्र का तेज पृथ्वी पर कम पहुंचता है, जल की मात्रा अधिक हो जाती है, वातावरण में अनेक जीव-जंतु उत्पन्न हो जाते हैं, जो अनेक रोगों का कारण बनते हैं। इसलिए साधु-संत, तपस्वी इस काल में एक ही स्थान पर रहकर तप, साधना, स्वाध्याय व प्रवचन आदि करते हैं।

देवशयनी एकादशी

वैदिक पंचांग के अनुसार, देवशयनी एकादशी आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाएगी। इस साल यह पर्व रविवार 6 जुलाई 2025 को होगा। एकादशी तिथि 5 जुलाई को शाम 6:58 बजे शुरू होगी और 6 जुलाई को रात 9:14 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार 6 जुलाई को ही यह व्रत रखा जाएगा और चातुर्मास की शुरुआत होगी, जो 1 नवंबर तक चलेगा।

शुभ योग

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर साध्य योग का संयोग रात 09:27 मिनट तक है। इसके बाद शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सभी प्रकार के शुभ कामों में सफलता मिलेगी। इसके साथ ही त्रिपुष्कर योग और रवि योग का भी संयोग बन रहा है।

भगवान शिव करेंगे सृष्टि का संचालन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु के विश्राम करने से सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं। इस दौरान सभी तरह के धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, बस विवाह समेत अन्य मांगलिक कार्य नहीं होते हैं। इस दौरान भगवान का अधिक से अधिक ध्यान करना चाहिए।

चातुर्मास में इन पर्वों की रहती है धूम

चातुर्मास में सबसे पहले सावन का महीना आता है। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। इस माह में भगवान शिव की अराधना करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसके बाद गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक भगवान गणेश की विशेष पूजा- अर्चना की जाती है। इसके बाद भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

4 महीने नहीं बजेगी शहनाई

चतुर्मास का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार चतुर्मास आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी से शुरू होकर कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि तक रहता है। साल 2025 में चतुर्मास 6 जुलाई से शुरू होगा। इस दिन देवशयनी एकादशी भी है। 1 नवंबर को देवोत्थान एकादशी है। कहा जाता है कि इस दिन से भगवान विष्णु विश्राम काल पूरा करने के बाद क्षीर सागर से निकल कर सृष्टि का संचालन करते हैं।

देवशयनी और देवउठनी एकादशी

इस साल 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी और 1 नवंबर को देव उठनी एकादशी रहेगी। । इन दिनों में भगवान विष्णु योग निद्रा में रहेंगे। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस अवधि में सृष्टि को संभालने और कामकाज संचालन का जिम्मा भगवान भोलेनाथ के पास रहेगा। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान किए जा सकेंगे पर विवाह समेत मांगलिक काम नहीं होंगे।

भगवान विष्णु और शिव पूजा

चातुर्मास में पूजा और ध्यान करने का विशेष महत्व है। देवशयनी एकादशी से देवप्रबोधनी एकादशी तक भगवान विष्णु विश्राम करेंगे। इस दौरान शिवजी सृष्टि का संचालन करेंगे। इन दिनों में शिवजी और विष्णुजी की पूजा करनी चाहिए। चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु और शिवजी का अभिषेक करना चाहिए। विष्णुजी को तुलसी तो शिवजी को बिल्वपत्र चढ़ाने चाहिए। साथ ही ऊँ विष्णवे नम: और ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। इन दिनों में भागवत कथा सुनने का विशेष महत्व है। साथ ही जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान करना चाहिए।

मूलांक 9 वाले यदि कर लें इन लोगों से शादी, तो सवर जाएगा जीवन

वैदिक ज्योतिष के अनुसार किसी भी व्यक्ति का मूलांक उसकी जन्मतिथि के आधार पर तय होता है। अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी भी माह की 9, 18 या 27 तारीख को हुआ है, तो उसका मूलांक 9 माना जाता है। इस अंक का स्वामी ग्रह मंगल होता है, जो ऊर्जा, साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है।

मूलांक 9 के लोग स्वभाव से बहुत भावुक, जोशीले, तेजस्वी और स्वतंत्र विचारों वाले होते हैं। ये लोग अपने विचारों को लेकर स्पष्ट होते हैं और जो बात दिल में होती है, वही जुबान पर भी रखते हैं। हालांकि गुस्सा इनका एक कमजोर पक्ष भी हो सकता है। ऐसे में इनके लिए एक ऐसा जीवनसाथी जरूरी होता है जो इन्हें संतुलन में रख सके और भावनात्मक रूप से समझदारी दिखाए।

किस मूलांक के लोग होते हैं इनके लिए सबसे अच्छे जीवनसाथी ?

मूलांक 9 वालों के लिए मूलांक 2, 3, 6 और 9 वाले जीवनसाथी को अनुकूल माना गया है।

मूलांक 2- चंद्रमा से प्रभावित मूलांक 2 के लोग भावुक और कोमल स्वभाव के होते हैं। ये मूलांक 9 वालों के गुस्से को प्यार और समझदारी से संभाल सकते हैं। इनका संयमित और शांत स्वभाव रिश्ते में संतुलन बनाए रखता है।

मूलांक 3: गुरु से प्रभावित मूलांक 3 के लोग व्यवस्थित, महत्वाकांक्षी और अनुशासनप्रिय होते हैं। ये मूलांक 9 के लोगों के साथ मिलकर एक वास्तविक और स्थिर जीवन की नींव रख सकते हैं।

मूलांक 6: शुक्र ग्रह से संबंधित मूलांक 6 के लोग प्रेम, सौंदर्य और रोमांस में विश्वास रखते हैं। ये 9 मूलांक वालों के जीवन में भावनात्मक स्थिरता और संतुलन लाने में मदद करते हैं।

मूलांक 9: दो समान मूलांक वाले लोग जब एक रिश्ते में आते हैं, तो उनमें गजब की समझ होती है। मूलांक 9 के लोग एक-दूसरे की ऊर्जा और स्वभाव को भलीभांति समझते हैं, जिससे उनका संबंध मजबूत हो सकता है। यदि वे अपने अहं को नियंत्रण में रखें।

मूलांक 9 के जातकों के लिए जीवनसाथी का चुनाव सोच-समझकर करना जरूरी होता है, क्योंकि इनका तेजस्वी स्वभाव कभी-कभी रिश्तों में टकराव भी ला सकता है। लेकिन अगर इनका जीवनसाथी संतुलित, संवेदनशील और समझदार हो, तो ये रिश्ता बेहद सफल और प्रेरणादायक बन सकता है।

सुख-समृद्धि से भरपूर होगा जुलाई का महीना, इन पांच राशि वालों पर बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

ग्रह-नक्षत्र की स्थिति समय-समय पर परिवर्तित होती रहती है और उसी के अनुरूप जीवन के विविध क्षेत्रों में भी बदलाव आते हैं। हर महीना अपने साथ नई संभावनाएं और नई चुनौतियां लेकर आता है। जुलाई का महीना भी कुछ ऐसी ही विशेषताओं के साथ दस्तक दे चुका है। इस समय ग्रहों की गति और स्थिति ऐसी बनी हुई है, जो कुछ विशिष्ट राशियों के जीवन में सौभाग्य, संपन्नता और उत्साह का नया अध्याय लिख सकती है। जिन राशियों पर शुभ ग्रहों की दृष्टि है, उन्हें धन, पद, प्रतिष्ठा और पारिवारिक संतुलन जैसे क्षेत्रों में विशेष सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

जिन जातकों के लिए लंबे समय से प्रयास का परिणाम नहीं मिल रहा था, उनके लिए अब समय अनुकूल बनने जा रहा है। जुलाई 2025 का महीना विशेष रूप से पांच राशियों के लिए अत्यंत शुभ और फलदायी रहने वाला है। आइए जानते हैं कि वे कौन सी राशियाँ हैं, जिनके जीवन में यह महीना तरक्की, लाभ और खुशहाली का संकेत लेकर आया है।

मेष राशि –इस माह मेष राशि के जातकों को करियर के क्षेत्र में नई दिशाएं मिल सकती हैं। नौकरी में

परिवर्तन चाहने वालों के लिए यह समय अनुकूल है। प्रमोशन या विभागीय बदलाव की प्रबल संभावना है। कार्यस्थल पर आपके नेतृत्व को सराहा जाएगा और ज़िम्मेदारियों में वृद्धि संभव है। लंबे समय से जो धन अटका हुआ था, वह अब मिलने के योग बना रहा है। निवेश से लाभ के संकेत हैं। संपत्ति या वाहन संबंधी निर्णयों में भी सफलता मिलेगी। बैंक बैलेंस में वृद्धि और वित्तीय स्थिरता महसूस होगी।

वृषभ राशि – जुलाई में वृषभ राशि के लोगों को पुराने प्रयासों का फल मिलने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। जो लोग प्रमोशन की प्रतीक्षा में थे, उन्हें शुभ समाचार मिल सकता है। निजी व्यवसाय करने वालों के लिए यह समय नई साझेदारियों या विस्तार के लिए अनुकूल रहेगा। आय में अचानक वृद्धि के प्रबल योग हैं। अचल संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ मिलेगा। किसी पुराने लेन-देन का भुगतान हो सकता है। धन का आगमन सुखद रहेगा, लेकिन खर्चों पर थोड़ी निगरानी आवश्यक होगी।

तुला राशि – इस महीने तुला राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलने की संभावना है। जो लोग निजी क्षेत्र में हैं, उनके लिए पदोन्नति या प्रशंसा का समय है। नौकरी बदलने के इच्छुक लोगों को अच्छा अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यवसायी जातकों को नई डील या अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से जुलाई लाभकारी रहेगा। पुराने निवेशों से लाभ मिलने के योग हैं। व्यापार में वृद्धि और नकदी प्रवाह बेहतर होगा। बैंकिंग, क़ानूनी या सरकारी कामों में सफलता मिल सकती है।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों के लिए यह समय करियर में परिवर्तन या विस्तार का है। यदि आप विदेश में पढ़ाई या नौकरी की योजना बना रहे हैं, तो यह स्वीकृति प्राप्त करने का उत्तम समय है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को भी अच्छी खबर मिल सकती है। आय के नये स्त्रोत सामने आएंगे। पार्ट-टाइम काम या साइड प्रोजेक्ट से भी आमदनी बढ़ सकती है। लंबे समय से की गई मेहनत अब फल देने लगेगी। हालाँकि खर्चों में भी वृद्धि होगी, फिर भी बैलेंस बना रहेगा।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लिए यह महीना शनि की साढ़ेसाती के अंतिम चरण का है, लेकिन यह दबाव नहीं बल्कि उपलब्धियों का समय है। करियर में बड़ी उन्नति हो सकती है। नई जिम्मेदारियाँ मिलेंगी और लीडरशिप रोल में आने का अवसर मिलेगा। इंटरव्यू या प्रेजेंटेशन में सफलता मिल सकती है। वेतन में वृद्धि या बोनस मिलने के संकेत हैं। जो लोग फ्रीलांसिंग, तकनीकी या क्रिएटिव क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें बड़ी डील मिल सकती है। निवेश में सतर्कता आवश्यक है लेकिन संपत्ति संबंधी निर्णय फायदेमंद साबित होंगे।

सावन में गुरु-शनि योग से कुछ राशियों को मिलेगी कृपा

सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायक माने जाने वाले सावन मास की शुरुआत इस वर्ष 11 जुलाई से होगी, जो 9 अगस्त तक चलेगा। शिव भक्ति के इस विशेष महीने में ग्रहों की चाल भी काफी शुभ संकेत दे रही है। 7 जुलाई को देवगुरु बृहस्पति उदय होंगे और संपूर्ण सावन माह में अपनी सकारात्मक ऊर्जा से कई राशियों पर कृपा बरसाएंगे। वहीं 13 जुलाई को शनि देव वक्री अवस्था में जाएंगे और इसी अवस्था में रहकर लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाएंगे।

बृहस्पति और शनि दोनों ही शक्तिशाली ग्रह इस समय एक खास योग बना रहे हैं, जो कुछ राशियों के लिए सौभाग्य, पदोन्नति और आकस्मिक धनलाभ के द्वार खोल सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारियां और नई उपलब्धियां इन जातकों की राह में आ सकती हैं। आइए जानते हैं वे कौन-सी राशियाँ हैं, जिनके भाग्य को सावन का यह शुभ संयोग रोशन करने वाला है।

वृष राशि –वृष राशि के जातकों के लिए जुलाई महीना विशेष रूप से आर्थिक दृष्टिकोण से लाभकारी रहेगा। बृहस्पति आपकी कुंडली के धन भाव में उदित हो रहे हैं और शनि आय स्थान पर वक्री हो रहे हैं, जिससे आमदनी बढ़ने के प्रबल योग बनेंगे। पुराने निवेश से अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है। नए निवेश के लिए भी यह एक उपयुक्त समय है। धन के नए स्रोत खुलेंगे और आप वित्तीय रूप से अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे। साथ ही, व्यवसाय या नौकरी के सिलसिले में लंबी यात्राएं भी हो सकती हैं जो लाभकारी सिद्ध होंगी।

मिथुन राशि –जुलाई का महीना मिथुन राशि वालों के लिए नए आरंभ और सफलता की राह खोल सकता है। जो जातक अब तक विवाह का इंतजार कर रहे थे, उनके लिए यह समय अच्छे प्रस्ताव लेकर आ सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और आप अपने साथी के साथ समय बिताकर आत्मिक संतोष पाएंगे। बेरोजगार युवाओं को इस दौरान रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं, वहीं जो नौकरी बदलना चाहते हैं, उन्हें बेहतर प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। आत्मविश्वास में जबरदस्त वृद्धि होगी और आप अपने हर निर्णय को दृढ़ता से आगे बढ़ाएंगे।

कर्क राशि –इस महीने कर्क राशि के जातकों को ग्रहों का विशेष साथ मिलने जा रहा है। गुरु के उदय और शनि के वक्री प्रभाव से भाग्य पक्ष मज़बूत रहेगा। करियर में तरक्की के संकेत मिलेंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। घर में कोई धार्मिक या मांगलिक आयोजन हो सकता है, जिससे पारिवारिक वातावरण आनंदपूर्ण बना रहेगा। कार्यस्थल पर जिम्मेदारी और प्रतिष्ठा दोनों बढ़ सकती हैं। कुल मिलाकर, ये समय आपके जीवन में नयापन और संतुलन लेकर आएगा।

शनिवार को पांच वस्तुओं का दान आपको बनाएगा धनवान शनि की कृपा से घर में आएगी खुशहाली

शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है, जो व्यक्ति के अच्छे-बुरे कर्मों के अनुसार फल देते हैं। अगर कुंडली में शनि अशुभ है या साढ़ेसाती, ढैय्या या शनि की महादशा चल रही हो, तो दान करने से उसका प्रभाव कम होता है। शनिवार को दान करने से पाप कर्मों का क्षय होता है। आपका दुर्भाग्य दूर होता है और सौभाग्य में वृद्धि होती है। शनिवार को दान पुण्य करने से धन की देवी मां लक्ष्मी भी आपसे प्रसन्न होकर आपके घर में खुशहाली बढ़ाती है। शनिवार को काली चीजों का दान करकेने से आय में वृद्धि और व्यवसायिक स्थिरता आती है। आपको न्यायिक मामलों में सफलता मिलती है। साथ ही जो लोग मानसिक रोगों से परेशान हैं और अपने जीवन में किसी प्रकार का तनाव झेल रहे हें, उनके लिए शनिवार का दान बड़ी राहत लेकर आता है। नीचे बताई गई वस्तुओं को आप भी शनिवार को दान करके शनिदेव को प्रसन्न कर सकते हैं। शनिवार का दान आपको सुबह उठकर स्नान के बाद ही करना चाहिए।

शनिवार को काली उड़द दाल का दान

शनिदेव को काली उड़द अत्यंत प्रिय मानी जाती है। शनिवार के दिन किसी गरीब, मजदूर, ब्राह्मण, या मंदिर के सेवक को काली उड़द का दान करने से शनि की अशुभ दशा, साढ़ेसाती, ढैय्या और कर्मफल की बाधाएं धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं। काली उड़द से जुड़े दान विशेषकर उन लोगों के लिए बहुत लाभकारी होते हैं जो मेहनत तो करते हैं परंतु अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, बार-बार नौकरी में रुकावट आती है या व्यापार ठप रहता है।

शनिवार को काले तिल का दान

काले तिल का संबंध न केवल शनि ग्रह से है, बल्कि यह तिल पापों के क्षय और आत्मिक शुद्धि के प्रतीक भी माने जाते हैं। शनिवार को ताजे काले तिल को जल में प्रवाहित करना या किसी जरूरतमंद को भोजन या दान स्वरूप देना, मानसिक तनाव को कम करता है, बुरी नजर से रक्षा करता है, और शनि के कोप को शांत करता है। जो लोग मानसिक द्वंद्व, भय, अवसाद या निराशा से जूझ रहे हों, उनके लिए यह उपाय विशेष रूप से कल्याणकारी होता है। अगर आप इनको खाने के लिए किसी को दे रहे हैं तो काले तिल और गुड़ के लड्डू भी दान कर सकते हैं।

शनिवार को सरसों के तेल का दान

सरसों का तेल शनिदेव की उपासना में अत्यंत प्रभावशाली माना गया है। शनिवार को लोहे की कटोरी में सरसों का तेल भरकर उसमें अपना चेहरा देखकर किसी जरूरतमंद को दान देना या पीपल के नीचे दीपक लगाना शनि की वक्र दृष्टि को शांत करता है। यह उपाय विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जिन्हें बार-बार अपमान, कोर्ट-कचहरी के मामले, या काम में असफलता का सामना करना पड़ता है। सरसों के तेल का दान स्वास्थ्य, सम्मान और आर्थिक स्थिति को मजबूत करता है।

शनिवार को काले जूते या चप्पल का दान

काले रंग के जूते-चप्पल का दान शनिवार को करना शनि की कृपा प्राप्त करने का अत्यंत प्रभावशाली तरीका माना गया है। जिन लोगों के जीवन में बार-बार संघर्ष, चोट, दुर्घटना, नौकरी में रुकावट या यात्रा में विघ्न आते हों, उनके लिए यह उपाय अत्यंत लाभदायक होता है। किसी जरूरतमंद या श्रमिक को काले जूते देने से शनि का प्रकोप कम होता है और जीवन में स्थायित्व आता है। इस उपाय को करने से आपको धन में बरकत भी प्राप्त होती है।

शनिवार को लोहे की वस्तुओं का दान

शनिदेव का धातु तत्व लोहा है। लोहे की वस्तुओं का दान शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त करने में सहायक होता है। शनिवार को लोहे का तवा, कड़ाही, छाता, लोहे की कटोरी या कोई अन्य उपयोगी वस्तु किसी गरीब, जरूरतमंद या मंदिर में दान करने से कर्मजन्य दोष शांत होते हैं, साथ ही वाहन दुर्घटना, चोट, क्रोध और रोगों की आशंका भी कम हो जाती है। यदि लोहे के पात्र में काली उड़द और सरसों का तेल रखकर तीनों का एक साथ दान किया जाए, तो यह अत्यधिक शुभ माना जाता है।

राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर ने नए ट्रैक राज करेगा मालिक से स्क्रीन पर धमाल मचाया

राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की अगली फिल्म मालिक हर गुजरते दिन के साथ और भी ज्यादा आशाजनक होती जा रही है। अपने पहले गाने नामुमकिन के रिलीज होने के बाद, इसके टीजर और ट्रेलर ने सभी को हैरान कर दिया, अब निर्माताओं ने अपना अगला गाना 'राज करेगा मालिक' रिलीज कर दिया है। याद दिला दें कि ट्रेलर के बैकग्राउंड में इस गाने को कुछ देर के लिए बजाया गया था और इसकी आकर्षक धुन ने पहले ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। राज करेगा मालिक की दमदार आवाज़ें और प्रभावशाली म्यूज़िक अरेंजमेंट राजकुमार राव के गैंगस्टर अवतार की रौबदार छवि को बेहतरीन ढंग से पेश करते हैं। गाने की मुख्य पंक्ति सबपे राज करेगा मालिक न सिर्फ एक घोषणा है, बल्कि इस शक्तिशाली किरदार के प्रभुत्व को सलामी भी है। यह एक हाई-एनर्जी ट्रैक है जिसमें देसी बीट्स और मॉडर्न एटीट्यूड का परफेक्ट फ्यूज़न देखने को मिलता है। सचिन-जिगर का प्रोडक्शन दमदार और गतिशील है, जबकि अकासा की भयंकर आवाज़ और एमसी स्क्वायर का देसी रैप ट्रैक में जोश और धैर्य दोनों लाता है।

वीडियो की झलकियाँ भी बेहद प्रभावशाली हैं। राजकुमार राव की इंटेंस स्क्रीन प्रेज़ेंस और मानुषी छिल्लर का आत्मविश्वासी और दमदार अंदाज़ गाने की एनर्जी से पूरी तरह मेल खाता है। अमिताभ भट्टाचार्य के लिखे बोल विद्रोह और लय के बीच बेहतरीन संतुलन बनाते हैं, जिससे यह ट्रैक एक पावर एंथम बन गया है - जिसे बार-बार सुना जा सकता है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ था और इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। राज करेगा मालिक अब इस हाइप को और भी बढ़ा रहा है।

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और फैंस, दोनों ही राजकुमार राव के इस बिल्कुल नए और डरावने गैंगस्टर अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह उनका अब तक का सबसे इंटेंस किरदार बताया जा रहा है। मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर का शालिनी के रूप में अपनी भूमिका के लिए डी-ग्लैमर होने का साहसिक निर्णय भी उतना ही आकर्षक है, एक ऐसा कदम जिसने उन्हें इंडस्ट्री के दिग्गजों और प्रशंसकों दोनों से प्रशंसा दिलाई है, जो उन्हें परंपरा से परे कदम उठाते हुए देखना चाहते हैं।

मानुषी और राजकुमार की फ्रेश जोड़ी ने पहले ही गाने नामुमकिन में दर्शकों को अपनी केमिस्ट्री का दीदार करा दिया था। अब राज करेगा मालिक के साथ यह जोड़ी और भी प्रभावशाली हो गई है। फिल्म मालिक को लेकर उत्साह चरम पर है - और ऐसा लग रहा है कि यह फिल्म दोनों सितारों के करियर के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। और हाँ, हमने क्या बताया कि इस गाने में राजकुमार और मानुषी दोनों ही बेहद स्टाइलिश, आकर्षक और ताकतवर नज़र आ रहे हैं? 'मालिक' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी के 25 साल पूरे स्मृति ईरानी-एकता कपूर ने जताई खुशी

लोकप्रिय टेलीविजन शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की रिलीज के 25 साल पूरे हो गए हैं। 3 जुलाई, 2000 को शुरू हुआ यह शो हर भारतीय घर का हिस्सा बन गया और लोगों के दिलों में बस गया। इस मौके पर अभिनेत्री से राजनेता बनीं स्मृति ईरानी और निर्माता एकता कपूर ने खुशी जताई।

इस शो ने टीवी इंडस्ट्री में क्रांतिकारी बदलाव लाए और छोटे पर्दे पर 'सास-बहू' की कहानियों का आगाज हुआ।

इस खास मौके पर स्मृति ईरानी ने कहा, यह शो सिर्फ एक धारावाहिक नहीं, बल्कि एक खूबसूरत याद है। इसे बनाने वालों और इसे प्यार देने वाले लाखों दर्शकों के लिए यह परिवार, विश्वास और पीढ़ियों को जोड़ने वाली कहानी थी। 25 साल बाद भी यह हमारे दिलों में जिंदा है। मैं उन सभी की आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर को संभव बनाया।

शो में महत्वपूर्ण किरदार निभाने वाले अभिनेता अमर उपाध्याय ने कहा, 25 साल पहले शुरू हुआ यह सफर सिर्फ एक शो नहीं था, बल्कि लाखों घरों का आईना था। यह परंपराओं, प्यार, चुनौतियों और बदलते भारतीय परिवारों की कहानी थी। इस शो का हिस्सा होना मेरे लिए एक जिम्मेदारी और सम्मान की बात रही। इसने न सिर्फ हमारी जिंदगी बदली, बल्कि टेलीविजन इतिहास को नए तरीके से गढ़ा। यह रिश्तों, संघर्ष और बदलाव की कहानी को दिखाता है।

निर्माता एकता कपूर ने कहा, यह शो मेरे दिल में आज भी जिंदा है। हमने कभी नहीं सोचा था कि 'तुलसी' लाखों लोगों के लिए परिवार का हिस्सा बन जाएगी। शो का टाइटल ट्रैक, भावनाएं और कहानी आज भी लोगों को याद हैं। यह उपलब्धि हर लेखक, अभिनेता, क्रू मेंबर और दर्शकों की है, जिन्होंने इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाया। हमने सिर्फ एक शो नहीं बनाया, बल्कि एक ऐसा रिश्ता बनाया, जो 25 साल बाद भी घर जैसा लगता है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' को एकता कपूर की कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने बनाया था। इसकी कहानी शुरू में आनंद गांधी ने लिखी थी, जिन्हें बाद में 'शिप ऑफ थीसस' जैसी फिल्म के लिए काफी प्रशंसा मिली। '...क्योंकि' शो को फिर से नए स्वरूप में पेश करने की चर्चा भी है।

शनाया कपूर के लिए विक्रांत को-स्टार ही नहीं मेंटर भी

शनाया कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के प्रमोशन में जुटी हैं। उनके अपोजिट विक्रांत मैसी हैं। इस फिल्म से डेब्यू को तैयार अभिनेत्री ने कहा कि अपने को-स्टार से उन्होंने बहुत कुछ सीखा। शनाया कपूर ने बातचीत के दौरान विक्रांत मैसी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि, विक्रांत का स्वभाव बहुत अच्छा है, वो मदद को तैयार रहते हैं। उनके इस नेचर ने मुझे सेट पर काफी सहज महसूस कराया। वह सेट पर मेरे को-स्टार होने के साथ-साथ मेंटर भी थे, जिसने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि, मुझे लगता है कि पहली चीज जो मैंने उनसे सीखी है वह यह है कि एक इंसान के तौर पर वह बहुत उदार हैं, जो उनके काम में भी दिखता है, और मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, क्योंकि वह सच में एक समर्पित अभिनेता हैं। एक अभिनेता के तौर पर हम बस अपनी लाइन, किरदार और कॉस्ट्यूम के बारे में सोचते रहते हैं।

मैंने एक अभिनेता के तौर पर सीखा कि सबसे पहले आपको एक समर्पित अभिनेता बनना पड़ेगा और पूरे सीन के बारे में सोचना पड़ेगा। आप बस अपने बारे में नहीं सोच सकते हैं। लेकिन इससे भी अच्छी जो उनकी खासियत थी, वह यह कि उन्होंने मुझे सेट पर सहज महसूस करवाया। उन्होंने सेट पर कभी मुझे यह महसूस नहीं होने दिया कि मैं नई कलाकार हूं, और यह एक अनुभवी अभिनेता की निशानी है यह अविश्वसनीय है क्योंकि उन्हें मेरे लिए ऐसा करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया।

अभिनेत्री ने याद करते हुए बताया कि कैसे विक्रांत अक्सर सीन पर उनसे इनपुट मांगते थे, जैसे कि, तुम मुझे भी बताओ, तुम्हें कैसा लग रहा है? तुम्हें क्या लगता है? क्या हमें इसे इस तरह से करना चाहिए या उस तरह से? अभिनेत्री ने प्रशंसा की कि एक नए व्यक्ति के लिए, ऐसा माहौल आश्चर्यजनक और आरामदायक दोनों था।

पुष्पा 2 से प्रेरित लुक में दिखेंगे अभिषेक मलिक

जमाई नंबर 1 में काली मां के अवतार में नजर आएंगे एक्टर

टीवी चैनल जी टीवी का मशहूर शो जमाई नंबर 1 अब एक जबरदस्त मोड़ लेने वाला है। इस शो में एक्टर अभिषेक मलिक 'नील' का किरदार निभा रहे हैं। आने वाले एपिसोड में नील का नया और चौंकाने वाला अवतार नजर आने वाला है। दरअसल, वह देवी काली मां का रूप धारण करते दिखेंगे, जो साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' से प्रेरित है।

बता दें कि यह हिंदी टीवी पर पहली बार होगा जब एक पुरुष कलाकार ने देवी का रूप धारण किया। शो की कहानी में रिद्धि (सिमरन कौर) का अपहरण हो जाता है। नील उसे बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार होता है। वह इसके लिए देवी काली मां का रूप भी धारण कर लेता है। इस दौरान शो में जबरदस्त एक्शन, इमोशन और दमदार सीन देखने को मिलेंगे, जो दर्शकों के लिए एक नया और शानदार अनुभव होगा। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 से प्रेरित लुक को अपनाने के लिए अभिषेक मलिक का मेकओवर काफी मेहनत भरा रहा। इस लुक को तैयार करने के लिए हर दिन करीब दो घंटे लगते थे। इस दौरान पूरे शरीर पर खास पेंट किया जाता था। आंखों का डार्क मेकअप, भारी और सुंदर ज्वेलरी, साथ ही पारंपरिक तरीके से साड़ी पहनाई जाती थी। इस दौरान सबसे चुनौतीपूर्ण चीज थी इस भारी-भरकम कपड़ों और लुक के साथ जबरदस्त एक्शन सीन करना। इस सीन को अभिनेता ने जोश, भक्ति और ड्रामा के साथ बेहतरीन तरीके से किया।

अभिषेक मलिक ने इस खास ट्रैक को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, सच कहूं तो जब मुझे पहली बार पता चला कि मैं देवी काली मां का रोल करने वाला हूं, तो मैं बहुत उत्साहित हो गया। यह लुक अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' वाले अवतार से प्रेरित है, जो बहुत दमदार, गहरा और शक्ति से भरा हुआ है। जब लुक टेस्ट हुआ, तो सभी को यह रूप बहुत पसंद आया। सेट पर हर किसी ने तारीफ की, और यहां तक कि प्रोड्यूसर ने फोन करके कहा, ये लुक जैसे तुम्हारे लिए ही बना है। यह बात मेरे लिए बहुत मायने रखती है

अभिषेक ने कहा, यह ट्रैक टीवी पर अब तक दिखाई गई चीजों से बिल्कुल अलग है। इसमें तेज रफ्तार एक्शन, दमदार सीन और फिल्मों जैसा ग्रैंड फील है। इस लुक को अपनाना आसान नहीं था। हर दिन करीब दो घंटे का मेकअप, शरीर पर पेंट, भारी साड़ी और भारी ज्वेलरी पहननी पड़ती थी। इस लुक में एक्शन सीन करना बहुत थकाने वाला था, लेकिन साथ ही बहुत ताकतवर और खास अनुभव भी रहा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे करियर का सबसे मुश्किल लेकिन सबसे रचनात्मक सीन है जो मैंने अब तक किया है। ऐसा लुक आज तक हिंदी टीवी पर नहीं दिखा है।

निमरत कौर ने की टाइगर की तारीफ, बोलीं

हर फ्रेम में दिखता है उनका पैशन

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और टीवी एक्ट्रेस निमरत कौर का म्यूजिक वीडियो 'बेपनाह' 2 जुलाई को रिलीज हो चुका है। निमरत ने को-एक्टर टाइगर की तारीफ करते हुए बताया कि वह मेहनती हैं और हर फ्रेम में उनका पैशन दिखता है। टीवी शो 'छोटी सरदारनी' फेम निमरत कौर ने इस वीडियो में टाइगर के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर किया है। उनके ग्लैमरस अंदाज और टाइगर की डांस प्रतिभा ने इस गाने को खास बना दिया है।

निमरत ने इस अनुभव को शेयर करते हुए बताया, टाइगर के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। हर फ्रेम में उनका जुनून और मेहनत साफ दिखता है, जो प्रेरणादायक है। मुझे उनकी एनर्जी से तालमेल बिठाना था और कोरियोग्राफर बॉस्को ने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकालकर बेहतरीन डांस सिखाया। यह गाना स्टाइल, रिदम और केमिस्ट्री का शानदार मिश्रण है। मैं दर्शकों के रिएक्शन का इंतजार कर रही हूं।

निमरत ने यह भी बताया कि जब उन्होंने 'बेपनाह' का कॉन्सेप्ट और ट्रैक सुना, तो वह तुरंत इसकी दीवानी हो गईं। गाने की जीवंतता और ग्लैमरस वाइब ने उन्हें नया लुक आजमाने का मौका दिया। बेपनाह को अवितेश श्रीवास्तव ने लिखा और कंपोज किया है, जो मशहूर संगीतकार आदेश श्रीवास्तव के बेटे हैं। इस गाने को डीआरजे रिकॉर्ड्स ने प्रोड्यूस किया है और मशहूर कोरियोग्राफर जोड़ी बॉस्को-सीजर ने इसके डांस सीक्वेंस को डिजाइन किया है।(टाइगर सोशल मीडिया पर गाने के बीटीएस वीडियो और टीजर शेयर कर चुके हैं। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा था, मैंने लंबे समय बाद खुद को इतना पुश किया है। इस गाने को आप सबके साथ शेयर करने के लिए उत्साहित हूं।

अभिनय करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण संघर्ष शब्द से शुभांगी अत्रे को दिक्कत

लोकप्रिय टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है।

उन्होंने कहा, मुझे संघर्ष शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है।

लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं। शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, ''दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तविकता बनी रहे।''

शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा, ''टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 जुलाई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 07:01 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 07:51 तक
योग : सिद्ध रात्रि 08:35 तक
करण : तैतिल प्रातः 05:47 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 ,सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मन्वादि तिथि , आशा दशमी , पुनर्वसु में रवि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वेस्ट टू वेल्थ की नीति पर

कार्य करते हुए तकनीक से बदलें शहरों की तस्वीर : बंडारू

चंडीगढ़, 04 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देशभर के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्ष और प्रतिनिधि कचरा प्रबंधन में उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए वेस्ट टू वेल्थ की नीति को अपनाएं। इससे न केवल स्वच्छता अभियान को नई दिशा मिलेगी, बल्कि शहरी स्थानीय निकायों के आर्थिक संसाधनों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। राज्यपाल दत्तात्रेय आज मानेसर, गुरुग्राम में शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने हरियाणा विधानसभा की ओर से पहली बार शहरी निकायों के अध्यक्षों के लिए इस प्रकार के राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन पर विधानसभा अध्यक्ष और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि देशभर से आए प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में न केवल विचार–विमर्श किया, बल्कि शहरी विकास से जुड़ी सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को भी आपस में साझा किया। इसके साथ ही, शहरी निकायों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक और उपयोगी चर्चा हुई, जो भविष्य की नीति निर्माण में मार्गदर्शक साबित होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की, जिससे देशवासियों के मन में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच और जागरूकता आई है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे इस अभियान में समाज को व्यापक जन–जागरण के माध्यम से जोड़ें, ताकि शहरों को और स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। जितने अधिक लोग इस अभियान से जुड़ेंगे, उतने ही अधिक हमारे शहर खूबसूरत और स्वस्थ होंगे। विशेष रूप से, स्वच्छ भारत अभियान में स्लम इलाकों पर विशेष ध्यान देते हुए जन भागीदारी की जाये। साथ ही, उन्होंने निकायों में डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को तेज़ी से लागू करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवा रही है। इसके साथ ही, शहरी स्थानीय निकायों को अपने–अपने क्षेत्रों में युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि रोजगार के अवसरों को और बढ़ावा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि जो शहर किसी क्षेत्र में रोल मॉडल के रूप में स्थापित हैं, उनकी बेहतरीन प्रथाओं का आदान–प्रदान करके सभी अपने–अपने क्षेत्र में नंबर एक बनने का प्रयास करें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अनूठी पहल के तहत इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि बिरला की यह सोच है कि संसद और विधानसभाओं की तरह नीचे की सभी स्थानीय संस्थाएं भी प्रभावी रूप से कार्य करें, और इसी दृष्टिकोण से यह सम्मेलन आयोजित किया गया है।उन्होंने कहा कि देशभर से आए शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि हरियाणा की पावन धरा पर उपस्थित हुए हैं, जहां अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में जितनी अधिक चर्चा होती है, उतने ही बेहतर समाधान निकलते हैं, अधिक प्रभावी निर्णय लिए जाते हैं और लोकहित के कार्य सुचारू रूप से संपन्न होते हैं।

हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाया जाए। यह कार्य मजबूत लोकतंत्र के बिना संभव नहीं है, और लोकतंत्र की मजबूती स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती से ही जुड़ी है। इसलिए, उन्होंने सभी अध्यक्षों और प्रतिनिधियों से अपील की कि वे आज यहाँ से संकल्प लेकर जाएं कि वे देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना अहम योगदान सुनिश्चित करेंगे और अपने–अपने शहरों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की बेहतर व्यवस्थाओं के कारण ही इस राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन संभव हो पाया है।

शहरी निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सांस्कृतिक संध्या ने बिखेरे भारतीय रंग

चंडीगढ़, 04 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में वीरवार देर शाम भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, आरती सिंह राव सहित अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में अलग–अलग क्षेत्रों से आए कलाकारों ने कला और संस्कृति के रंग बिखेरे। सबसे पहले गंधर्व वाद्य संगीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यह प्रस्तुति पंडित चेतन जोशी द्वारा निर्देशित की गई। इसमें उनका साथ अन्य कलाकारों ने दिया। यह प्रस्तुति हरियाणवी लोक एवं भारतीय वाद्य यंत्रों पर आधारित रही। इसमें वाद्य यंत्रों के माध्यम से गंधर्वों द्वारा बजाया जाने वाला संगीत प्रस्तुत किया गया। हरियाणवी लोक संस्कृति के साथ मिश्रण कर ज्यों ही स्वर लहरियां सभागार में गूंजी उन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया।कार्यक्रम में दूसरी प्रस्तुति हरियाणवी लोक नृत्य की रही। यह प्रस्तुति मोंटी शर्मा पार्टी द्वारा दी गई। हरियाणवी कलाकारों ने देश भर से आए लोगों को अपनी प्रस्तुति से सम्मोहित कर दिया। सभागार में मौजूद लोगों ने जोरदार तालियों के साथ कलाकारों का अभिनंदन किया।

इसके पश्चात अंतिम प्रस्तुति संजय शर्मा की पार्टी ने दी। कोरियोग्राफी की इस प्रस्तुति में कलाकारों ने भारत के रंग दिखाए। सभागार में मौजूद हर शख्स ने तालियां बजाकर कलाकारों की हौसला अफजाई की। यह प्रस्तुतियां सूचना, लोक संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत आयोजित हुई।

विकसित भारत का सपना केवल एक लक्ष्य नहीं बल्कि एक धरातलीय सच्चाई बने : डॉ.मिड्ढा

चंडीगढ़, 04 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि अपने–अपने नगरों को स्मार्ट ही नहीं, बल्कि समर्थ, समावेशी और सतत बनाएं–ताकि 'विकसित भारत' का सपना केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक धरातलीय सच्चाई बन सके। डिप्टी स्पीकर शुक्रवार को राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि हरियाणा पहले से ही शहरी स्थानीय निकाय क्षेत्र में पारदर्शिता, ई–गवर्नेंस और नागरिक भागीदारी के कई सफल उदाहरण प्रस्तुत कर चुका है। चाहे वह गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे नगर निगम हों या अन्य जिलों में नगर परिषद, सभी स्थानों पर हमने नागरिकों को केंद्र में रखकर योजनाएँ बनाई हैं। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि इस सम्मेलन में संवैधानिक लोकतंत्र की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका जैसे विषय पर गहन चर्चा न केवल सामयिक है, बल्कि भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने की दिशा में भी अत्यंत प्रासंगिक है।

शहरी निकायों की सशक्तता केवल कागज़ों पर नहीं, ज़मीन पर दिखनी चाहिए। एक आदर्श नगर निकाय तब बनेगा जब हर नागरिक को यह भरोसा हो कि उसकी आवाज़ सुनी जाती है, उसकी समस्या केवल एक फ़ाइल में नहीं, बल्कि समाधान की प्रक्रिया में बदलती है। उन्होंने कहा कि जब सभी राज्य अपने–अपने नगर निकायों को सशक्त, उत्तरदायी और नागरिकों के लिए जवाब देह बनाएंगे, तभी हम संवैधानिक लोकतंत्र को उसकी पूर्णता में अनुभव कर पाएंगे ।

डिप्टी स्पीकर डॉ मिड्ढा ने अपने संबोधन में कहा कि जब हम एक उत्कृष्ट शहरी निकाय की परिकल्पना करते हैं, तो वह केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि एक ऐसा जीवंत, उत्तरदायी और सहभागी तंत्र होता है, जो नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप सशक्त, पारदर्शी और समावेशी ढंग से कार्य करता है।

दिया कुमारी ने दी 81.61 करोड़ लागत के 20 अटल पथों की मंजूरी

जयपुर, 04 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश की डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में बनने वाले 20 अटल प्रगति पथों की स्वीकृति दी है। उपमुख्यंमत्री ने 14 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 81.61 करोड़ रूपये की लागत से 49.10 किमी लम्बाई के अटल प्रगति पथों की स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति के तहत विधानसभा क्षेत्र नोखा में 11.29 करोड़ रूपये की लागत से 7 किमी लम्बाई के 3, लूणी में 13.50 करोड़ रूपये की लागत से 9 किमी के 3, खेतड़ी में 5.10 करोड़ रूपये की लागत से 3.70 किमी के 2, श्रीडूंगरगढ़ में 9 करोड़ रूपये की लागत से 6 किमी के 2, अनूपगढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 1.60 किमी के 1, लूणकरणसर में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, बैगू में 4.47 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, चित्तौड़गढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, मनोहरथाना में 4.50 करोड़ की लागत से 2.90 किमी के 1, खानपुर में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मण्डावा में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मेड़ता में 4.50 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, राजसमंद में 3.15 करोड़ की लागत से 2 किमी के 1 तथा सिरोही में 3.60 करोड़ की लागत से 1.70 किमी के 1 अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जायेगा।

बजरी पर राजनीति गरमाई

सरकार पर माफिया का दबदबा : गहलोत

दौसा, 04 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार पर बजरी माफिया हावी है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में बजरी माफिया का आतंक है। सरकार पर हावी होने का मतलब है कि नीचे से ऊपर तक बंधी पहुंचती होगी। शुक्रवार को हिंडौन जाते समय दौसा में गहलोत ने कहा कि धौलपुर हो या टोंक पूरे राजस्थान में बजरी माफिया ने आतंक मचा रखा है। इसे लेकर लोगों को चिंता है, बजरी महंगी होने से लोगों में गुस्सा है। ऊपर से नीचे तक बंधी पहुंच रही है। इससे बजरी महंगी हो गई है। लेकिन बजरी माफिया का सरकार पर हावी होना खतरनाक है, इस पर रोक लगनी चाहिए। इसके लिए लड़ाई लड़नी होगी।

हिंडौन जाते समय लालसोट बाईपास पुलिया पर रुके गहलोत का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान विधायक डीसी बैरवा, नगर अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष रेनू कटारिया, वरिष्ठ नेता रामनाथ राजोरिया, सुभाष घोसी, उमाशंकर बनियाना, रामनिवास गांगड़िया आदि थे।

बीएलओ चुनाव व्यवस्था की कार्यक्षेत्र पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी : नवीन महाजन

जयपुर, 04 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो मतदाता सूची की शुद्धता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। अतः उनकी नियुक्ति में कार्य कुशलता, प्रतिबद्धता और स्थानीय मतदाताओं से संपर्क जैसे गुणों को प्राथमिकता दी जाए।

महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मतदान केंद्र रेशनलाइजेशन, मतदाता सूची पुनरीक्षण, बीएलओ नियुक्ति आदि विषयों पर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग स्टेशन रेशनलाइजेशन का कार्य पूर्णतः मतदाता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाए। रेशनलाइजेशन इस प्रकार हो कि हर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की आसान पहुँच, मूलभूत सुविधाएँ, दूरी आदि का संतुलन बना रहे। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति के लिए निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रिक्त पदों पर बीएलओ की जल्द नियुक्ति की जाये और संभावित नए मतदान केन्द्रों के लिए बीएलओ नियुक्ति की प्रक्रिया भी प्रारंभ करें।

अंत्योदय शिविरों में हमारे डेढ़ साल के कार्यकाल में हुए गत सरकार से अधिक कार्य : भजनलाल

जयपुर, 04 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार 8 करोड़ प्रदेशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने और प्रदेश के विकास रूपी पहिये को गति देने के लिए दिन–रात कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब को गणेश मानते हुए सेवाभाव से उसे समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य कर रही है तथा हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए समर्पण भाव से जुटे हुए हैं।

शर्मा ने शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे. के अंतर्गत कोटपूतली–बहरोड़ जिले के बानसूर विधानसभा क्षेत्र के गिरूड़ी गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कोटपूतली–बहरोड़ जिला प्रदेश की राजधानी जयपुर तथा देश की राजधानी दिल्ली के निकट होने के साथ ही आर्थिक राजधानी मुम्बई से भी जुड़ा हुआ है। यह क्षेत्र कृषि समृद्ध होने के साथ ही औद्योगिक दृष्टि से भी अग्रणी है। शर्मा ने कहा कि जिले का नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र वैश्विक निवेशकों की पसंदीदा जगह है। कोटपूतली–बहरोड़ और नीमराणा में संचालित हजारों उद्योग स्थानीय आबादी को रोजगार प्रदान करने के साथ ही प्रदेश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कोटपूतली–बहरोड़ जिले के चहुंमुखी विकास के लिए 4 हजार 102 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। बानसूर विधानसभा के लिए भी अनेक काम किए हैं। नारायणपुर को नगर पालिका बनाने के साथ ही नारायणपुर सीएचसी में बैड संख्या बढ़ाकर 50 की गई है। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ रुपये की लागत से एमडीआर 50 से नयाबास वाया खेड़ा, श्यामपुरा, रसनाली, बासदयाल, बास शेखावत तक सड़क तथा 9 करोड़ से अधिक लागत से हाजीपुर से हरसौरा वाया गुवाड़ा, चूला, बावली का बास सड़क तथा साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से कराणा से बिलाली स्टैंड वाया बड़ागांव बिलाली तक सड़क बनवाई जा रही है। शर्मा ने कहा कि 20 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से एसएच–52 से नीमूचाणा–कुंडली–कराणा –चैनपुरा सड़क निर्माण, 14 करोड़ रुपये की लागत से हरसौरा–छिपारी–भूरियावास सड़क तथा 12 करोड़ रुपये से अजबपुरा–चांदपुरी सड़क का चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य करवाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर की विचारधारा के अनुसार हमारी सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान को विशेष प्राथमिकता दे रही है। इसी मंशा के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े में आयोजित शिविरों के माध्यम से भूमि संबंधी विवादों का समाधान कर ग्रामीणों को उनकी जमीन पर स्वामित्व के स्पष्ट दस्तावेज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

चुनाव आयोग को लेकर उठते सवालों पर चिराग पासवान ने विपक्ष को घेरा

हाजीपुर (एजेंसियां)। वैशाली जिला के हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहाँ अंजान पीर गंडक पुल पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। इसी दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान चिराग पासवान ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। तेजस्वी यादव द्वारा चुनाव आयोग को 'मोदी कमीशन' कहे जाने के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि 'इन लोगों के पास अपनी हार को छुपाने का कोई मुद्दा नहीं मिल रहा है। कभी ईवीएम पर ठीकरा फोड़ते हैं, अब चुनाव आयोग वाला यह बहाना मिल गया है। अगर इतने ही गंभीर थे, तो क्यों चुनाव आयोग को कहना पड़ा कि गंभीरता का अभाव है? जब प्रतिनिधित्व देने की बात आई, तब तो इतने दलों में से मात्र दो दल वहाँ पर पहुँचे। अगर इतनी ही चिंता है, तो तथ्य तो दिखाएँ, कुछ तो करें। इसमें क्या दिक्कत है, कहाँ गलत हो रहा है?'

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र के केंद्र की सत्ता में आने पर आरएसएस को बैन करने वाले बयान पर चिराग पासवान ने कहा, 'भाई, इस तरीके की बात करने से जनता को क्या लाभ मिलने वाला है? कांग्रेस इतने समय तक सत्ता में रही, केंद्र में हो चाहे बिहार में हो, उन्होंने सिर्फ द्वेष की भावना से कार्य किया। अगर उनका एक प्रतिशत भी जनता के हित की भावना को रखते हुए किया होता, तो आज उन लोगों का यह हश्र न होता।

इंडिया गठबंधन से अलग होकर आम आदमी पार्टी के बिहार में चुनाव लड़ने के ऐलान पर चिराग पासवान ने कहा, 'अच्छी बात है, स्वागत है, बहुत बढ़िया है। पर बिहार और बिहारी कम से कम केजरीवाल के बहकावे में नहीं आने वाले हैं। दिल्ली में भी बिहारियों की एक बड़ी आबादी है। 10 साल तक उन्होंने किस तरीके से केजरीवाल को झेलने का काम किया है। परिणाम किस तरीके से उनको सत्ता से बाहर किया। अब वह बिहार आ रहे हैं, और बिहार की जनता उनको कतई स्वीकार नहीं करेगी।'

अपने दौरे के दौरान, चिराग पासवान नगर के शाही कॉलोनी में पार्टी के कर्मचारी प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष कबीर पासवान के पिता कृष्ण मोहन पासवान के किडनी ऑपरेशन के बाद उनके घर पहुँचे। वहीं, बड़ी युसूफपुर में सुखदेव भगत के निधनोपरांत उनके आवास पर जाकर उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण किया। गोरौल के रूसूलपुर कोड़ी में छात्र प्रखंड अध्यक्ष सिक्रीम पासवान के विवाह के उपरांत उनके घर पहुँचकर नव-दंपति को वैवाहिक जीवन की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। वहीं, पोझा पंचायत में प्रखंड अध्यक्ष मिंटू पासवान के भाई शत्रुघ्न पासवान के बिजली के करंट लगने से निधन के उपरांत उनके घर पहुँचकर चित्र पर माल्यार्पण कर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

बड़ी रेल दुर्घटना टली

जानकी एक्सप्रेस पर गिरे बिजली के तार, ड्राइवर की सतर्कता से बची जानें

दरभंगा (एजेंसियां)। मधुबनी जिले के खजौली रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। जयनगर से रवाना हुई जानकी एक्सप्रेस जैसे ही खजौली स्टेशन के आउटर सिग्नल से आगे बढ़ी, उसके इंजन और बोगी पर अचानक हाईटेंशन बिजली का तार टूटकर गिर गया। हादसे की आशंका को भांपते हुए ट्रेन के लोको पायलट ने समय रहते इमरजेंसी ब्रेक लगाकर बड़ी दुर्घटना टाल दी।

घटना के बाद जयनगर-सकरी रेलखंड पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। इस रूट से चलने वाली नमो भारत सहित कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को भी तत्काल प्रभाव से रोका गया। जानकारी के अनुसार, खजौली स्टेशन के पास दक्षिण बिहारी बांध क्षेत्र में बिजली तार को सहारा देने वाला स्टे और ब्रैकेट इंसुलेटर टूट गया था, जिससे बिजली का तार सीधे रेल इंजन पर गिर गया।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, तार गिरने से शॉर्ट सर्किट की भी आशंका जताई जा रही है, क्योंकि घटनास्थल पर दो कौवे झुलसे हुए पाए गए।

हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। वहीं, ट्रेन करीब दो घंटे तक ट्रैक पर खड़ी रही।

रेलवे इंजीनियरों की टीम टावर वैगन के साथ मौके पर पहुंची और सुधार कार्य के बाद जानकी एक्सप्रेस को लगभग 3 घंटे 40 मिनट की देरी से रवाना किया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पूरी सतर्कता के साथ मरम्मत का काम किया गया और फिलहाल इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही फिर से बहाल कर दी गई है। रेलवे ने लोको पायलट की सूझबूझ की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते ट्रेन नहीं रोकी जाती, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा दांव : 5 लाख महिलाओं को बांटेगी सैनिटरी पैड

पटना (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव का साल शुरू होते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए पार्टी की आगामी रणनीति और कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं के लिए एक नई योजना की घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य की 5 लाख महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी पैड बांटेगी।

राजेश कुमार ने बताया कि इन सैनिटरी पैड के पैकेट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर छपी होगी, और इसे माई-बहन मान योजना के तहत वितरित किया जाएगा। पैकेट पर 'अखिल भारतीय महिला कांग्रेस' का लोगो भी होगा और साथ में यह भी लिखा होगा कि जरूरतमंद महिलाओं को 2500 रुपये की मासिक सम्मान राशि दी जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, बिहार की महिलाओं को ध्यान में रखते हुए हमने विशेष तैयारी की है। यह योजना खासकर जरूरतमंद महिलाओं के लिए है। हम इसे एक अभियान के रूप में चलाएंगे ताकि यह लाभ हर महिला तक पहुंच सके। कांग्रेस की इस पहल को महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़कर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि इन सैनिटरी पैड के पैकेट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर, 'नारी न्याय, महिला सम्मान' का स्लोगन और 'माई बहिन मान योजना' का प्रचार छपा है। इसके साथ ही पैकेट पर 2500 रुपये की सम्मान राशि का वादा भी दर्ज है।

कांग्रेस की इस घोषणा पर भाजपा ने कड़ा एतराज जताया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, 'सैनिटरी पैड पर राहुल गांधी की तस्वीर लगाना बिहार की महिलाओं का अपमान है। कांग्रेस महिला विरोधी पार्टी रही है और अब वह सस्ती लोकप्रियता के लिए महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ कर रही है। बिहार की महिलाएं कांग्रेस और आरजेडी को चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देंगी। अब देखना यह होगा कि कांग्रेस की यह नई पहल चुनावी मैदान में कितना असर डालती है और महिला वोटर्स की प्राथमिकता को कितना प्रभावित कर पाती है।

उत्पाद विभाग का एएसआई गिरफ्तार सीसीटीवी ने गैंग के सरगना का दिया सबूत

बिहार पुलिस भी हैरान

गया (एजेंसियां)। बिहार के गयाजी जिले में एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां गया पुलिस ने घर में घुसकर लूटपाट करने के आरोप में उत्पाद विभाग के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) को गिरफ्तार किया है। 24 जून को बोधगया थाना क्षेत्र के टीका बिघा गांव में चंदन कुमार के घर पर चार अज्ञात बदमाशों ने जबरदस्ती घुसकर बच्चों के साथ मारपीट की और लगभग दो लाख रुपये नकद सहित सोने के गहने लूटकर फरार हो गए थे। बोधगया के एसडीपीओ सौरभ जायसवाल ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गया उत्पाद विभाग के एएसआई अंजनी कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे बोधगया थाने में गहन पूछताछ की जा रही है।

घटना के बाद गया पुलिस आरोपियों की पहचान में जुट गई थी। इसी क्रम में पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू किए। इसी दौरान पुलिस की नजर उत्पाद विभाग के एएसआई अंजनी कुमार पर पड़ी। पुलिस ने उनके खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अडख से थाने में अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में एसडीपीओ सौरभ जायसवाल ने बताया कि पीड़ित द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्पाद विभाग का एएसआई अंजनी कुमार बाहरी लोगों को अपने गैंग में शामिल करता था और फिर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता था। गया पुलिस आरोपी एएसआई के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

24 जून को बोधगया थाना क्षेत्र के टीका बिगहा में चार बदमाशों ने एक घर में घुसकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। वारदात के बाद पीड़ित चंदन कुमार ने बोधगया थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि घटना के समय वह अपनी पत्नी के साथ गया शहर में सामान खरीदने गए थे। घर पर उनके बच्चे अकेले थे।

चंदन जब शाम को करीब 7 बजे घर लौटे तो बच्चे डरे हुए मिले। पूछने पर बच्चों ने बताया कि दो बाइक पर सवार चार लोग घर आए थे। उन्होंने कहा कि 'तुम्हारे पापा फोन नहीं उठा रहे हैं। पापा का कर्ज चुकाना है, इसलिए सामान लेने आए हैं।' इसके बाद एक बदमाश ने दरवाजे की ग्रिल पीटना शुरू कर दी। दरवाजा अंदर से बंद था। डर के कारण बच्चों ने दरवाजा खोल दिया। दो बदमाश घर में घुस गए और दो बाहर खड़े रहे।

अंदर घुसे बदमाशों ने सामान खोजना शुरू किया। चंदन के कमरे का ताला बंद था। बच्चों ने जब चाबी देने से मना किया तो बदमाशों ने उन्हें पीटा। डरकर बच्चों ने चाबी दे दी। बदमाशों ने अलमारी से एलआईसी लोन जमा करने के लिए रखे गए दो लाख रुपये और एक सोने का हार निकाल लिया। इसके बाद चारों फरार हो गए। चंदन ने बताया कि चारों की उम्र 25 से 30 साल के बीच रही होगी। एक ने नीली हाफ टी-शर्ट पहन रखी थी, जिस पर कुछ लिखा था, और उसके चेहरे पर दाढ़ी थी। दूसरा गुलाबी शर्ट में था। तीसरे ने नीली टी-शर्ट और हल्के रंग का चश्मा लगाया था। चौथे ने नींबू रंग की हाफ शर्ट और जींस पहन रखी थी। इस मामले में कांड संख्या 468/2025 दर्ज की गई थी।

पश्चिम चंपारण में उफान पर गंडक नदी, मुख्य सड़क पर 10 फीट पानी

जान जोखिम में डालकर चलने पर लोग मजबूर

बेतिया (एजेंसियां)। पश्चिम चंपारण जिले के योगापट्टी प्रखंड अंतर्गत चौमुखा पंचायत के मदारपुर गांव में गंडक नदी के जलस्तर में तेज़ बढ़ोतरी के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नदी का पानी गांव के मुख्य संपर्क मार्ग पर चढ़ आया है, जिससे लगभग 10 फीट तक सड़क जलमग्न हो गई है। नतीजतन, मदारपुर का शेष इलाके से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। सड़क डूबने के बाद अब ग्रामीणों को नाव जैसी सुविधा के अभाव में मिट्ठा पकाने वाले कराह (ड्रम या ट्यूब की नावनुमा चीज़) के सहारे एक जगह से दूसरी जगह जाना पड़ रहा है। यह तरीका न केवल असुरक्षित है, बल्कि किसी बड़े हादसे की आशंका भी जताई जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि हर साल यही स्थिति होती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में प्रशासन की ओर से गंभीरता नहीं दिखाई गई। स्थानीय निवासी महेंद्र चौधरी, जानकी देवी, माया देवी, मुन्नी देवी, मलूं चौधरी, संतोष चौधरी और जितेंद्र यादव आदि ने बताया कि गांव की यह समस्या नई नहीं है।

पिछले 15 वर्षों से हर बरसात में यही हाल होता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर जो छोटा सा 'चर्जरी पुल' बनवाया था, वह भी अब जलमग्न हो गया है। ऐसे में पैदल चलना भी असंभव हो गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार की तरफ से किसी भी प्रकार की नाव या राहत सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए स्थिति और भी खतरनाक हो गई है। ग्रामीणों ने चेताया कि अगर जल्द से जल्द नाव या वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था नहीं की गई, तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय पंचायत मुखिया मुकेन्द्र यादव ने बताया कि उन्होंने प्रशासन और उच्च स्तर के जनप्रतिनिधियों से दर्जनों बार लिखित और मौखिक आग्रह किया है कि गांव में स्थायी पुल निर्माण कराया जाए, ताकि हर साल की इस परेशानी से मुक्ति मिल सके। लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं, ठोस कदम नहीं उठाए गए। स्थिति की भयावहता के बावजूद अब तक प्रशासनिक टीम मौके पर नहीं पहुंची है, जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी नाराज़गी है। लोगों ने बताया कि गांव में न तो स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है और न ही किसी प्रकार की आपातकालीन राहत सामग्री पहुंचाई गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो वे सामूहिक प्रदर्शन कर सकते हैं। वर्तमान स्थिति में मदारपुर गांव आपदा जैसी परिस्थिति से जूझ रहा है और त्वरित सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

राजद नेत्री बीमा भारती के पति पर प्राथमिकी दर्ज शख्स को अगवाकर मारपीट करने का लगा आरोप

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में राजद नेत्री और पूर्व विधायक बीमा भारती के पति अवधेश मंडल पर गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति, राम बल्लभ मंडल उर्फ भोला मंडल, को अगवा कर बेरहमी से मारपीट की। यह घटना भवानीपुर थाना क्षेत्र में हुई। घायल राम बल्लभ मंडल को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। यहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

घायल राम बल्लभ मंडल ने बताया कि यह विवाद जमीन के मामले को लेकर है, जिसमें पांच साल पहले भी अवधेश मंडल और उनके साथियों ने उन्हें मारा था।

उस समय उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन बाद में पैसे के लेनदेन के कारण मामला सुलझा लिया था। हाल ही में, जब राम बल्लभ मंडल अपने घर से भवानीपुर बाजार की ओर जा रहे थे, तभी अवधेश मंडल अपने गुर्गों के साथ आए और उन्हें जबरन बंधक बना लिया। इसके बाद उन्हें अपने घर ले जाकर गंभीर रूप से पीटा गया।

इस घटना के बाद, राम बल्लभ मंडल ने पुलिस और रूपौली विधायक शंकर सिंह को सूचित किया। उन्होंने भवानीपुर थाने में अवधेश मंडल और उनके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, राम बल्लभ मंडल की पत्नी ने कहा कि कुछ दिन पहले बीमा भारती उनके घर आई थीं और चुनाव में समर्थन देने का आग्रह किया था।

पूर्व विधायक बीमा भारती ने इस मामले पर अपनी अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि उन्हें इस तरह की किसी घटना की जानकारी नहीं है। भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने पुष्टि की है कि पीड़ित की ओर से आवेदन मिलने पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

जदयू की सभा में पहुंची महिलाओं ने किया हंगामा, बिजली बिल माफी और जमीन के पर्चे की मांग लेकर नाराजगी

दरभंगा (एजेंसियां)। जिले के जुबली हॉल में जदयू के बीस साल के बेमिसाल अपनी सरकार जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सरकार और पार्टी कार्यकर्ताओं पर जमकर नारेबाजी की। मुख्य अतिथि एमएलसी व जदयू प्रवक्ता संजय सिंह, बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी एवं मंत्री संजय सरावगी सहित कई नेता इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

कार्यक्रम में शामिल ग्रामीण महिलाओं ने स्थानीय नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें वाहन की सुविधा देकर बिजली बिल माफ कराने, जमीन के पर्चे देने और लाल कार्ड देने के नाम पर सभा में बुलाया गया था लेकिन उनकी कोई भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। सभा में आने के बाद जब उन्हें कोई राहत नहीं मिली तो उनका गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने जदयू कार्यकर्ताओं पर जमकर विरोध जताया। महिलाओं ने जोर देकर कहा कि स्थानीय नेतागण झूठे वादे कर उन्हें भ्रमित कर रहे हैं। सभा के दौरान महिलाओं ने अपनी नाराजगी खुलकर जताई और मीडिया के सामने नेताओं की पोल खोल दी। इस बीच जदयू की महिला नेत्री अंजिला शर्मा ने महिलाओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन गुस्साई महिलाओं ने उनकी कोई बात नहीं मानी।

मामला तूल पकड़ने पर मीडिया से बात करते हुए जदयू की दरभंगा नगर अध्यक्ष अंजिला शर्मा ने इसे विपक्ष की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि यह सब राजद विधायक ललित यादव के इलाके से आने वाली महिलाएं हैं, जहां विकास के काम नहीं हुए और जनता को लाभ नहीं मिला। शर्मा ने दावा किया कि जदयू सभी के लिए काम करती है और यह सभा सरकार के विकास कार्यों की जानकारी देने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि महिलाओं ने कार्यक्रम के दौरान आराम से बैठकर नेताओं के भाषण सुने, शायद इसलिए कि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद थी लेकिन वह उम्मीद पूरी नहीं हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com